अनुदान प्रस्ताव आमंत्रित

गोण्डा। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी विकास वर्मा ने बताया कि निदेशालय दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग उ0प्र0 लखनऊ द्वारा विभाग द्वारा संचालित मानसिक मंदित एवं मानसिक रूप से रूग्ण निराश्रित दिव्यांगजनों के लिए आश्रय गृह सह प्रशिक्षण केन्द्रो के संचालन हेतु यथा निर्धारित कार्यो के लिए स्वैच्छिक संगठनों को आवश्यक पात्रता के आधार पर अनुदान दिये जाने हेतु अनुदान प्रस्ताव आमंत्रित किये जा रहे है। मानसिक रूप से रूग्ण दिव्यांगजनों के आर्थिक एवं सामाजिक उत्थान को सुनिश्चित करने के लिए शासकीय कार्यक्रमों के साथ स्वैच्छिक संस्थाओं की भागीदारी की आवश्यकता के दृष्टिगत निहित प्राविधानों के अन्तर्गत आगामी 30 जून तक आवेदन पत्र आमंत्रित किये जा रहे है। च्छुक एवं पात्रता रखने वाले स्वैच्छिक संस्थान ''मानसिक मंदित एवं मानसिक रूप से रूग्ण निराश्रित दिव्यांगजनों के लिए आश्रय गृह सह प्रशिक्षण केन्दों के संचालन हेतु अनुदान प्रस्ताव समस्त प्रपत्रों के साथ तीन प्रतियों में जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी कार्यालय विकास भवन गोण्डा में जमा कर सकते है।

देवीपाटन मण्डल का प्रथम हिन्दी दैनिक

त्रिगुट

नासिरा प्रेस

मालवीयनगर-गोण्डा

मो0-9236750993

हमारे यहां शादी कार्ड, मुण्डन कार्ड, हैण्डबिल, पोस्टर, स्टीकर आदि की छपाई उचित दर पर होती है।

एक बार सेवा का अवसर अवश्य दें।

गोण्डा शनिवार 27 मई 2023 वर्ष 38 अंक 274 रजि0 नं0 46071/85 (हिन्दी दैनिक समाचार पत्र) फोन/फैक्स-05262-230683 डाक पंजीयन संख्या-NP/GONDA-30/2003 पृष्ठ- 8 मूल्य 2.00 रुपये

21 दलों का बायकॉट, फिर भी नंबर गेम में आगे निकली मोदी सरकार

नई दिल्ली (एजेन्सी)। जिन सात एनडीए दलों ने संसद भवन उद्घाटन समारोह में शामिल होने का निमंत्रण स्वीकार किया है उसमें बहुजन समाज पार्टी, शिरोमणि अकाली दल, जनता दल सेक्युलर, लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास, वाईएसआर कांग्रेस, बीजू जनता दल और तेलुगू देशम पार्टी शामिल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 मई को नए संसद भवन का उद्घाटन करेंगे। इसको लेकर फिलहाल देश में राजनीतिक जबरदस्त तरीके से शुरू हुई है। कुल मिलाकर देखें तो देश के राजनीतिक दल फिलहाल दो खेमों में बटे हुए नजर आ रहे हैं। एक ओर जहां कुछ राजनीतिक दल संसद भवन के उद्घाटन को लेकर सरकार के साथ खड़े हैं तो कुछ राजनीतिक दल इसका विरोध कर रहे हैं। कांग्रेस सहित लगभग 21 विपक्षी दलों ने मांग की है कि संसद भवन का उद्घाटन प्रधानमंत्री को नहीं बल्कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हाथों होनी चाहिए। हालांकि, मोदी सरकार और भाजपा के लिए सबसे बड़ी राहत की बात यह है कि 25 दलों ने संसद भवन के उद्घाटन समारोह में शामिल होने का न्योता मंजूर किया है। खास बात यह भी है कि इसमें सात ऐसे दल है जो एनडीए से लगातार दूरी बनाकर रखते हैं। लेकिन इस मामले में सरकार के साथ खड़े नजर आ रहे हैं।

नगर पालिका व नगर पंचायत अध्यक्षों का शपथ ग्रहण समारोह एक नजर में

गोण्डा। गांधी पार्क में में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में सदर विधायक प्रतीक भूषण सिंह व सपा नेता सूरज सिंह एवं नवनिर्वाचित अध्यक्ष उज्मा राशिद को अधिशासी अधिकारी नगर पालिका संजय सिंह व पालिका के कर्मचारी स्वागत करते हुए।

गोण्डा। परसपुर से निर्वाचित अध्यक्ष वासुदेव सिंह का स्वागत करते कार्यकर्ता, धानेपुर से निर्वाचित अध्यक्ष उमादेवी शपथ ग्रहण करती हुई साथ में मौजूद मेहनौन विधायक विनय द्विवेदी व भाजपा जिलाध्यक्ष अमर किशोर कश्यप।

नगर पालिका व नगर पंचायत अध्यक्षों सहित सभासदों को दिलायी गयी पद एवं गोपनीयता की शपथ

(अरुण पाण्डेय)

गोण्डा। जनपद के तीन नगर पालिका एवं सात नगर पंचायतों में अध्यक्ष एवं सभासदों का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न हुआ। नगर पालिका परिषद गोण्डा की नवनिर्वाचित अध्यक्ष उज्मा राशिद व 27 वार्डो के नवनिर्वाचित सभासदों को पद एवं गोपनीयता की शपथ एडीएम सुरेश कुमार सोनी ने दिलायी। इस अवसर पर सदर विधायक प्रतीक भूषण सिंह, सपा नेता सूरज सिंह सहित भारी संख्या में कार्यकर्ता एवं समर्थक मौजूद रहे।

नव सृजित नगर पंचायत धानेपुर में नवनिर्वाचित चेयरमैन श्रीमती उमादेवी एवं सभासदों का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मेहनौन विधाायक विनय कुमार द्विवेदी, भाजपा जिलाध्यक्ष अमर किशोर कश्यप मौजूद रहे। परसपुर में चेयरमैन वासुदेव सिंह व सभासदों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी गयी। इस मौके पर कर्नलगंज विधायक अजय सिंह मौजूद रहे।

नव निर्वाचित चेयरमैन रामलली को सिटी मजिस्ट्रेट ने दिलाई पद व गोपनीयता की शपथ

गोण्डा - गंगा जमुनी तहजीब की मिशाल के रूप में पहली बार भाजपा प्रत्याशी के रूप में नगर चेयरमैन बनीं रामलली ने आज पद और गोपनीयता की शपथ ली और चेयरमैन की कुर्सी पर बैठी। खचाखच भरे नगर पालिका परिषद सभागार में शुक्रवार को सिटी मजिस्ट्रेट अर्पित गुप्ता द्वारा ने तमाम गणमान्य लोगों और सभासदों की मौजूदगी में उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस मौके पर ई ओ प्रियंका मिश्रा, पूर्व चेयरमैन रामजीलाल मोदनवाल, रफी उल्लाह अंसारी, अशोक सिंह, अनोखे लाल, राजीव मोदनवाल एडवोकेट, राहुल सिंह, सुरेंद्र वैश्य, नीरज वैश्य, संजय यज्ञसैनी, पृथ्वी पाल सिंह, डा.राजेंद्र सिंह, जोगिंदर सिंह जानी, सत्य प्रकाश तिवारी, उमेश चन्द्र मिश्रा, पप्पू मिश्रा, सोनू पुरवार, चंद्रशेखर बाबा, अनूप गोस्वामी, कन्हैया लाल वर्मा, आशीष सोनी सहित अन्य तमाम लोग व नगर पालिका के कर्मचारी रहे।

फर्जी तरीके से दर्ज मुकदमे को वापस लिये जाने की मांग को लेकर न्यायिक कार्य से विरत रहे अधिवक्ता

त्रिगुट संवाददाता

गोण्डा। दिनांक 08.10.21 के अनुपालन में ग्राम न्यायालय स्थापना प्रकरण के विरोध में भविष्य में की गयी कार्यवाहियों पर नजर रखने हेतु सप्ताह में शुक्रवार के दिन प्रतीकात्मक पूर्ण रुप से न्यायिक कार्य से विरत रहने तथा उक्त प्रकरण से सम्बंधित मुकदमा अपराध सं0 730/2021 थाना कोतवाली नगर में दर्ज मुकदमा जो अधिवक्ताओं के ऊपर फर्जी तरीके से दर्ज किया गया वापस नहीं लिया गया तो आन्दोलन उग्र रुप लेगा। शुक्रवार हड़ताल के दिन कोई भी अधिवक्ता न्यायिक कार्य नहीं करेगा और अगली रणनीति 2 जून को सिविल बार एसोसियेशन गोण्डा तय की जायेगी।

जुलूस में पूर्व अध्यक्ष माधवराज मिश्र, विन्देश्वरी प्रसाद दूबे, केके पाण्डेय, अजय शंकर श्रीवास्तव बंटी, सुनील पाण्डेय, संजय सिंह, बृजेश कुमार मिश्र, चन्द्रमणि तिवारी, सर्वजीत मिश्र, सच्चिदानन्द मिश्र,, सुरेन्द्र नाथ मिश्र, अवध किशोर पाण्डेय, अनुभव उपाध्याय, रमेश चन्द्र गुप्ता, संतोष कुमार मौर्य, आद्या प्रसाद नाग, मनोज श्रीवास्तव, शशांक त्रिपाठी गद्दू, रितेश कुमार गुप्ता, दशरथ लाल वर्मा, रवि प्रकाश, दिनेश मौर्य, अनिल सिंह, गौरी शंकर चतुर्वेदी, रवि तिवारी, हिमांशु ओझा, भगवती प्रसाद पाण्डेय, शैलेन्द्र मिश्र, राम बुझारत द्विवेदी, आलोक मिश्र, महेश तिवारी, संदीप पाण्डेय, संतोष ओझा, नरेन्द्र सिंह राना, सच्चिदानन्द पाण्डेय, संतोषी लाल तिवारी, अशोक तिवारी, महेन्द्र मोहन मिश्र, रितुराज शुक्ल, हरिश्चन्द्र बाजपेयी आदि सैकड़ों अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

डीएम की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक सम्पन्न

किसी भी हाल में आशा का वेतन न रोका जाये, समय से दिया जाये वेतन - डीएम

त्रिगुट संवाददाता

गोण्डा। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी डॉ0 उज्ज्वल कुमार की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिला स्वास्थ्य समिति द्वारा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत चलाए जा रहे कार्यक्रमों की समीक्षा की गयी। बैठक में प्रस्तावित एजेंडा के आधार पर यू0पी0एच0एम0आई0एस0 हेल्थ डैशबोर्ड, मातृ स्वास्थ्य, बाल स्वास्थ्य, परिवार कल्याण, कम्युनिटी प्रोसेस, राष्ट्रीय कार्यक्रम नान कम्युनिकेबल डिजीज, एन0सी0डी0, एनबीएसीपी0, आर0एन0टी0सी0पी0, पी0एम0एम0वी0वाई0, नियमित टीकाकरण, वैक्सीनेशन, जननी सुरक्षा व मातृ वंदना योजना के तहत भुगतान की स्थिति, आशा इन्सेन्टिव, हाई रिस्क प्रेग्नेंसी, ओपीडी व आईपीडी की स्थिति, प्राथामिक स्वास्थ्य केन्द्रों तथा सीएचसी पर बेडों की ऑक्यूपेंसी की स्थिति सहित अन्य योजनाओं की जिलाधिकारी द्वारा गहन समीक्षा की गई। वहीं जिला स्वास्थ समिति की समीक्षा के दौरान स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित सभी योजनाओं

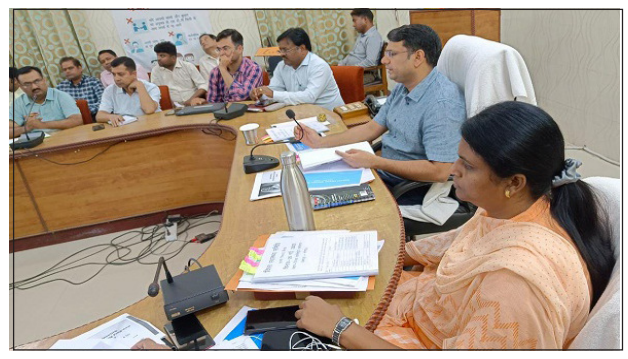

की समीक्षा की गई। समीक्षा में जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 रश्मि वर्मा को निर्देश देते हुए कहा कि जनपद के सभी सीएचसी अधीक्षक एवं पीएचसी अधीक्षकों की प्रतिदिन जूम के माध्यम से उपस्थिति को चेक किया जाये।

इसके साथ ही बैठक में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत माह अप्रैल, 2023 का भ्रमण की समीक्षा की गई। एनआरसी में भर्ती बच्चों, आरसीएच पोर्टल फीडिंग के स्टेटस, एनपीसीडीसीएस, राष्ट्रीय कुष्ठ नियंत्रण कार्यक्रम, राष्ट्रीय अंधता एवं दृष्टिक्षीणता नियंत्रण कार्यक्रम आदि सभी की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि समय से कार्य कराना सुनिश्चित करें। डीएम द्वारा सभी सीएचसी अधीक्षकों को कड़े निर्देश दिये गये कि अपने अपने सीएचसी पर साफ- सफाई पर विशेष ध्यान दें।

बैठक में डीएम ने सीएमओ को निर्देश देते हुए कहा है कि आशाओं का भुगतान समय से किया जाये। किसी भी हाल में आशा का मानदेय कम नहीं होना चाहिए। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की मंशानुसार जनसामान्य को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराने के लिए सभी सीएचसी अधीक्षक सीएचसी पर ही निवास करें तथा संस्थागत प्रसव एवं विभिन्न प्रकार के टीकों को समय से लगवाना सुनिश्चित करें।

वहीं बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि जनपद में विशेष टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है जिसमें बच्चों को चिन्हित कर उन्हें टीका लगाया जाए। आयुष्मान कार्ड के माध्यम से मरीजों को भर्ती करायें। ई कवच को पोर्टल को अपडेट करें।

प्रसव केंद्र पर प्रसव की संख्या बढ़ाएं। सब सेंटरों पर एएनएम की उपस्थिति सुनिश्चित की जाये। ताकि सेंटर पर आने वाले मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ दिया जा सके। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी एम.अरुन्मोली, सी0एम0ओ0 डॉक्टर रश्मि वर्मा, सीएमएस जिला अस्पताल एवं महिला अस्पताल, जिला पंचायत राज अधिकारी लालजी दुबे, जिला विद्यालय निरीक्षक राकेश कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अखिलेश प्रताप सिंह, डीपीएम अमर नाथ, जिला कार्यक्रम अधिकारी धर्मेंद्र कुमार गौतम, सहित डब्ल्यू0एच0ओ0 यूनिसेफ के पदाअधिकारी, समस्त सी0एच0सी0 अधीक्षक तथा अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बाढ़ से निपटने हेतु कर्नलगंज में हुई बैठक

निज संवाददाता

गोण्डा। जिलाधिकारी डॉक्टर उज्वल कुमार के निर्देश पर करनैलगंज तहसील में अपर जिलाधिकारी सुरेश कुमार सोनी ने जनप्रतिनिधियों व अन्य अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ बाढ़ से निपटने हेतु की जाने वाली तैयारियों के संबंध में बैठक की। बैठक में बाढ़ आने से पूर्व ही सभी तैयारियां दूर करने के निर्देश दिए गए।

वहीं बैठक के दौरान अपर जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि बाढ़ से प्रभावित होने वाले गांवों हेतु एक नाव की व्यवस्था ग्राम सभा द्वारा कर ली जाये और चिन्हित नाविक को सजग कर दिया जाए। लेखपाल पूर्व में ही किसानों की फसलों का मुआयना कर ले ताकि किसी प्रकार की फसल क्षति होने पर नियमानुसार किसानों को लाभान्वित किया जा सके। गांव के पशुओं को भी चिन्हित कर लिया जाए ताकि भूसा आदि की व्यवस्था की जा सके साथ ही आवश्यकता पड़ने पर पशु आश्रयालय भी ले जाया जा सके। स्वास्थ्य विभाग प्रत्येक घर का आशा के माध्यम से सर्वे करा ले ताकि आवश्यकतानुसार दवा व आपातकालीन चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सके।

बैठक में उपजिलाधिकारी करनैलगंज हीरा लाल, तहसीलदार करनैलगंज नरसिंह नरायन वर्मा, खण्ड विकास अधिकारी , जिला आपदा विशेषज्ञ राजेश श्रीवास्तव, स्वास्थ्य विभाग और पशुपालन विभाग के अधिकारी लेखपाल उपस्थित रहे ।

कैदियों के हुनर को बढाने हेतु शिविर का आयोजन

निज संवाददाता

गोण्डा। उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ व माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गोण्डा ब्रजेन्द्र मणि त्रिपाठी के निर्देशानुसार जिला कारागार गोण्डा में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गोण्डा के आदेश पर उ0प्र0 कौशल विकास मिशन के डी0पी0एम0यू0 गोण्डा द्वारा कैदियों के हुनर को बढाने हेतु तथा उन्हें प्रशिक्षण में भाग लेने हेतु प्रेरित करने के लिये, उ0प्र0 कौशल विकास मिशन द्वारा किस-किस सेक्टर में प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है, के बावत जानकारी प्रदान करने के उद्देदश्य से बन्दियों के लिये एक शिविर का आयोजन डिप्टी जेलर शैलेन्द्र त्रिपाठी की उपस्थिति में किया गया।

इस शिविर के दौरान उ0प्र0 कौशल विकास मिशन के डी0पी0एम0यू0 गोण्डा के एम0आई0एस0 मैनेजर दीपक खरे ट्रेनर कौशल विकास एवं प्रोजेक्ट हेड अंकित कुमार मिश्र श्री देव व्हील्स प्राइवेट लिमिटेड की उपस्थिति में किया गया।

सचिव द्वारा इस शिविर में उपस्थित दोषसिद्ध अभियुक्त/विचाराधीन बन्दियों को सम्बोधित करते हुये कहा गया कि राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ द्वारा आप लोगों के हुनर (कौशल) को बढाने के उद्देदश्य से इस शिविर का आयोजन किया गया है। आप लोगों को उ0प्र0 कौशल विकास मिशन के डी0पी0एम0यू0 गोण्डा के तरफ से उपस्थित एम0आई0एस0 मैनेजर तथा प्रोजेक्ट हेड द्वारा जो जानकारी उपलब्ध कराई जाये, उसको आप सब अपने-अपने बैरकों में रहने वाले बन्दियों को बतलाइयेगा, जिससे उनको भी भविष्य में उ0प्र0 कौशल विकास मिशन के डी0पी0एम0यू0 गोण्डा द्वारा संचालित होने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने हेतु प्रेरणा मिले। ईश्वर का मनुष्य को यह एक वरदान है कि प्रत्येक व्यक्ति के पास कोई न कोई हुनर अवश्य होता है, किन्तु वह उस हुनर को पहचान नही पाता, अगर वह पहचान भी जाता है, तो वह उसकी तरफ आगे नही बढता, बल्कि कोई अन्य कार्य करने का प्रयास करता हैं, जिसके परिणाम स्वरूप उनमें से कुछ व्यक्ति तो सफल हो जाते हैं, किन्तु अधिकतर व्यक्ति असफल ही रहते हैं। इसी तथ्य को ध्यान में रखते हुये भारत सरकार द्वारा भारत की जनता के इस हुनर को निखारने के लिये प्रधानमंत्री भारत सरकार द्वारा कौशल विकास मिशन की स्थापना की गयी है, जिसका प्रमुख उद्देदश्य भारत की जनता के हुनर को बढाने के लिये विविध प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम यथा कम्प्यूटर साफ्टवेयर/हार्डवेयर का प्रशिक्षण, इलेक्ट्रिक एल0ई0डी0 व वायरिंग, टेलरिंग, मिट्टी के वर्तन बनाने की कला, कारपेन्टरी व काष्ठ कला इत्यादि है। आज आपके समक्ष उ0प्र0 कौशल विकास मिशन के डी0पी0एम0यू0 गोण्डा के एम0आई0एस0 मैनेजर व प्रोजेक्ट हेड उपस्थित हैं, जो आप लोगों को कौशल विकास के बारे में जानकारी देंगें एवं उनके द्वारा आगामी माह में जो भी प्रशिक्षण कार्यक्रम उनके द्वारा कराया जायेगा, उसके बारे में वे आप लोगों को अहम जानकारी प्रदान करेंगे।

शिविर में उपस्थित उ0प्र0 कौशल विकास मिशन के डी0पी0एम0यू0 गोण्डा के एम0आई0एस0 मैनेजर दीपक खरे द्वारा शिविर को सम्बोधित करते हुये कहा गया कि आगामी दौर में आप लोगों के एक प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया जायेगा, जिसमें 20-20 दोषसिद्ध अभियुक्त/विचाराधीन बन्दियों के 03 ग्रुप बनाकर उन लोगों को 06 माह का प्रशिक्षण दिया जायेगा, इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिये आप सभी लोगों के आधार कार्ड अनिवार्य है, जिन-जिन दोषसिद्ध अभियुक्त/विचाराधीन बन्दियों का आधार कार्ड होगा, केवल उन्हीं को प्रशिक्षण दिया जायेगा। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के उपरान्त आप सभी को जो भी प्रशिक्षण दिया जायेगा, उसकी एक परीक्षा ली जायेगी। उक्त परीक्षा में जो भी पास होगा, उसे उ0प्र0 कौशल विकास मिशन द्वारा एक प्रमाण पत्र दिया जायेगा, जो इस बात को प्रमाणित करेगा, कि आप द्वारा उक्त का प्रशिक्षण लिया गया है।

इसके अतिरिक्त शिविर में उपस्थित प्रोजेक्ट हेड अंकित कुमार मिश्र श्री देव व्हील्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा शिविर को सम्बोधित करते हुये कहा गया कि दोषसिद्ध/विचाराधीन बन्दियों के 20-20 के 03 ग्रुप में से 02 ग्रुप को कारपेन्टरी का 06 माह का प्रशिक्षण दिया जायेगा तथा 01 ग्रुप को टेलरिंग का प्रशिक्षण दिया जायेगा। प्रशिक्षण के दौरान आप लोगों को जो कुछ भी सिखाया गया है, उसकी परीक्षा भी होगी, जिससे यह साबित हो जायेगा कि आप लोगों द्वारा प्रशिक्षण को संजीदगी से लिया गया है।

इस अवसर पर डिप्टी जेलर शैलेन्द्र त्रिपाठी, दिवाकर विक्रम सिंह मैनेजर व जानकी शरण द्विवेदी क्वालिटी हेड श्री देव व्हील्स प्राइवेट लिमिटेड, महिला टेऊनर कौशल विकास कामिनी पाण्डेय एवं अन्य बन्दी रक्षक तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गोण्डा के कनिष्ठ लिपिक कन्हैया लाल तिवारी व पराविधिक स्वयं सेवक संजय कुमार दूबे व राम देवी उपस्थित रहे।

डीएम ने की जल जीवन मिशन के कार्यों के प्रगति की समीक्षा बैठक

निज संवाददाता

गोण्डा। जिलाधिकारी डॉक्टर उज्वल कुमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जल जीवन मिशन की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जल जीवन मिशन से चल रही समस्त परियोजनाओं पर विस्तृत रूप से गहन समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान जल जीवन मिशन के कार्यदायी संस्था एलएनटी व लोक सेवा मिशन तथा आईएसए को कड़े निर्देश देते हुए निर्देश दिये हैं कि कार्यों में और तेजी लायी जाय।

उन्होंने कहा है कि सभी परियोजनाओं को समय से पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि चल रही निर्माणाधीन परियोजनाओं के प्रगति के संबंध में समय-समय पर उन्हें भी अवगत कराएं।बैठक में एक्सईएन जल निगम व एलएनटी के अधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि सभी कार्यों का विभाजन करके संबंधित की जिम्मेदारी तय की जाय तथा समय-समय पर कार्यों के प्रगति की उनसे जानकारी ली जाय। बैठक में विभाग द्वारा कार्यदाई संस्थाओं को दिए गए कार्यों की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान नाराजगी व्यक्त करते हुए कार्यदाई संस्था एलएनटी को और मैनपावर बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं।

उन्होंने जनपद में जल जीवन मिशन का कार्य शत-प्रतिशत समय से पूर्ण कराने के निर्देश देते हुए कहा कि यह सरकार की महात्वाकांक्षी योजना है इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही न करने के निर्देश दिये। साथ ही सभी कार्यदायी संस्थाओं को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि सभी परियोजनाओं का कार्य पूरी गुणवत्ता के साथ समयबद्ध रूप से कराना सुनिश्चित करें। बैठक में कार्यदायी संस्था को निर्देश देते हुए कहा है कि कार्य प्रगति की रिपोर्ट प्रतिदिन संबंधित अधिकारी को उपलब्ध कराएं। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी एम. अरुन्मोली, जिला पंचायत राज अधिकारी लाल जी दूबे, एक्सईएन जल निगम गणेश प्रसाद, एई जल जीवन मिशन, एलएनटी व लोक सेवा मिशन, आईएसए आदि कार्यदायी संस्था एवं अन्य संबंधित अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

अडानी ग्रुप की सात कंपनियों के शेयर घाटे में, एंटरप्राइजेज में भी गिरावट

मुंबई (ईएमएस)। अडाणी समूह की सात कंपनियों के शेयर बुधवार को नुकसान में बंद हुए, जिसमें अडाणी एंटरप्राइजेज का शेयर लगभग छह प्रतिशत तक गिर गया। उच्चतम न्यायालय की समिति की रिपोर्ट सामने आने के बाद समूह की कंपनियों के शेयर पिछले तीन दिन से मुनाफे में थे। समिति ने कहा है कि अडाणी समूह के शेयरों के भाव में हेराफेरी का उसे कोई सबूत नहीं मिला है। साथ ही अडाणी समूह की कंपनियों में विदेशी कंपनियों के निवेश में हुए कथित उल्लंघन की अलग से हुई सेबी की जांच में कुछ नहीं मिला है। अडाणी एंटरप्राइजेज का शेयर बीएसई में 5.90 प्रतिशत गिर गया। इसका शेयर पिछले तीन दिन में 39.41 प्रतिशत चढ़ा था। अडाणी विल्मर का शेयर 4.99 प्रतिशत, एसीसी का शेयर 2.15 प्रतिशत, अडाणी पोर्ट्स का शेयर 2.13 प्रतिशत, अडाणी पावर का शेयर 1.63 प्रतिशत, अंबुजा सीमेंट्स का शेयर 1.25 प्रतिशत और अडाणी ग्रीन एनर्जी का शेयर 0.52 प्रतिशत गिर गया। हालांकि अडाणी ट्रांसमिशन का शेयर पांच प्रतिशत, अडाणी टोटल गैस का शेयर पांच प्रतिशत और एनडीटीवी का शेयर 4.98 प्रतिशत तक चढ़ गया। शेयर बाजार में बीएसई का शेयर 208.01 अंक या 0.34 प्रतिशत गिरकर 61,773.78 पर बंद हुआ। अडाणी समूह की सभी कंपनियों के शेयर शुक्रवार से बढ़ रहे थे। पिछले तीन दिनों में समूह की सभी कंपनियों का बाजार मूल्यांकन 1,77,927.29 करोड़ रुपए बढ़ गया था।

बीएसएनएल दो हफ्ते में 200 स्थानों पर 4जी सेवा शुरू करेगी

नई दिल्ली (ईएमएसा)। दूरसंचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी बीएसएनएल अगले दो हफ्तों में 200 स्थानों पर 4जी सेवाओं की पेशकश करना शुरू कर देगी। वैष्णव ने यहां संवाददाताओं से कहा कि देश में ही निर्मित 4जी दूरसंचार उपकरणों को बीएसएनएल ने चंडीगढ़ और देहरादून के बीच 200 स्थानों पर लगाया है। उन्होंने कहा ?कि अधिक-से-अधिक अगले दो हफ्तों में बीएसएनएल की 4जी सेवा शुरू हो जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इस साल नवंबर-दिसंबर तक बीएसएनएल के 4जी नेटवर्क को उन्नत कर 5जी में बदल दिया जाएगा। बीएसएनएल ने 4जी नेटवर्क की स्थापना के लिए टीसीएस और आईटीआई को 19,000 करोड़ रुपए से अधिक का अग्रिम ऑर्डर दिया हुआ है। इन उपकरणों को देश भर में 1.23 लाख से अधिक जगहों पर लगाया जाएगा। वैष्णव ने कहा ?कि तीन महीने तक परीक्षण चलने के बाद हम एक दिन में 200 जगहों पर नेटवर्क लगाने लगेंगे। शुरू में यह नेटवर्क 4जी के तौर पर काम करेगा और नवंबर-दिसंबर तक थोड़े-बहुत सॉफ्टवेयर अपडेट के साथ इसे 5जी में तब्दील कर दिया जाएगा।

फर्जी आईटीसी दावों पर लगाम के लिए अधिक प्रयास जरूरी: सीबीआईसी सदस्य

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा-शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने कहा कि फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) दावा करने वाले कारोबारियों को जीएसटी प्रणाली से निकाल बाहर करने के लिए अधिक प्रयासों की जरूरत है। सीबीआईसी के एक सदस्य ने उद्योग मंडल पीएचडीसीसीआई के एक कार्यक्रम में कहा कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के फर्जी पंजीकरण से आईटीसी का गलत दावा करने वाले कारोबारियों की पहचान के लिए दो महीने का विशेष अभियान भी चल रहा है। उन्होंने कहा ?कि अगर हम फर्जी ढंग से आईटीसी दावा करना ही बहुत मुश्किल या नामुमकिन बना देते हैं तो यह समस्या जड़ से ही खत्म हो जाएगी। इसके लिए हाल में सत्यापन की व्यवस्था लागू की गई है। हालांकि जीएसटी प्रणाली से फर्जी आईटीसी लेने वालों को खत्म करने के लिए अब भी कुछ कदम उठाने बाकी हैं। उन्होंने कहा कि जीएसटी पंजीकरण की संख्या 1.39 करोड़ हो चुकी है लेकिन इनमें कुछ लोग फर्जी बिल के जरिये आईटीसी के दावे कर रहे हैं। उन्होंने कहा ?कि कर विभाग का संघर्ष यह है कि इन्हें किस तरह खत्म किया जाए और व्यवस्था को फिर से साफ बनाया जा सके। वित्त वर्ष 2022-23 में एक लाख करोड़ रुपए की कर चोरी होने का अनुमान है जबकि वर्ष 2021-22 में यह आंकड़ा 54,000 करोड़ रुपए था।

मारुति सुजुकी जिम्नी को 30 हजार ग्राहक कर चुके हैं बुक

नई दिल्ली (ईएमएस)। मारुति सुजुकी जिम्नी को अब तक 30 हजार ग्राहक बुक कर चुके हैं। मात्र 25,000 रुपये देकर इस कार को ऑनलाइन या कंपनी की डीलरशिप पर जाकर बुक कराया जा सकता है। जानकारी के अनुसार मारुति जिम्नी को 7 जून को लॉन्च किया जा सकता है।मारुति जिम्नी में एलईडी हेडलैंप, 9-इंच स्मार्ट प्ले प्रो + इंफोटेनमेंट सिस्टम, क्रूज़ कंट्रोल, 6 एयरबैग,हिल होल्ड असिस्ट के साथ ईएसपी और हिल डिसेंट कंट्रोल जैसे फीचर्स दिए जा सकते हैं। जिम्नी 2 वेरिएंट्स- जेटा और अल्फा में पेश की जाएगी। रिपोर्ट्स के अनुसार जिम्नी की कीमत 13,65,705.70 रुपये बताई जा रही है। कयास लगाया जा रहा कि ये कीमत जिम्नी की टॉप मॉडल की हो सकती है। वहीं ऑन रोड इसकी कीमत 16 लाख रुपये के आसपास हो सकती है। लॉन्च के बाद ये गाड़ी महिंद्रा थार और फोर्स गुरखा को टक्कर देगी। मारुति जिम्नी में 1.5-लीटर चार-सिलेंडर नैचुरली एस्पिरेटेड के15सी डुअलजेट इंजन दिया जाएगा है, जो 105पीएस की पावर और 134 एनएम टॉर्क जेनरेट करने में सक्षम होगा। साथ ही इसे 5-स्पीड एमटी और 4-स्पीड एटी ऑप्शन के साथ जोड़ा गया है।

अल्टोज का सीएनजी संस्करण पेश

नई दिल्ली (ईएमएस)। जानी-मानी स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स ने अपनी प्रीमियम हैचबैक अल्ट्रोज का सीएनजी संस्करण पेश किया। टाटा मोटर्स ने बयान में कहा कि इसके शोरूम कीमत 7.55 लाख रुपये से शुरू होगी। अल्ट्रोज आईसीएनजी 7.55 लाख रुपये और 10.55 लाख रुपये (शोरूम कीमत) के बीच छह संस्करणों में उपलब्ध होगी। कंपनी के बयान के मुताबिक, यह गाड़ी 'ट्विन-सिलेंडर' सीएनजी तकनीक और अन्य उन्नत सुविधाओं जैसे वॉयस-असिस्टेड इलेक्ट्रिक सनरूफ, वायरलेस चार्जर और एयर प्यूरिफायर से लैस है। टाटा मोटर्स पैसेंजर वेहिकल्स लिमिटेड और टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक शैलेश चंद्रा ने कहा कि ग्राहक किफायती और पर्यावरण के अनुकूल यात्रा अनुभव चाहते हैं और वह सीएनजी की व्यापक उपलब्धता के कारण इस वैकल्पिक ईंधन को चुन रहे हैं। टाटा मोटर्स ने पिछले साल जनवरी में टियागो और टिगोर का सीएनजी संस्करण उतारा था।कंपनी ने कहा कि ट्विन-सिलेंडर सिलेंडर संरक्षित वॉल्व और पाइप के साथ लगेज एरिया के नीचे स्थित हैं, जिससे नुकसान का जोखिम कम हो जाता है।

सऊदी अरब और कनाडा के बीच राजनयिक संबंध बहाल

टोरंटो (ईएमएस)। सऊदी अरब और कनाडा के बीच राजनयिक संबंध बहाल हो गए हैं। दोनों देशों के बीच एपेक समिट के दौरान सहमति बनी है। सऊदी अरब और कनाडा के बीच 5 साल पहले दरार पैदा हो गई थी। कनाडा और सऊदी अरब ने पूर्ण राजनयिक संबंधों को बहाल करने और नए राजदूतों को नियुक्त करने पर सहमति व्यक्त कर ली है। दोनों देशों ने कहा कि 2018 के विवाद को समाप्त किया गया है, जिसने संबंधों और व्यापार को नुकसान पहुंचाया। कनाडा और सऊदी अरब के बयानों के अनुसार, पिछले साल नवंबर में बैंकॉक में एशिया-पैसिफिक इकोनॉमिक कोऑपरेशन (एपेक) फोरम के शिखर सम्मेलन के दौरान कनाडा के प्रधान मंत्री जस्टिन ट्रूडो और सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के बीच हुई चर्चा के बाद यह निर्णय लिया गया था। बयानों में कहा गया है कि यह निर्णय दोनों पक्षों की आपसी सम्मान और सामान्य हितों के आधार पर दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों को बहाल करने के लिए लिया गया है।

एसबीआई की आय बढ़ने से सतर्क हुए ब्रोकर

नई दिल्ली (ईएमएस)। व्यापक आर्थिक हालात की अनिश्चितता का हवाला देते हुए अधिकांश ब्रोकर भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की कमाई में इजाफे को लेकर सतर्क हो गए हैं। उन्हें सरकारी स्वामित्व वाले ऋणदाता के मामले में कोई खास जोखिम तो नहीं दिख रहा है, लेकिन उसकी बैलेंसशीट के आकार और सिस्टमैटिक महत्व ने उन्हें वित्त वर्ष 2023-24 और वित्त वर्ष 2024-25 के लिए कमाई के अनुमानों में पांच प्रतिशत तक की कटौती करने के लिए प्रेरित किया है। सरकारी स्वामित्व वाले देश के सबसे बड़े बैंक ने वित्त वर्ष 23 की चौथी तिमाही में एकल आधार पर 16,694.51 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया है। संपूर्ण वित्त वर्ष 23 के लिए इसका मुनाफा वित्त वर्ष 50,232 करोड़ रुपए रहा, जो पिछले साल के मुकाबले 58.58 प्रतिशत रहा।

गिरावट के साथ शेयर बाजार की शुरुआत

मुंबई (ईएमएस)। वैश्विक बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बीच बाजार की गुरुवार के कारोबादि दिन शेयर बाजार की कमजोर शुरुआत हुई है। बीएसई का सेंसेक्स 26.56 अंक की गिरावट के साथ 61,747.22 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 12.20 अंक की गिरावट के साथ 18,273.20 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार को शेयर बाजार गिरावट के साथ लाल निशान पर बंद हुए। सेंसेक्स 208 अंक टूटा। वहीं निफ्टी में भी 63 अंको की गिरावट दर्ज की गई। कारोबार के आखिरी में निफ्टी 18,285.40 पर बंद हुआ। बजाज ऑटो, भारती एयरटेल, आईटीसी, आयशरमोट, ब्रिटेनिया के के शेयर बढ़त में है, वहीं एडीनेंट, हिंडाल्को, टाटा मोटर्स, एचडीएफसी, इंडसंड बैंक के शेयर लाल रंग में यानी कमजोर दिखाई पड़ रहे हैं। आज के कारोबार में निफ्टी पर ऑटो, आईटी, मेटल इंडेक्स लाल निशान में दिख रहे हैं। जबकि बैंक, फाइनेंशियल, फार्मा, एफएमसीजी और रियल्टी हरे निशान में हैं। उतार चढ़ाव भरे बाजार में कुछ शेयर बाजार में फोकस में रह सकते हैं। अगर इंट्राडे में बेहतर शेयरों की तलाश है तो इन पर नजर रख सकते हैं। वहीं अमेरिकी बाजारों में लगातार चौथे दिन भी गिरावट का रुख जारी रहा, क्योंकि डेट सीलिंग को लेकर हुई बैठक में कोई प्रगति नहीं देखी गई।

बोलिविया की संसद में महिला सांसदों के बीच में चले लात घूंसे

लापाज (ईएमएस)। दक्षिण अमेरिका के बोलिविया की संसद में महिला सांसदों ने जमकर एक दूसरे के बाल खींचे। एक दूसरे को लात घूंसे से मारा। संसद के अंदर महिला सांसदों ने अपना जिस तरह से शक्ति प्रदर्शन किया। उसको देखकर सभी हैरान रह गए। विपक्षी सांसद बैनर लेकर सदन के अंदर हंगामा कर रहे थे। सत्ता पक्ष उनसे भिड गया। दोनों पक्षों में काफी देर तक हाथापाई और जूतम पैजार होती रही। सरकार की ओर से जो रिपोर्ट पेश की गई थी। महिला सांसद उसका विरोध कर रही थी।

केन्स फिल्म समारोह में फिल्म ला पैशन डी डोडिन की स्क्रीनिंग में अपनी अदायें बिखेरती हुई मॉडल हेदी क्लूम।

बाइडेन ने ऑस्ट्रेलिया के पीएम अल्बनीज व पापुआ न्यू गिनी के पीएम मारापे को दिया न्योता

वॉशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने आगामी बैठक के लिए बुधवार को ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज और पापुआ न्यू गिनी के प्रधानमंत्री जेम्स मारापे को न्योता दिया है। हिंद-प्रशांत के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के निदेशक ने यह जानकारी दी। बाइडेन की तरफ से दोनों देशों के शीर्ष नेताओं को यह बुलावा ऐसे समय में भेजा गया है, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दोनों देशों की यात्रा के दौरान अल्बनीज और मारापे से मुलाकात की थी। डॉ. मीरा रैप-हूपर ने कहा कि बाइडेन ने अल्बनीज को अमेरिका आने के लिए आमंत्रित किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री अल्बनीज ने बाइडेन का न्योता स्वीकार कर लिया और दोनों नेताओं ने आगामी मुलाकात को लेकर चर्चा की। इससे पहले दोनों नेता जी-20 की बैठक के दौरान हिरोशिमा में मिले थे। हमारी टीम पहले से ही यात्रा के लिए योजना बनाने की कोशिश शुरू कर चुकी है।

मारापे के बारे में बात करते हुए हूपर ने कहा कि बाइडेन ने उन्हें वॉशिंगटन में होने वाले दूसरे प्रशांत शिखर सम्मेलन के लिए अमेरिका आमंत्रित किया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति बाइडेन ने प्रधानमंत्री मारापे के साथ बात की और उन्हें पापुआ न्यू गिनी में अपने दौरे को रद्द करने की जरूरत के बारे में बताया, तो उन्होंने (बाइडेन) ने स्पष्ट किया कि वह उन्हें प्रशांत द्वीप के नेताओं को दूसरे प्रशांत शिखर सम्मेलन के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका में आमंत्रित करने का इरादा रखते हैं। प्रधानमंत्री मोदी अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन और प्रथम महिला जिल बाइडेन के निमंत्रण पर जून में अमेरिका की अपनी पहली राजकीय यात्रा पर आएंगे। बाइडेन दंपती 22 जून को राजकीय भोज पर भी मोदी की मेजबानी करेगी। भारतीय-अमेरिकी समुदाय के कई अन्य नेताओं ने प्रधानमंत्री की यात्रा का स्वागत किया है। पीएम मोदी की अमेरिका की यात्रा सितंबर में भारत की मेजबानी में होने जा रहे जी-20 शिखर सम्मेलन से पहले हो रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्विपक्षीय संबंधों में सुधार करने के मकसद से भारत एवं 14 प्रशांत द्वीप देशों के अहम शिखर सम्मेलन की मेजबानी के लिए 21 मई को पापुआ न्यू गिनी पहुंचे थे, जहां उन्होंने अपने समकक्ष जेम्स मारापे के साथ वाणिज्य, प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य देखभाल तथा जलवायु परिवर्तन जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। पापुआ न्यू गिनी के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 22 मई को राजकीय अतिथि के रूप में ऑस्ट्रेलियाई शहर सिडनी पहुंचे। पीएम मोदी की ऑस्ट्रेलिया यात्रा के तीसरे और अंतिम दिन एंथनी अल्बनीज के साथ हुई चर्चा में द्विपक्षीय संबंधों के पूरे आयामों के साथ-साथ रक्षा और सुरक्षा, व्यापार और निवेश, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, महत्वपूर्ण खनिजों, शिक्षा, प्रवासन और गतिशीलता एवं लोगों के बीच संबंधों में सहयोग पर ध्यान केंद्रित किया गया।

मिंडा कॉरपोरेशन के खिलाफ मद्रास उच्च न्यायालय पहुंची प्रिकोल लिमिटेड

मुंबई (ईएमएस)। वाहन कलपुर्जा कंपनी प्रिकोल लिमिटेड ने अपनी प्रतिद्वंद्वी मिंडा कॉरपोरेशन द्वारा उसकी 24.5 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने के लिए भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) में दिए गए आवेदन की वैधता को मद्रास उच्च न्यायालय में चुनौती दी है। मिंडा कॉर्पोरेशन ने माह की शुरुआत में 17 फरवरी को खुले बाजार से प्रिकोल के 1.91 करोड़ से अधिक शेयर खरीदकर 15.7 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया था। उसके बाद मिंडा कॉरपोरेशन ने प्रिकोल में अपनी हिस्सेदारी को 24.5 प्रतिशत तक बढ़ाने के लिए सीसीआई का रुख किया था। प्रिकोल ने कहा कि उसने मिंडा कॉरपोरेशन लिमिटेड (मिंडा) के सीसीआई को दिए गए आवेदन के संबंध में मद्रास उच्च न्यायालय के समक्ष एक रिट याचिका दायर की है।

मां ने ही किया था छह साल की बच्ची का अपहरण

वाशिंगटन (ईएमएस)। छल साल से गायब एक बच्ची के बारे में शो नेटफ्लिक्स पर दिखाया गया, तभी बच्ची जिंदा वापस लौट आई।सुनने में यह कुदरत का करिश्मा लग रहा होगा, लेकिन हकीकत जानेंगे तो हैरान हो जाएंगे.घटना अमेरिका के कैरोलिना की है। ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, 4 जुलाई 2017 को 9 साल की कायला अनबेहौन अपनी मां हीथर से मिलने उनके घर गई थी। मम्मी-पापा में अनबन की वजह से दोनों अलग रहते हैं।और कायला की कस्टडी उनके पापा को मिली हुई है। काफी देर तक जब कायला नहीं पहुंची तो पिता रयान उसे ढूंढते हुए हीथर के घर पहुंच गए।मगर वहां न तो कायला मिली और न ही हीथर।कई साल तक दोनों की तलाश में पिता दर-दर भटकते रहे।6 साल तक लगातार 'ब्रिंग कायल होम'यानी कायला को घर लाओ नाम से फेसबुक पर मुहिम चलाया। देशभर की जांच एजेंसियां लग गईं।मामला इतना तूल पकड़ा कि सरकार को हस्तक्षेप तक करना पड़ा.उधर, कायला की गुमशुदगी रहस्य बन चुकी थी। मामला इतना उछला कि नेटफिलिक्स की सीरीज 'अनसॉल्वड मिस्ट्रीज' में कायला की कहानी पर टीवी शो बना दिया गया।उस एपीसोड का नाम दिया गया 'एबडिक्टिड बॉय अ पैरेंट'। इसका मतलब था, पेरेंट्स ने किया बच्चे का अपहरण।इसी बीच नेशनल सेंटर फॉर मिसिंग एंड एक्सप्लॉइटेड चिल्ड्रन ने कुछ तस्वीरें जारी कीं, जिसमें कायला से मिलती जुलती एक तस्वीर भी थी।चूंकि नेटफ्लक्सि के शो का प्रसारण भी हो चुका था, इस वजह से कायला की कहानी हर इंसान के दिल में घर कर गई थी।सुराग लगते ही पुलिस कायला के नजदीक पहुंच गई और उसे अपने कब्जे में ले लिया।पता चला कि उसकी मां हीथर ने ही उसका अपहरण किया था।बताया गया कि 15 साल की हो चुकी कायला अब कैसी दिखती है।यह तस्वीर एक स्टोर के मालिक ने देखी तो उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी।यह भी बताया कि वह इस बच्ची के बारे में काफी कुछ जानता है।

अब दवाई के हर हिस्से में मैन्युफैक्चरिंग और एक्सपायरी की तारीख लिखी होगी

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार का उपभोक्ता मामलों का मंत्रालय एक योजना बना रहा है। इस योजना के मुताबिक छेद वाली दवाई पट्टी तैयार की जाएगी। इसके हर हिस्से में निर्माण और एक्सपायरी की तारीख लिखी होगी। इससे आपको जितनी ही टैबलेट चाहिए उतनी ही मिलेगी। इसके अलावा एक और विकल्प की तलाश की जा रही है। दवा की पट्टियों पर क्यूआर कोड अंकित किया जाएगा। सूत्रों ने कहा कि उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय द्वारा चलाए जा रहे राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन (एनसीएच) पर पूरी पट्टी खरीदने पर जोर देने की शिकायतों में वृद्धि देखी गई है। इसके बाद कंपनियों से बातचीत शुरू की गई। आने वाले समय में इसे अंतिम रूप दिया जा सकता है। मंत्रालय ने हाल ही में फार्मा उद्योग के दिग्गजों के साथ इस मामला पर विचार-विमर्श किया। बैठक में ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया के शीर्ष अधिकारियों ने भी भाग लिया। अधिकारियों ने कहा कि इस मुद्दे पर चर्चा की गई और मंत्रालय ने सुझाव दिया कि दवाओं की पैकेजिंग के लिए नई तकनीकों की खोज की जानी चाहिए। दवा की एक पूरी पट्टी जबरन खरीदने से न केवल चिकित्सा अपव्यय होता है बल्कि ग्राहकों पर अनावश्यक वित्तीय बोझ भी पड़ता है। विभाग को कई उपभोक्ता शिकायतें मिली हैं कि कैसे केमिस्ट दस गोलियों या कैप्सूल की एक पूरी पट्टी बेचने पर जोर दे रहे हैं और उन्हें कम बेचने से मना कर रहे हैं। ऐसे भी मामले हैं जहां प्रिस्क्रिप्शन केवल एक या दो दिन के लिए होता है और उपभोक्ता को पूरी पट्टी खरीदने के लिए मजबूर किया जाता है। कुछ मामलों में, उपभोक्ता कम मात्रा में दवाइयां खरीदते हैं क्योंकि वे पूरे सप्ताह के लिए दवाएं नहीं खरीद सकते।

गोफर्स्ट उड़ान सेवा शुरू करने से पहले कर्मचारियों को पूरा वेतन देगा

मुंबई (ईएमएस)। आर्थिक संकट से जूझ रही एयरलाइन गोफर्स्ट अपनी उड़ान सेवा शुरू करने से पहले अपने कर्मचारियों को अप्रैल की पूरी सैलरी देगी। इस बात कि सूचना गोफर्स्ट के वाइस प्रेसिडेंट (फ्लाइट ऑपरेशंस) कैप्टन रजित रंजन ने ईमेल के जरिए सभी कर्मचारियों को दी है। ईमेल में कहा गया है कि कंपनी अगले महीने से एंप्लॉयीज को उनकी सैलरी हर महीने के पहले हफ्ते में दे दी जाएगी। आर्थिक संकट से जूझ रही गो फर्स्ट की उड़ानें तीन मई से बंद हैं। फिलहाल एयरलाइन स्वैच्छिक दिवाला समाधान कार्यवाही में है। डीजीसीए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि एयरलाइन ने नियामक के कारण बताओ नोटिस का जवाब दे दिया है, जिससे संकेत मिलता है कि वह जल्द से जल्द उड़ानों को फिर से शुरू करने पर काम कर रही है।

फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स का सदस्य है भारत

मॉस्को (ईएमएस)। रूस और यूक्रेन की जंग के बाद भारत और रूस के संबंध बदल रहे हैं, जबकि भारत और रूस के संबंध दोनों देशों की विदेश नीति के एक अहम स्तंभ है। भारत हमेशा से रूस को एक विश्वसनीय साझेदार मानता रहा है। अब ये रिश्ते बदल रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार रूस ने भारत को ऊर्जा और हथियारों की डील कैंसिल करने की धमकी दी है। जून तक रूस के फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) की ब्लैकलिस्ट में आने की संभावना है। रूस ने इस लिस्ट में आने से बचने के लिए भारत से मदद की मांग की है। मदद न करने पर या इसमें असफल रहने पर उसने भारत को सभी तरह की डील रद्द करने की धमकी भी दे दी है।

मीडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार अलग-थलग पड़े रूस ने भारत से मदद की गुहार लगाई है। एफएटीएफ की तरफ से पड़ा दबाव अब रूस की धमकी के रूप में सामने आ रहा है। एफएटीएफ मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकियों की फाइनेंसिंग पर प्रतिबंध लगाने वाला संगठन है। जून में इसकी एक मीटिंग होनी है, जिसमें रूस पर प्रतिबंध पर फैसला हो सकता है। भारत इसका सदस्य है और फरवरी 2022 में जब यूक्रेन के साथ जंग शुरू हुई तो एफएटीएफ ने रूस की सदस्यता खत्म कर दी थी। अब ऐसे में वह उन देशों से मदद मांग रहा है जो उसे ब्लैकलिस्ट होने से बचा सकें। एफएटीएफ ने बैन लगाया तो रूस उत्तर कोरिया, ईरान व म्यांमार की श्रेणी में होगा

रूस यूक्रेन जंग के कारण रूस पर पहले से ही काफी प्रतिबंध लगे हुए हैं। अगर ऐसे में एफएटीएफ की तरफ से इसे ब्लैकलिस्ट किया जाता है तो फिर रूस, उत्तर कोरिया, ईरान और म्यांमार की ही श्रेणी में आ जाएगा। अगर रूस ब्लैकलिस्ट हुआ तो फिर एफएटीएफ के सदस्य, बैंक, निवेश कंपनियां और पेमेंट सिस्टम को सावधानी बरतनी होगी। यहां तक कि इनके पास रूस पर जवाबी कार्रवाई का भी अधिकार होगा। युद्ध के बाद से ही प्रतिबंधों को झेलने वाला रूस अगर एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में आया तो फिर बची-खुची अर्थव्यवस्था भी चौपट हो जाएगी। ऐसे में एफएटीएफ की लिस्ट में आना उसकी मुसीबतों को डबल करने वाला कदम होगा।

भारत को रूस ने चेतावनी दे डाली है कि अगर वह ब्लैकलिस्ट में आया तो दोनों देशों के बीच रक्षा, ऊर्जा और बाकी डील खतरे में आ जाएंगी। रूस ने हथियारों का निर्यात, तेल कंपनियों रोसनेफ्ट और नायरा एनर्जी लिमिटेड के बीच सहयोग और रेलवे कॉरिडोर के विकास के डील को कैंसिल करने की धमकी दी है। रूस, भारत का मुख्य हथियार आपूर्तिकर्ता रहा है। रूस ने कहा है कि एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में डील पर खतरा रहेगा।

अरबपति युवक ने की समलैंगिक शादी, दो घंटे बाद ग्राउंड फ्लोर मिले मृत

○ किशोर की मां ने लगाया हत्या का आरोप ○ विरासत में छोड़ गया अरबों कर संपत्ति

ताइपे (ईएमएस)। ताइवान से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां विरासत में मिले अरबों रुपये के मालिक 18 वर्षीय युवक की शादी के दो घंटे बाद ही मौत हो गई। कथित तौर पर युवक ने उस शख्स से शादी की, जिससे उसकी दो बार ही मुलाकात हुई थी। युवक को अपने विरासत में पिता से 500 मिलियन डॉलर की संपत्ति मिली थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 18 वर्षीय लाई 4 मई को 10 मंजिला आवासीय इमारत के ग्राउंड फ्लोर पर मृत पाया गया था।

जांच के दौरान यह पता चला कि यह वही इमारत थी, जहां उसके रियल एस्टेट एजेंट सहायक हसिया भी रहते थे। विशेष रूप से 26 वर्षीय हसिया और लाई ने अपनी मौत से दो घंटे पहले कानूनी रूप से अपनी शादी का पंजीकरण कराया था। हसिया और लाई के पिता रियल एस्टेट एजेंट थे। हसिया मृतक लाई के पिता को अपनी संपति को मैनेज करने में मदद भी की और फिर उनके बेटे लाई के साथ मिलकर काम कर रहे थे। ताइवानी मीडिया द्वारा 19 मई को मौत को प्रकाश में लाया गया था, जब किशोर की मां, जिसका उपनाम चेन था, उन्होंने अपने वकील के साथ मध्य ताइवान के ताइचुंग शहर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। बेईमानी का आरोप लगाते हुए उन्होंने मौत की परिस्थितियों पर सवाल उठाया। मृतक की मां ने आरोप लगाया कि उसके पैसे के लिए उसके बेटे की हत्या कर दी गई और इस घटना को आत्महत्या का रूप देने की योजना बनाई गई। चेन ने यह भी दावा किया कि उनका बेटा समलैंगिक नहीं था और अपनी मृत्यु से पहले वह हसिया से केवल दो बार मिला था, पहली बार अपने पिता के अंतिम संस्कार में मिला था। मीडिया के अनुसार मृतक की मां ने संवाददाताओं से कहा कि वह कभी स्वीकार नहीं करेगी कि उसके बेटे ने आत्महत्या कर ली थी, उसके पास कोई कारण नहीं था, वह 'एक स्थानीय विश्वविद्यालय में पढ़ाई कर रहा था।

लाई के शरीर की जांच करने के बाद फोरेंसिक चिकित्सा विशेषज्ञ काओ ता-चेंग ने दावा किया कि लाई के शरीर पर पाई गई चोटों के निशान से यह पता चलता है कि वो 10वीं मंजिल पर से गिरा नहीं था, क्योंकि उसके सिर और पेट में किसी तरह का ब्लड फ्लो नहीं हुआ था। उन्होंने आशंका जताई की शायद लाई के गिरने से पहले उसे जहर दिया गया हो। बता दें कि सेम सेक्स मैरिज लीगल है और उनमें विरासत के अधिकार भी शामिल हैं।

बायर क्रॉपसाइंस का मुनाफा 3.79 प्रतिशत बढ़कर 158 करोड़ रुपये पर

मुंबई (ईएमएस)। बायर क्रॉपसाइंस का बीते वित्त वर्ष (2022-23) की मार्च में समाप्त चौथी तिमाही का शुद्ध लाभ 3.79 प्रतिशत बढ़कर 158.5 करोड़ रुपये रहा है। इसके पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी ने 152.7 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था।

कंपनी ने कहा कि तिमाही के दौरान उसकी कुल आय बढ़कर 982.5 करोड़ रुपये हो गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 963.3 करोड़ रुपये थी। तिमाही के दौरान कंपनी का खर्च भी 789.5 करोड़ रुपये से बढ़कर 811.1 करोड़ रुपये हो गया। पूरे वित्त वर्ष 2022-23 में बायर क्रॉपसाइंस का शुद्ध लाभ 17.49 प्रतिशत के उछाल से 758.2 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष 2021-22 में 645.3 करोड़ रुपये था।

आईएसआई का पूर्व प्रमुख फैज हमीद है भ्रष्टाचार का मास्टरमाइंड

इस्लामाबाद (ईएमएस)। पाकिस्तान के एक पूर्व केंद्रीय मंत्री ने बुधवार को इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के पूर्व प्रमुख फैज हमीद पर बड़ा आरोप लगाया। फैसल वावड़ा ने दावा किया कि फैज हमीद भ्रष्टाचार के उस मामले के प्रमुख साजिशकर्ता और सबसे बड़े लाभार्थी हैं, जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान फिलहाल फंसे हुए हैं। गौरतलब है कि फैसल वावड़ा, 2018 से 2021 तक इमरान खान के कार्यकाल में जल संसाधन मंत्री थे। उन्होंने मीडिया से बातचीत के दौरान यह दावा किया है। उन्होंने कहा ?कि आज यह जरूरी हो गया है कि मैं देश को बताऊं कि भ्रष्टाचार मामले में फंसे इमरान खान लाभार्थी नहीं हैं बल्कि सबसे बड़े लाभार्थी फैज हमीद हैं। उन्होंने कहा, वह (हमीद) अल-कादिर ट्रस्ट मामले को पैदा करने वाले, प्रमुख साजिशकर्ता और सबसे बड़े लाभार्थी थे। हमीद पाकिस्तानी सेना के सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल और पूर्व जासूस हैं, जिन्होंने इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के 24वें महानिदेशक के रूप में कार्य किया था। वह 2019 से 2021 तक आईएसआई के शीर्ष पर रहे और दिसंबर 2022 में इस्तीफा दे दिया। सूत्र बताते हैं ?कि फैज हमीद को इमरान खान का करीबी माना जाता है और उनकी नियुक्ति को लेकर ही सेना और उनके बीच विवाद पैदा हुआ था। आने वाले दिनों में इमरान की मुश्किलें कम होने के बजाय बढ़ सकती हैं। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने बुधवार को कहा कि सरकार इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के खिलाफ पाबंदी लगाने पर विचार कर रही है।

ईरान में एक अज्ञात स्थल से चौथी पीढ़ी की खोरमशहर बैलास्टिक मिसाइल दागी गयी। इसकी मारक क्षमता 2000 किमी है।

एनवीडिए कॉर्प का मार्केट कैप एक घंटे में 220 अरब डॉलर बढ़ा

एनवी डिए दिग्गज कंपनियों को पछाड़ते हुए दुनिया की छठी सबसे बड़ी कंपनी बनी

नई दिल्ली (ईएमएस)। चिप बनाने वाली अमेरिकी कंपनी एनवी ?डिए के मार्केट कैप में एक घंटे में 220 अरब डॉलर बढ़ गया है। इसके साथ ही यह कई दिग्गज कंपनियों को पछाड़ते हुए मार्केट कैप के लिहाज से दुनिया की छठी सबसे बड़ी कंपनी बन गई। कंपनी ने अपने रिजल्ट की घोषणा करते हुए स्ट्रॉन्ग रेवेन्यू ग्रोथ का अनुमान जताया है। साथ ही कंपनी ने घोषणा की है कि वह एआई चिप की बढ़ती मांग को देखते हुए इनका उत्पादन बढ़ा रही है। कंपनी की इस घोषणा से उसके स्टॉक 28 फीसदी चढ़कर ऑलटाइम हाई पर पहुंच गए। इसके साथ ही कंपनी का मार्केट कैप 960 अरब डॉलर पहुंच गया। इस तरह एनवीडिए दुनिया की छठी और अमेरिका की पांचवीं सबसे मूल्यवान कंपनी बन गई। एनवीडिए ने मार्केट कैप के मामले में चिप बनाने वाली दूसरी कंपनियों को कहीं पीछे छोड़ दिया। एएमडी का कुल मार्केट कैप 175 अरब डॉलर, इंटेल का 120 अरब डॉलर और काइक्रान का 73 अरब डॉलर है। यानी एनवीडिए ने एक घंटे में इंटेल और माइक्रोन के कंबाइंड मार्केट के कंबाइंड वैल्यू से ज्यादा मार्केट कैप जोड़ लिया। एनवी ?डिए का रेवेन्यू पिछली तिमाही के मुकाबले 19 फीसदी बढ़ा है। कंपनी के रिजल्ट के कारण एआई से जुड़ी दूसरी कंपनियों के शेयरों में भी काफी तेजी देखी गई।

आईफोन बनाने वाली कंपनी ऐपल मार्केट कैप के लिहाज से दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी है। इसका मार्केट कैप 2.702 ट्रिलियन डॉलर है। दूसरे नंबर पर माइक्रोसॉफ्ट है जिसका मार्केट कैप 2.333 ट्रिलियन डॉलर है। सऊदी अरामको 2.065 ट्रिलियन डॉलर के साथ तीसरे, गूगल की पेरेंट कंपनी अल्फाबेट 1.539 ट्रिलियन डॉलर के साथ चौथे और ऐमजॉन 1.197 ट्रिलियन डॉलर के साथ पांचवें स्थान पर हैं। वॉरेन बफे की कंपनी हैथवे बर्कशायर 700.60 अरब डॉलर के साथ सातवें और मेटा प्लेटफॉर्म (फेसबुक) 638.65 अरब डॉलर के साथ आठवें नंबर पर है। रिलायंस इंडस्ट्रीज 198.47 अरब डॉलर के साथ 49वें नंबर पर है। रेवेन्यू के हिसाब से वॉलमार्ट दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी है।

संक्षिप्त समाचार

लकड़ी के 7 गोदामों में लगी भीषण आग, 8 घर भी हुए खाक

पुणे (ईएमएस)। पुणे में लकड़ी के गोदामों में आग लगने से जहां भारी नुकसान हुआ है वहीं 8 घरों को भी आग ने अपनी चपेट में ले ?लिया है। जानकारी के अनुसार यहां गुरुवार तड़के चार बजे लगी आग में लकड़ी के सात गोदाम और आसपास के आठ घर जलकर खाक हो गए। गनीमत रही ?कि इस आगजनी में कोई हताहत नहीं हुआ। पुणे फायर ब्रिगेड के अनुसार, घटना भवानी पेठ के एक लकड़ी बाजार क्षेत्र की है और लगभग छह घंटे के बाद भी आग लगी हुई है। कम से कम 40 दमकल गाड़ियां और करीब 140 दमकलकर्मी आग पर काबू पाने के लिए जूझ रहे हैं, जबकि बड़ी त्रासदी को रोकने के लिए आसपास के घरों से गैस सिलेंडरों को हटा लिया गया है। एक अधिकारी ने कहा कि गर्मी और सूखी लकड़ी के कारण, आग तेजी से आसपास की लकड़ी की दुकानों और चार घरों में फैल गई, साथ ही आपूर्ति प्रतिबंधों के कारण पानी का दबाव बहुत कम था, जिससे आग बुझाने में बाधा उत्पन्न हुई। सरकार द्वारा संचालित आरए किदवई उर्दू स्कूल के लगभग आधा दर्जन कक्षाओं में आग लग गई, जो टिम्बर मार्ट के पीछे है और वर्तमान में छुट्टियों के लिए बंद है। स्थानीय चश्मदीदों ने पुणे नगर निगम पर बार-बार की दलीलों के बावजूद लकड़ी के बाजार में उचित सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराने का आरोप लगाया।

मेट्रो के आगे एक व्यक्ति कूदा, सेवा आंशिक रूप से बाधित

कोलकाता (ईएमएस)। कोलकाता के कालीघाट मेट्रो स्टेशन में गुरुवार को एक व्यक्ति मेट्रो के आगे कूद गया, इसकारण मेट्रो सेवा आंशिक रूप से बाधित हुई। पुलिस ने बताया कि मृतक की शिनाख्त अभी नहीं हो सकी है और उसकी उम्र 45 वर्ष के करीब रही होगी। कालीघाट पुलिस थाने के अधिकारी ने बताया, शव पटरी से हटाकर अस्पताल भेजा जा रहा है। शव की शिनाख्त फिलहाल नहीं हो सकी है।'' मेट्रो रेल सेवा के एक अधिकारी ने बताया कि घटना सुबह 10 बजकर करीब 10 मिनट पर हुई और इसके कारण सेवा आंशिक तौर पर बाधित हुई। मेट्रो सेवा 11 बज कर करीब 20 मिनट पर बहाल हो सकी।

मध्य रेल के पास रेलनीर के अलावा बोतलबंद पेयजल के 9 और ब्रांड हैं

मुंबई, (ईएमएस)। विशेष रूप से गर्मी के मौसम में पीने के पानी की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए मध्य रेल के पास बोतलबंद पेयजल के 9 और ब्रांड हैं जिन्हें रेलवे स्टेशनों और परिसरों में स्टॉक करके बेचा जाएगा। सक्षम प्राधिकारी द्वारा इन ब्रांडों की नियमित जांच और प्रमाणीकरण किया जाता है।

रेलनीर के अलावा बोतलबंद पेयजल के 9 स्वीकृत ब्रांड हैं-
1) ऑक्सीमोर एक्वा, 2) रोकोको, 3) हेल्थ प्लस, 4) गैलन, 5) निंबस, 6) ऑक्सी ब्लू, 7) सन रिच, 8) एल्विश तथा 9) आयोनिटा।

बोतलबंद पेयजल के इन ब्रांडों को रेलनीर के अलावा बेचने की अनुमति दी गई है, जो भारतीय रेलवे का बोतलबंद पेयजल का ब्रांड है, जिसका निर्माण और बॉटलिंग सुविधा अंबरनाथ (मुंबई), भुसावल और अन्य स्थानों पर है। वर्तमान में गर्मी के मौसम के कारण पानी की मांग बढ़ गई है इसलिए रेलनीर की आपूर्ति अपर्याप्त हो रही है। इसलिए उपरोक्त 9 स्वीकृत ब्रांडों को रेलवे द्वारा स्टेशनों पर बेचे जाने की अनुमति दी गई है।

किश्तवाड़ जिले में पेड़ गिरने से चार लोगों की मौत

जम्मू (ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में बकरवाल परिवार के चार सदस्यों पर पेड़ गिरने से उनकी मौत हो गई। अधिकारियों ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि किश्तवाड़ के केशवान जंगल के बहलना इलाके में कठुआ जिले में बकरवाल परिवार के चार सदस्यों की उस समय मौत हो गई, जब तेज हवाओं और बारिश से एक पेड़ उखड़ गया और उनके ऊपर गिर पड़ा। मृतकों में एक पुरुष और तीन महिलाएं शामिल हैं।

जेम पोर्टल से सरकारी कार्यालयों ने खरीदा 2 लाख करोड़ का सामान

नई दिल्ली (ईएमएस)। बिना टेंडर कोटेशन के सरकारी कार्यालयों द्वारा जेम पोर्टल से दो लाख करोड़ रुपए का सामान खरीदा गया है। केंद्र सरकार ने सभी मंत्रालयों से चालू वित्त वर्ष के लिए अपनी खरीद क्षमता को मैप करने और ई मार्केट प्लेस जेम के माध्यम से अधिकतम खरीद का लक्ष्य रखने के लिए कहा है। ताकि सरकारी सिस्टम में जो भ्रष्टाचार है। वह खत्म हो सके। केंद्र सरकार का जेम पोर्टल दुनिया का नंबर दो का ई मार्केटप्लेस बन चुका है। अमेजन के बाद सरकारी खरीद पोर्टल जेम का नाम आता है। केंद्र एवं राज्य सरकारों के मंत्रालय, विभिन्न विभाग, पब्लिक सेक्टर की कंपनियां,स्थानीय निकाय एवं सहकारी संगठन हर छोटी ओर बड़ी से बड़ी चीज जेम पोर्टल के माध्यम से खरीद रहे हैं। केंद्र एवं राज्य सरकारों ने बिना टेंडर कोटेशन के जेम पोर्टल से माल खरीदने को अनिवार्य कर दिया है। जेम पोर्टल पर इस समय 64403 सरकारी कार्यालयों द्वारा पंजीयन कराया गया है। विगत वर्षों में 10742 उत्पाद सरकारी विभागों द्वारा क्रय किए गए हैं। इसके साथ ही 271 सेवाओं के लिए जेम पोर्टल का प्लेटफार्म इस्तेमाल हो रहा है। 5 साल के अंदर ही यह दुनिया का सबसे बड़ा ई खरीददारी का दूसरे नंबर का पोर्टल है। वित्तीय वर्ष 2022 तक जेम पोर्टल के माध्यम से 2 लाख करोड़ रुपए का कारोबार किया गया है। 2016 में जब यह शुरू किया गया था, उस साल 400 करोड़ रुपए का कारोबार हुआ था। उसके बाद से यह कारोबार बढ़ता ही जा रहा है। वर्ष 2021-22 में 1.06 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का कारोबार जेम पोर्टल के माध्यम से हुआ था। अभी तक 2 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का कारोबार यहां पर हो चुका है।

नई संसद के उद्घाटन का विरोध को संबित पात्रा ने बताया पाखंड

नई दिल्ली (ईएमएस)। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने संसद के नए भवन के उद्घाटन का विरोध करने को केवल एक पाखंड करार ?दिया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किए जाने वाले उद्घाटन कार्यक्रम के बहिष्कार की विपक्षी दलों की घोषणा को पाखंड बताते हुए जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, मनमोहन सिंह, सोनिया गांधी, राहुल गांधी, ममता बनर्जी, अरविंद केजरीवाल और नीतीश कुमार द्वारा किए गए इस तरह के कई उद्घाटन कार्यक्रमों का मुद्दा उठाया है। पात्रा ने ट्वीट कर कहा, विपक्ष ने नए संसद भवन के उद्घाटन का बहिष्कार करने का ऐलान किया है, क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी इसका उद्घाटन करने वाले हैं। वे हवाला दे रहे हैं कि केवल राष्ट्रपति/राज्यपालों को ही संसद/विधानसभा भवनों का उद्घाटन करना चाहिए। भाजपा प्रवक्ता ने सिलसिलेवार कई ट्वीट करते हुए पूछा कि, पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने कर्नाटक विधानसभा की नींव रखी थी। कर्नाटक के राज्यपाल ने इसका उद्घाटन क्यों नहीं किया? पूर्व प्रधान मंत्री, इंदिरा गांधी ने 1981 में महाराष्ट्र विधान भवन का उद्घाटन किया था। उन्होंने (विपक्ष) उस कार्यक्रम का बहिष्कार क्यों नहीं किया? पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने 1987 में संसद भवन में पुस्तकालय भवन की नींव रखी थी। उस कार्यक्रम का किसी ने बहिष्कार नहीं किया। ऐसा किसलिए? पूर्व प्रधान मंत्री, इंदिरा गांधी ने 24 अक्टूबर 1975 को पार्लियामेंट हाउस एनेक्सी का उद्घाटन किया था। लेकिन इसका बहिष्कार नहीं किया गया। संबित पात्रा ने मनमोहन सिंह, सोनिया गांधी और राहुल गांधी के अलावा बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा भी किए गए कई उद्घाटन कार्यक्रमों का जिक्र करते हुए सवाल उठाया कि उस समय इन दलों ने उन कार्यक्रमों का बहिष्कार क्यों नहीं किया था?

अनियंत्रित होकर निर्माणाधीन पुल से टकराई डीसीए

मोतीगंज (गोंडा)। नवाबगंज कस्बे के कटी तिराहे पर निर्माणाधीन पुल के पिलर में एक डीसीएम मंगलवार की रात जा टकराया स्थानीय लोगों ने बताया कि डीसीएम का ड्राइवर नशे में धुत था।

अरविंद नामक ड्राइवर डीसीएम पर पश्चिम बंगाल से कटहल लादकर बहराइच जा रहा था कि मंगलवार की रात करीब 11:30 पर नवाबगंज कस्बे के कटी तिराहे के पास निर्माणाधीन पुल के पिलर में डीसीएम अनियंत्रित होकर जा टकराई। शोर-शराबा सुनकर स्थानीय लोग घटनास्थल पर पहुंचे और पुलिस को सूचना देने के साथ-साथ डीसीएम में फंसे ड्राइवर अरविंद और खलासी को बाहर निकाला। इस दुर्घटना में किसी के हताहत होने की पुष्टि नहीं हुई है वहीं स्थानीय लोगों के अनुसार डीसीएम का ड्राइवर और खलासी शराब के नशे में धुत थे।

दरगाह मेला परिसर में संचालित हुआ बालश्रम जागरूकता अभियान

बहराइच। राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग, नई दिल्ली एवं जिलाधिकारी मोनिका रानी के निर्देश तथा जिला प्रोबेशन अधिकारी विनय कुमार सिंह के मार्गदर्शन में संरक्षण अधिकारी शिविका मौर्य के नेतृत्व में महिला शक्ति केन्द्र जिला समन्वयक नीलम शुक्ला प्रियंका बाल्मीकि सेंटर मैनेजर रचना कटियार, परामर्शदाता सुशील चौधरी, सामाजिक कार्यकर्ता सादिक अली प्रथम संस्था अश्वनी, राकेश चौबे चाइल्डलाइन व पुलिस टीम द्वारा बालश्रम उन्मूलन सम्बन्धी जन-जागरूकता अभियान संचालित किया गया।

जागरूकता अभियान के दौरान दल के सदस्यों ने दुकानदारों व होटल मालिकों को जागरूक किया गया कि अपने प्रतिष्ठानों पर बालकों से काम न लें, क्योंकि बालश्रम कानूनन अपराध है। दुकानदारों को बताया गया कि खतरनाक प्रक्रिया के अंतर्गत दोषी पाए जाने वाले सेवायोजकों के विरूद्ध दो वर्ष तक की सजा या रू. 50000=00 तक का जुर्माना तथा गैर खतरनाक प्रक्रिया के अंतर्गत दोषी पाए जाने पर सेवायोजक को एक माह तक की सजा या रू. 10000=00 तक जुर्माना या दोनों से दण्डित किये जाने का प्रावधान है। जागरूकता अभियान के दौरान दुकानदारों व आमजन बालिकाओं और महिलाओं की सुरक्षा के लिए चलाई जा रही हेल्प लाइन नम्बरों 1098, 181, 1090, 112 की जानकारी देते हुए आहवान किया कि कोई भी समस्या आने पर पुलिस को अवश्य सूचित करें। जागयकता अभियान के दौरान लोगों को महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी प्रदान करते हुए बताया कि इन योजनाओं का लाभ प्राप्त करने हेतु जिला प्रोबेशन अधिकारी के कार्यालय से सम्पर्क किया जा सकता है। अभियान के दौरान लोगों को बालक व बालिका में अन्तर न करने, लड़की की आयु 18 वर्ष व लड़के के आयु 21 वर्ष पूरी होने पर ही शादी करने तथा बच्चों को अनिवार्य रूप से स्कूल भेजने के लिए जागरूक किया गया। इस अवसर पर लोगों को जन-जागरूकता पैम्फलेट का वितरण भी किया गया।

नितिन गडकरी को धमकी मामले की एनआईए कर रही जांच

नई दिल्ली (ईएमएस)। केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी को धमकी देने वाले मामले की एनआईए जांच कर रही है। गौरतलब है कि करीब दो सप्ताह पहले गडकरी के नागपुर स्थित आधिकारिक आवास के लैंडलाइन नंबर पर एक कॉल आई थी। कॉल करने वाले ने गडकरी से बात करने और उन्हें धमकी देने की बात कही थी। यह पहली बार नहीं था जब नागपुर में गडकरी के कार्यालय को धमकी भरा फोन आया था। इससे पहले जनवरी और मार्च में मंत्री के नागपुर स्थित कार्यालय में भी इसी तरह के फोन आए थे। गडकरी के दिल्ली कार्यालय में भी इसी तरह का फोन आया था, इसके बाद दिल्ली पुलिस को सूचित किया गया था। पुलिस ने इस मामले में जांच शुरू कर दी है। एनआईए की एक टीम के नागपुर स्थित सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के कार्यालय का दौरा करने की संभावना है। हालांकि, जांच एजेंसी ने अभी तक आधिकारिक बयान नहीं दिया है। 9 मई को एनआईए की एक टीम ने गडकरी के नागपुर कार्यालय का दौरा किया था। सूत्रों के मुताबिक, हत्या का दोषी जयेश पुजारी धमकी भरे कॉल के पीछे था। बाद में उसे कर्नाटक की बेलगावी जेल से गिरफ्तार किया गया था। नागपुर पुलिस ने उसके खिलाफ मामला दर्ज किया। उन्होंने कहा कि मामले की गंभीरता को भांपते हुए एनआईए भी इसकी जांच कर रही है।

नए संसद भवन में स्पीकर की कुर्सी के पास हंगामा नहीं कर सकेंगे सांसद

नई दिल्ली (ईएमएस)। नई संसद में अब स्पीकर की कुर्सी के पास तख्तियां लहराते और विरोध प्रदर्शन करना संभव नहीं हो पाएगा। नई संसद के दोनों भवनों में वेल में आकर प्रदर्शन करना अब संभव नहीं है। इसकी वजह है नवनिर्मित संसद के दोनों सदनों में स्पीकर के कुर्सी के पास की बनावट। नई संसद के दोनों सदनों में स्पीकर की कुर्सी की बनावट ऐसी है कि अब सदन की कार्यवाही को बाधित करना लगभग असंभव होगा। सूत्रों ने कहा कि दोनों सदनों में पीठासीन अधिकारियों की कुर्सियों को मौजूदा कक्षों की तुलना में ऊंचा बनाया गया है। ऐसे में दोनों सदनों के वेल में जगह पुरानी की तुलना में कम है। नए हाउस में वेल पहली पंक्ति से लगभग एक फुट नीचे हैं। इसलिए किसी भी विरोध प्रदर्शन के दौरान कैमरों की नजर में आना मुश्किल होगा। संसद सत्र के दौरान विपक्षी सदस्यों का वेल में आना, नारेबाजी करना और तख्तियां थामना आम बात हो गई है। हालांकि लोकसभा की कार्यवाही के प्रसारण पर 1994 के दिशा-निर्देशों का उल्लेख किया गया था। इसमें कहा गया था कि कैमरों को किसी भी रुकावट, विरोध या वाकआउट पर ध्यान केंद्रित नहीं करना था। साल 2005 में तत्कालीन अध्यक्ष सोमनाथ चटर्जी का कहना था कि टेलीकास्ट में विरोध और वाकआउट के दृश्य भी दिखाए जाने चाहिए। यह सदन की कार्यवाही का हिस्सा हैं। सरकार का कहना है कि एक बार जब नया संसद भवन चालू हो जाएगा, तो वर्तमान संसद भवन को लोकतंत्र के संग्रहालय में बदलने का काम शुरू हो जाएगा। नए संसद भवन में महात्मा गांधी, भीम राव अंबेडकर, सरदार पटेल और चाणक्य सहित ग्रेनाइट की मूर्तियां भी होने की संभावना है। नई संसद के उद्घाटन की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। उद्घाटन कार्यक्रम की मॉक ड्रिल नई लोकसभा में आयोजित किए गए थे। यहां मुख्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। नए संसद भवन में कई नई विशेषताएं होंगी। इसमें तीन प्रवेश द्वार - ज्ञान द्वार, शक्ति द्वार और कर्म द्वार शामिल हैं। सूत्रों ने बताया कि नए संसद भवन को नया नाम दिए जाने की प्रबल संभावना है। इसका उद्घाटन रविवार 28 मई को होगा। अटकलें लगाई जा रही हैं कि मौजूदा शासन ने औपनिवेशिक मानसिकता के निशान को हटाने के लिए दिल्ली में महत्वपूर्ण सड़कों के नाम बदल दिए हैं। इसमें राजपथ भी शामिल है, जिसे सितंबर में कर्तव्यपथ नाम दिया गया था।

करण ने फैंस को रॉकी और रानी के पूरे परिवार से मिलवाया

मुंबई (ईएमएस)। गली ब्वॉय के बाद फिर से रणवीर सिंह और आलिया भट्ट की जोड़ी को रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में एक साथ देखने का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। करण जौहर ने 51वें जन्मदिन पर अपनी अगली पारिवारिक फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी से रणवीर और आलिया का फर्स्ट लुक शेयर करने बाद, उनके भरे पूरे परिवार से भी फैंस की मुलाकात करवा दी। करण ने अब तक कभी खुशी कभी गम और माय नेम इज खान और कुछ-कुछ होता है जैसी कई फैमिली फिल्में की हैं और अब वह रॉकी और रानी की प्रेम कहानी के साथ एक बार फिर से निर्देशक की कुर्सी संभालते हुए नजर आ रहे हैं। उन्होंने हाल ही में रॉकी और रानी परिवार से भी फैंस को मिलवाया। रॉकी का परिवार जहां देसी अंदाज में दिखा, वहीं रानी का परिवार का पोस्टर थोड़ा मॉर्डन है। रॉकी के परिवार में धर्मेंद्र, जया बच्चन, अंजलि दिनेश आनंद, क्षिती जोग और आमिर बसीर हैं।

हिंसा का असर घरेलू चीजों के दामों पर, ब्लैक में बिक रही खाद्य सामग्री

पेट्रोल 170 रुपये लीटर, 1800 में बिक रहा गैस सिलेंडर, चावल- सब्जी डबल रेट पर

नई दिल्ली(ईएमएस)। पिछले दिनों मणिपुर में फैली हिंसा के चलते यहां रोजमर्रा की वस्तुएं हाई रेट पर ?बिक रही हैं। कई चीजें तो यहां ब्लैक मार्केट में दुगने रेट पर बिक रही हैं। इससे मणिपुर में आर्थिक संकट पैदा हो गया है। राज्य के बाहर से सामानों का आयात प्रभावित हुआ है, इस वजह से राज्य के अंदर जरूरी सामान दोगुनी कीमत पर मिल रहे हैं। मणिपुर के ज्यादातर इलाकों में सिलिंडर, पेट्रोल, चावल, आलू, प्याज और अंडे जैसे ज़रूरी सामान तय कीमत से बहुत ज्यादा कीमत पर बिक रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इम्फाल वेस्ट डिस्ट्रिक्ट की एक स्कूल टीचर मांगलेम्बी चनम ने बताया ?कि पहले चावल की 50 किलो की बोरी 900 रुपये में मिलती थी, पर ये अब 1800 रुपये में मिल रहा है। आलू-प्याज़ के दाम भी 20-30 रुपये बढ़ गए हैं। हर वो सामान जो राज्य के बाहर से लाया जाता है, उसकी कीमत बढ़ी हुई है।

मिली जानकारी के अनुसार यहां ब्लैक मार्केट में एक गैस सिलिंडर 1800 रुपये का मिल रहा है, वहीं कई इलाकों में पेट्रोल की कीमत 170 रुपये प्रति लीटर हो गई है। उन्होंने बताया कि अंडों की कीमत भी बढ़ गई है। 30 अंडों का एक क्रेट 180 रुपये में मिल जाता है, पर अभी 300 रुपये में मिल रहा है। एसेंशियल आइटम्स से भरे ट्रक्स सिक्योरिटी फोर्सेस की कड़ी निगरानी में रखे गए हैं, नहीं तो कीमतें और ज्यादा बढ़ सकती थीं। उन्होंने बताया कि सिक्योरिटी फोर्सेस के आने से पहले आलू की कीमत 100 रुपये प्रति किलो हो गई थी। बता दें कि मणिपुर के जो जिले हिंसा से प्रभावित नहीं हुए थे, वहां पर एसेंशियल कमोडिटीज की कीमतों में ज्यादा फर्क नहीं पड़ा है। तमेंगलॉन्ग डिस्ट्रिक्ट में राशन की दुकान चलाने वाली रेबेका गंगमेई ने कहा कि ज़रूरी सामानों, खासकर चावल की कीमतों में काफी उछाल आया।

जबकि हमारे जिले में कोई हिंसा नहं हुई थी। केवल मांस की कीमतों में कोई बदलाव नहीं देखा गया, क्योंकि ये दूसरे राज्यों से इम्पोर्ट नहीं होता है और स्थानीय लोगों से ही खरीदा जाता है।

उखरुल जिले के एक सरकारी कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर पमचुइला काशुंग ने कहा कि उनका जिला नगालैंड के करीब है, वहां से सामान आ जाता है, इस वजह से कीमतों में ज्यादा उछाल नहीं आया है। हालांकि, उनका कहना है कि इसके बावजूद चावल और कुछ और सामानों की कीमत काफी तेज़ी से बढ़ी है। मणिपुर में हिंसा की वजह से राज्य में ज़रूरी सामानों की सप्लाई प्रभावित हुई। इस हिंसा में सबसे ज्यादा इम्फाल वेस्ट जिला प्रभावित हुआ। हालात ज्यादा बिगड़े तो आर्मी और पैरा-मिलिट्री के करीब 10 हजार जवानों की तैनाती राज्य में की गई। डिफेंस स्पोक्स पर्सन का कहना है कि सिक्योरिटी फोर्सेस राज्य में नॉर्मेल्सी रिस्टोर करने की पूरी कोशिश कर रही हैं।

गौरतलब है कि मैती समुदाय मणिपुर की कुल जनसंख्या का 53 प्रतिशत हैं, इस समुदाय के लोग ज्यादातर इम्फाल वैली में रहते हैं। वहीं, नगा और कुकी ट्राइब्स मिलकर मणिपुर की जनसंख्या का 40 प्रतिशत हिस्सा बनाते हैं। ये दोनों समुदाय मुख्यरूप से मणिपुर के पहाड़ी जिलों में रहते हैं।

ग्राम पंचायत स्तरीय संतृप्तीकरण अभियान की हकीकत से रूबरू हुए संयुक्त कृषि निदेशक

बहराइच। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजनान्तर्गत जिले के समस्त अवषेश पात्र कृषकों को पीएम-किसान सम्मान निधि योजना से आच्छादित किये जाने के उद्देश्य से शासन के निर्देश पर जिलाधिकारी के कुशल नेतृत्व में 22 मई से 10 जून 2023 तक आयोजित होने वाले 卐ग्राम पंचायत स्तरीय संतृप्तीकरण अभियान卐 की ज़मीनी हकीकत का जायज़ा लेने के देवीपाटन मण्डल के संयुक्त कृषि निदेशक एल.बी. यादव ने उप निदेशक कृषि टी.पी. शाही, जिला कृषि अधिकारी सतीश कुमार पाण्डेय व जिला कृषि रक्षा अधिकारी श्रीमती प्रिया न्नदा के साथ विकास खण्ड हुजूरपुर, कैसरगंज एवं जरवल की विभिन्न ग्राम पंचायतों में आयोजित शिविर का स्थलीय निरीक्षण किया। संयुक्त कृषि निदेशक श्री यादव ने शिविर के निरीक्षण के दौरान मौजूद कृषि एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों से अभियान संचालन की जानकारी प्राप्त करते हुए निर्देश दिया कि शासन की मंशानुरूप कार्यवाही करें ताकि जिले का कोई भी पात्र कृषक प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ प्राप्त करने से वंचित न रहने पाए। श्री यादव ने मौजूद कृषकों का भी आहवान किया इस अवसर का भरपूर लाभ उठाते हुए वांछित सभी अभिलेख कार्मिकों को उपलब्ध करा दें ताकि उनके द्वारा सीडिंग एवं फीडिंग कार्य सम्पन्न किया जा सके।

उप निदेशक कृषि श्री शाही ने बताया कि शासन की मंशानुसार शत-प्रतिशत पात्र कृषकों को पीएम किसान योजना से आच्छादित करने हेतु जनपद के 136 ग्राम पंचायतों में शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। श्री शाही ने बताया कि शिविर के सफल आयोजन हेतु कृषि, राजस्व, ग्राम्य विकास, पंचायत राज, डाकघर तथा कॉमन सर्विस सेन्टर सहायकों का सहयोग प्राप्त किया जा रहा है। श्री शाही ने बताया कि डीएम मोनिका रानी के सख्त निर्देश हैं कि जिले का कोई भी पात्र वंचित न रहने पाए। उन्होंने जेडीए श्री यादव को आश्वस्त किया कि शिविर के माध्यम से कृषकों की सभी प्रकार की समस्याओं का समाधान कराकर प्रत्येक दशा में सभी पात्र किसानों को किसान सम्मान निधि योजना का लाभ दिलाया जाएगा।

श्री शाही ने जेडीए को अवगत कराया कि शिविर के प्रभावी पर्यवेक्षण हेतु जिलाधिकारी द्वारा नोडल् व सहायक नोडल् अधिकारी तैनात किये गये हैं, जो प्रतिदिन अपने-अपने क्षेत्रों में निरीक्षण/भ्रमण कर कार्यों का जायजा ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि शिविर के लिए विभिन्न स्तरों पर नामित किये गये अधिकारियों एवं कर्मचारियों के कठिन परिश्रम का परिणाम भी प्राप्त हो रहा है। कार्मिकों जिसके सार्थक परिणाम प्राप्त हो रहे है। डीडी एग्री ने बताया कि जनपद में लगभग 578698 कृशक हैं, जिसमें से 532573 किसानों को योजना का लाभ प्राप्त हो रहा है। लगभग 42000 कृशकों को योजना से आच्छादित कराने हेतु दिनांक 22 मई से षिविरों का आयोजन सफलतापूर्वक किया जा रहा है। श्री शाही ने बताया कि जिले में लगभग 578698 कृषक हैं, जिसमें से 532573 किसानों को योजना का लाभ प्राप्त हो रहा है। अवशेष लगभग 42000 कृषकों को योजना से आच्छादित कराने हेतु शासन एवं जिलाधिकारी के निर्देश पर ग्राम पंचायत स्तरीय संतृप्तीकरण अभियान आयोजित किया जा रहा है।

विदेशी छात्रों को भारत में दाखिले का मौका, दस देशों में एक साथ शुरू हुई सीयूईटी-यूजी परीक्षाएं

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत में पढ़ाई करने के इच्छुक विदेशी छात्रों के ?लिए सीयूईटी- यूजी परीक्षाएं शुरु हो गई हैं। इसके लिए दुनिया भर के 10 अलग-अलग देशों में गुरुवार को कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट यानी (सीयूईटी-यूजी) आयोजित करवाए जा रहे हैं। इन परीक्षाओं के माध्यम से विदेशों में मौजूद छात्र भारतीय विश्वविद्यालयों में दाखिला ले सकेंगे।

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी जिन विदेशी शहरों में यह परीक्षाएं आयोजित करवा रही है उनमें काठमांडू (नेपाल), बैंकॉक (थाईलैंड), दोहा (कतर), दुबई (यूएई), कुवैत सिटी (कुवैत), मनामा (बहरीन), मस्कट (ओमान), रियाद (सऊदी अरब), शारजाह (यूएई) और सिडनी (ऑस्ट्रेलिया) शामिल हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यानी यूजीसी के मुताबिक, इन सभी देशों में बनाए गए परीक्षा केंद्रों में गुरुवार को पहली शिफ्ट की परीक्षा ली जा चुकी है। रविवार से देशभर में कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी-यूजी) शुरू हो गए। यह परीक्षाएं कुल 242 विश्वविद्यालयों में दाखिले के लिए आयोजित की जा रही हैं। इस बारे में यूजीसी चेयरमैन प्रोफेसर एम जगदीश कुमार ने बताया कि रविवार से शुरू की गई सीयूईटी-यूजी परीक्षाएं अधिकांश परीक्षा केंद्रों में निर्बाध रूप से चल रही हैं। गौरतलब है कि इस साल सीयूईटी यूजी के लिए 16 लाख से ज्यादा छात्रों ने फॉर्म भरा है। इन छात्रों में से 14 लाख से अधिक छात्रों ने इसके लिए फीस भी जमा कराई है। यूजीसी के मुताबिक यह संख्या पिछले वर्ष के मुकाबले यह पिछले 41 फीसदी अधिक है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने जम्मू-कश्मीर के छात्रों के लिए कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी) यूजी-2023 को फिर से शेड्यूल किया है।

जिले की आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों व सहायिकाओं का होगा समायोजन

बहराइच। जिला कार्यक्रम अधिकारी राज कपूर ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार समन्वित बाल विकास परियोजना कार्यक्रम के तहत जनपद की समस्त बाल विकास परियोजनाओं में तैनात आंगनबाड़ी कार्यकत्री/सहायिका/मिनी आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां के समायोजन के सम्बन्ध में मुख्य विकास अधिकारी कविता मीना की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में आयोजित चयन समिति की बैठक में निर्णय लिया गया है कि इच्छुक आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, सहायिका एवं मिनी आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों से 01 जून 2023 तक आवेदन पत्र प्राप्त कर लिए जाएं।

बैठक के दौरान डीपीओ श्री कपूर ने बताया कि शासन स्तर से 21 मार्च 2023 को जारी आदेश के अनुसार समन्वित बाल विकास परियोजना कार्यक्रम के अन्तर्गत आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, मिनी आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं की मानदेय पर संविदा आधारित नियुक्ति के सम्बन्ध में पूर्व में निर्गत समस्त शासनादेशों को अवक्रमित करते हुये पूर्व में चयन सम्बन्धी की गई कार्यवाही को निरस्त कर दिया गया है तथा चयन कार्यवाही पूर्ण करने विषयक नवीन निर्देश जारी किए गए है। नवीन व्यवस्था/दिशा निर्देशों की जानकारी देते हुए श्री कपूर ने बताया कि यदि कोई कार्यरत आंगनबाड़ी कार्यकत्री, मिनी आंगनबाड़ी कार्यकत्री या सहायिका शादी के पश्चात ससुराल में निवास कर रहीं है, तो उसकी ससुराल की ग्राम सभा/वार्ड (शहरी क्षेत्रों में) पद रिक्त होने पर आरक्षण का ध्यान रखते हुये जनपद के अन्दर होने की स्थिति में डीएम का अनुमोदन प्राप्त कर समायोजित किया जायेगा। जबकि जनपद के बाहर समायोजन की स्थिति में तैनाती जनपद की सीडीपीओ एवं जनपद के डीपीओ के माध्यम से डीएम के अनुमोदन एवं जिस जनपद में समायोजन होना है, उस परियोजना के सीडीपीओ, डीपीओ एवं डीएम के अनुमोदनोपरान्त आरक्षण का ध्यान रखते हुये समायोजन की कार्यवाही की जाएगी।डीपीओ श्री कपूर ने बताया कि यदि जनपद के अन्तर्गत कोई दो आंगनबाड़ी कार्यकत्री, मिनी आंगनबाड़ी कार्यकत्री एवं सहायिका परस्पर समायोजित की जा सकती है, तो इस सम्बन्ध में उनका प्रार्थना पत्र प्राप्त कर निवास प्रमाण पत्र की पुष्टि के पश्चात डीएम का अनुमोदन प्राप्त करते हुये समायोजित किये जाने पर विचार किया जायेगा। उक्त स्थिति में यह सुनिश्चित किया जाएगा कि वे वर्तमान समय में वहॉ की निवासी भी हों। श्री कपूर ने बताया कि किसी भी दशा में एक आंगनबाड़ी केन्द्र पर एक ही परिवार की दो महिलाओं की नियुक्ति आंगनबाड़ी कार्यकत्री व सहायिका के पद पर नहीं की जाएगी। सीडीओ कविता मीना ने डीपीओ को निर्देश दिया कि शासन के दिशा निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए निष्पक्षता एवं पारदर्शिता के साथ समायोजन की कार्यवाही सम्पन्न कराई जाएं।

महालेखाकार कार्यालय के निरीक्षण दल ने आहरण-वितरण अधिकारियों को दिये टिप्स

बहराइच। सरकारी कर्मचारियों के सामान्य भविष्य निधि के डेबिट वाउचरों/क्रेडिट शेड्यूल, सामान्य भविष्य निधि के मिलान प्रकरणों, सामान्य भविष्य निधि के अन्तिम भुगतान, ए.सी./डी.सी. बिल्स, ऋण पत्रों एवं अग्रिमों के लेखों के सम्बन्ध में कार्यालय महालेखाकार के कोषागार निरीक्षण दल के सदस्यों सहा. लेखाधिकारी कृष्ण मोहन मिश्र, अनुपम सिंह, अतुल सिंह व सहा. पर्यवेक्षक श्याम पाल द्वारा कोषागार बहराइच में जनपद के आहरण-वितरण अधिकारियों एवं उनके प्रतिनिधियों को विस्तार से प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

प्रशिक्षण के दौरान निरीक्षण दल के सदस्यों द्वारा मौजूद अधिकारियों को बताया गया कि सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों के सामान्य भविष्य निधि खातों का मिलान कार्यालय महालेखाकार से कराने के लिए मूल पासबुक कदापि न भेजा जाय बल्कि पासबुक की सत्यापित पठनीय फोटोप्रति ही महालेखाकार कार्यालय को प्रेषित किया जाय, तथा मिलान के बाद ही 90 प्रतिशत भुगतान की कार्यवाही की जाय। बैठक में यह भी बताया गया कि 10 प्रतिशत अन्तिम भुगतान के प्रकरण महालेखाकार कार्यालय को प्रेषित करते समय मूल पासबुक के साथ अग्रसारण पत्र में 90 प्रतिशत भुगतान की वाउचर संख्या, दिनांक तथा मिलान की फोटोप्रति भी संलग्न करें। अधिकारियों को यह भी सुझाव दिया गया कि अन्तिम भुगतान का प्रकरण प्रेषित करते समय पत्र व्यवहार के लिए अभिदाता का नवीनतम पता भी अवश्य अंकित करें।

प्रशिक्षण में मौजूद आहरण वितरण अधिकारियों को सुझाव दिया गया कि प्रत्येक कर्मचारी के वेतन से प्रतिमाह समानुपातिक आधार पर आयकर की कटौती करें, कोषागार में रखी गयीं बहुमूल्य वस्तुओं का जमाकर्ता द्वारा प्रतिवर्ष वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर सत्यापन किया जाय। कोषागार में खोले गये पीएलए खातों में लेन/देन एवं अन्तिम अवशेष का मिलान खाताधारक अधिकारी द्वारा नियमानुसार प्रत्येक माह की 05 तारीख तक अवश्य कर लिया जाय। आहरण वितरण अधिकारियों से यह भी अपेक्षा की गयी कि प्रत्येक माह कोषागार से आहरित एवं प्राप्त धनराशियों का डीडीओ रिकन्सीलेशन स्टेटमेन्ट कोषागार से अवश्य प्राप्त करें और पिछले माह आहरित एवं प्राप्त की गयी धनराशियों का मिलान करके दिनांक सहित पूर्ण हस्ताक्षर करके कोषागार को वापस कर दें। यदि धनराशि में कोई भिन्नता सामने आये तो उससे कोषागार को अवश्य अवगत कराया जाय। आहरण वितरण अधिकारियों को बताया गया कि सामान्य भविष्य निधि पासबुक में पूरा अभिदाता का विवरण अंकित करने के साथ ही त्रुटिरहित ढंग से अंकन किया जाय और वर्ष में दो बार प्रत्येक छः माह के अन्तराल पर पासबुक में अभिदाता के हस्ताक्षर अनिवार्य रूप से कराया जाय। सेवानिवृत्ति के छः माह पूर्व से जीपीएफ कटौती बन्द कर दी जाये तथा सेवानिवृत्ति के पश्चात किसी भी अभिदाता का अंशदान/एरियर की कटौती सामान्य भविष्य निधि में न जमा किया जाय।

बैठक में यह भी बताया गया कि ऐसे अभिदाता जिन्हें वर्ष 2003-04 या उसके बाद की लेखा पर्ची प्राप्त नहीं हुई है तथा वेबसाइट डब्लूडब्लूडब्लू डाट एजीयूपी डाट एनआईसी डाट इन पर भी नहीं प्राप्त हो रही है, ऐसे अभिदाता इस सम्बन्ध में अपने आहरण वितरण अधिकारी के माध्यम से अपना नाम, पिता का नाम, लेखा संख्या, जन्मतिथि, नियुक्ति की तिथि एवं आहरण वितरण अधिकारी का पदनाम व कोड संख्या का उल्लेख करते हुए महालेखाकार कार्यालय को पत्र प्रेषित करायें ताकि सम्बन्धित धनराशियॉ उनके मास्टर डाटा में फीड किया जा सके तत्पश्चात वे अपनी स्लिप नेट के माध्यम से उक्त साइट से जीपीएफ स्लिप प्राप्त कर सकते हैं। कर्मचारियों के स्थानान्तरण होने पर उनकी एलपीसी में जीपीएफ लेखा संख्या का उल्लेख अवश्य करें।

त्रिगुट
शनिवार 27 मई 2023

मौत के ताबूत बने मिग-21

मौत के उड़ते ताबूत कहलाने वाले मिग-21 लड़ाकू विमान के आये दिन दुर्घटनाग्रस्त होते रहने के कारण उन्हें फ्लाइंग कॉफिन और विडो मेकर कहा जाने लगा है। इस कारण इनको स्थायी रूप से सेना से बाहर करने की मांग होती रही है। भारतीय वायुसेना ने लड़ाकू विमान मिग-21 के पूरे बेड़े की उड़ान पर अस्थाई तौर पर रोक लगा दी है। लगातार हो रहे हादसों को देखते हुए एयरफोर्स ने यह फैसला लिया है। राजस्थान में सूरतगढ़ के पास 8 मई को एक नियमित प्रशिक्षण उड़ान के दौरान एक मिग-21 एयरक्राफ्ट क्रैश होकर आबादी क्षेत्र के मकानों पर गिर गया था। उस हादसे में 3 महिलाओं की जान चली गई थी। वायु सेना ने मिग-21 लड़ाकू विमानों के पूरे बेड़े को उड़ान भरने से तब तक के लिए रोक दिया है जब तक कि राजस्थान में हुए हादसे की जांच पूरी नहीं हो जाती है। मौत के उड़ते ताबूत कहलाने वाले मिग-21 लड़ाकू विमान के आये दिन दुर्घटनाग्रस्त होते रहने के कारण उन्हें फ्लाइंग कॉफिन और विडो मेकर कहा जाने लगा है। इस कारण इनको स्थायी रूप से सेना से बाहर करने की मांग होती रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय वायुसेना के 400 से ज्यादा मिग-21 विमान पिछले 60 सालों में दुर्घटनाग्रस्त हो चुके हैं। जिसमें 200 से अधिक पायलटों और 63 नागरिकों की जान जा चुकी है। अभी वायु सेना के पास मिग-21 बाइसन की तीन स्क्वाड्रन हैं। जिन्हें 2025 की शुरुआत में चरणबद्ध तरीके से वायु सेना से हटाया जाएगा।

मिग-21 को 1960 के दशक में भारतीय वायु सेना में शामिल किया गया था। एक जमाने में ये दुनिया के सबसे ताकतवर लड़ाकू विमानों में शामिल था। इसकी तेज रफ्तार और मारक क्षमता के आगे अमेरिका जैसे देश भी डरते थे। ये इकलौता ऐसा लड़ाकू विमान है जिसे दुनियाभर के 60 से ज्यादा देशों में इस्तेमाल किया गया है। अब तक इस लड़ाकू विमान की 11 हजार 496 यूनिट्स का निर्माण किया जा चुका है। मिग-21 विमानन इतिहास का पहला सुपरसोनिक जेट विमान है। सत्तर के दशक में यह दुनिया में सबसे ज्यादा बिकने वाला फाइटर प्लेन था। मिग-21 वही फाइटर प्लेन है जिससे भारतीय वायुसेना के विंग कमांडर अभिनंदन ने पाकिस्तान के लड़ाकू विमान एफ-16 को मार गिराया था। हालांकि उनका मिग-21 विमान भी क्रेश कर गया था। इसके अलावा पाकिस्तान के साथ हुए 1971 और 1999 के कारगिल युद्ध में भी मिग-21 ने अहम भूमिका निभाई थी। मिग-21 बाइसन फाइटर जैट का इस्तेमाल अब केवल इंटरसेप्टर के रूप में किया जा रहा है। इनका उपयोग लड़ाकू जेट के रूप में सीमित भूमिका के साथ ज्यादातर प्रशिक्षण अभ्यास के लिए किया जाता है। ये विमान एयरक्राफ्ट शॉर्ट रेंज और मीडियम रेंज एयरक्राफ्ट मिसाइलों से हमला करने में सक्षम है। इस लड़ाकू विमान की स्पीड 2229 किलोमीटर प्रति घंटा की है।

मिग-21 लडाकू विमान को बनाने वाली सोवियत वायु सेना ने इसे 1985 में ही अपनी वायु सेना से हटा दिया था। 1985 के बाद बांग्लादेश और अफगानिस्तान ने भी इसे सेवा से हटा दिया था। भारत में भी 1990 के दशक के मध्य में इनकी सेवानिवृत्ति की अवधि पूरी हो गई थी। इसके बावजूद इनका उन्नयन किया जाता रहा है। अक्टूबर 2014 में तत्कालीन वायु सेना प्रमुख ने कहा था कि पुराने विमानों को सेवा से हटाने में देरी से भारत की सुरक्षा को खतरा है, क्योंकि वायु सेना बेड़े के कुछ विमान बहुत पुराने हो गये हैं। नए लड़ाकू विमानों को शामिल करने में देरी के कारण भारतीय वायु सेना को मिग 21 विमानों को लंबे समय तक सेवा में रखना पड़ा। वायुसेना को भारत के आसमान की रक्षा के लिए एक निश्चित संख्या में स्क्वाड्रन ताकत बनाए रखने की कमी का सामना करना पड़ रहा है। स्वदेशी तेजस कार्यक्रम में देरी, राफेल सौदे को लेकर राजनीतिक विवाद और धीमी गति वाली खरीद प्रक्रिया के कारण ही मिग-21 को सामान्य से अधिक समय तक सेवा में रखना पड़ रहा है। जुलाई 2022 में भारतीय वायु सेना ने शेष सभी मिग-21 लड़ाकू स्क्वाड्रन को चरणबद्ध तरीके से हटाने के लिए तीन साल की कार्य योजना तैयार की थी। जिसमें से एक स्क्वाड्रन सितंबर में सेवानिवृत्त होने वाली है। एक समय मिग-21 विमान अपने सभी संस्करणों के साथ भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमानों के बेड़े की रीढ़ बना था। वहीं वायुसेना में दुर्घटनाओं की संख्या भी मिग-21 विमानों में सबसे अधिक थी। भारतीय वायु सेना मिग-21 लड़ाकू विमानों को मजबूरी में उड़ा रही थी। भारतीय वायु सेना को पाकिस्तान व चीन से दो मोर्चों पर युद्ध लड़ने के लिए लड़ाकू विमानों की 42 स्क्वाड्रन की जरूरत है। मगर भारत के पास अभी 32 स्क्वाड्रन ही मौजूद हैं। जिनमें भी तीन स्क्वाड्रन मिग-21 के शामिल हैं। भारतीय वायु सेना के पास लड़ाकू विमानों की कमी का मुख्य कारण लंबे समय से लड़ाकू विमानों की खरीद नहीं करना है। 2016 में फ्रांस से दो स्क्वाड्रन विमानों की खरीद की गई थी। भारत में निर्मित स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस की 83 यूनिट खरीदने के हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड को आर्डर दिए गए हैं। जिनकी आपूर्ति में अभी समय लगेगा। ऐसे में वायु सेना को तात्कालिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए लड़ाकू विमानों की जरूरत है। भारत ने 114 लड़ाकू विमानों की खरीद के लिए वैश्विक स्तर पर बोलियां आमंत्रित की हैं। इन मल्टीरोल लड़ाकू विमानों की खरीद पर भारत सरकार करीबन एक लाख करोड़ रुपयों से अधिक की राशि खर्च करेगी। अमेरिकी, फ्रांसीसी और स्वीडिश विमान निर्माता कंपनियां इस सौदे को हासिल करने के लिए दौड़ में शामिल हैं। अगले साल से स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस वायु सेना को मिलने शुरू हो जाएंगे। जिससे उम्मीद है कि आने वाले चार-पांच वर्षों में भारतीय वायु सेना के पास 40 से अधिक स्क्वाड्रन हो जाएंगी। हमारे देश में वायु सेना के लिए विमानों व हेलीकॉप्टरों में खरीद की प्रक्रिया धीमी है।

वित्तीय समावेशन के जरिये मोदी ने भारत में गरीब वर्ग का कर दिया कायाकल्प

प्रह्लाद सबनानी

गरीबी कम करने के लिए वित्तीय समावेशन प्रमुख कारक के रूप में कार्य कर रहा है। प्रधानमंत्री जनधन योजना को लागू करने के बाद से देश में गरीब वर्ग के बीच बैंकिंग सेवाओं में तेजी से प्रगति हुई है। वित्तीय समावेशन आर्थिक विकास और गरीबी उन्मूलन का प्रमुख चालक भी बन गया है। 15 अगस्त 2014 को लाल किले की प्राचीर से भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'प्रधानमंत्री जनधन योजना' की घोषणा की थी और बिना समय गंवाए 28 अगस्त 2014 से यह योजना पूरे देश में प्रारम्भ कर दी गई थी। केंद्र सरकार द्वारा लिए गए इस निर्णय ने देश में अर्थव्यवस्था के क्षेत्र की दशा एवं दिशा बदल दी थी। इस योजना का दूसरा संस्करण अधिक लाभों को जोड़ते हुए वर्ष 2018 में प्रारम्भ किया गया था। इस दूसरे संस्करण में प्रत्येक परिवार के स्थान पर प्रत्येक उस व्यक्ति को बैंकिंग सेवाओं से जोड़ने की घोषणा की गई थी जो बैंकिंग सुविधाओं से वंचित थे। इस पहल का नतीजा आज हम सभी के सामने है कि देश आर्थिक विकास के रास्ते पर इतना आगे बढ़ चुका है कि पूरी दुनिया भारत को वैश्विक आर्थिक मोर्चे पर एक चमकता हुआ सितारा मान रही है।

किसी भी देश का आर्थिक विकास उस देश के नागरिकों के वित्तीय सेवाओं से जुड़े होने पर भी निर्भर करता है। जितनी अधिक जनसंख्या वित्तीय सेवाओं से जुड़ी होगी, उस देश की आर्थिक स्थिति उतनी ही मजबूत होगी। लेकिन, आजादी के बाद से भारत में आबादी का एक बहुत बड़ा भाग और समाज का निम्न आय वर्ग बड़ी संख्या में वित्तीय सेवाओं से वंचित रहा है। जबकि गरीबी को कम करने में वित्तीय समावेशन एक प्रमुख प्रवर्तक माना जाता है। वर्ष 2014 में देश के करोड़ों नागरिकों के पास मोबाइल फोन तो था परंतु उनका बैंक में बचत खाता नहीं था। नागरिक बैंक में जाने से डरते थे। नागरिकों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए एक ऐसी योजना की आवश्यकता थी जिससे सभी नागरिक इससे होने वाले लाभ अर्जित कर सकें एवं भारत के विकास में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सकें। अतः नागरिकों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए केंद्र सरकार द्वारा प्रधानमंत्री जनधन योजना की शुरुआत की गई थी। इससे हाल के दिनों में सामान्य रूप से भारतीय अर्थव्यवस्था में एवं विशेष रूप से बैंकिंग सेवाओं में बहुत ही तेज गति से प्रगति हुई है। प्रधानमंत्री जनधन योजना के माध्यम से आम नागरिकों के बैंकों में बचत खाते खोले गए, आवश्यकता आधारित ऋण की उपलब्धता सुनिश्चित की गई, धन के प्रेषण की सुविधा, बीमा तथा पेंशन सुविधा भी उपलब्ध कराई गई। इस योजना के अंतर्गत जमाराशि पर ब्याज मिलता है, हालांकि बचत खाते में कोई न्यूनतम राशि रखना आवश्यक नहीं है। एक लाख रुपए तक का दुर्घटना बीमा भी मिलता है। साथ ही, इस योजना के माध्यम से दो लाख रुपए का जीवन बीमा उस लाभार्थी को उसकी मृत्यु पर सामान्य शर्तों पर मिलता है। सरकारी योजनाओं के माध्यम से दिए जाने वाले लाभ के अंतरण की सुविधा भी इस योजना के अंतर्गत प्राप्त होती है।

भारत में प्रधानमंत्री जनधन योजना ने देश के हर गरीब नागरिक को वित्तीय मुख्य धारा से जोड़ा है। समाज के अंतिम छोर पर बैठे गरीबतम व्यक्तियों को भी इस योजना का लाभ मिला है। आजादी के लगभग 70 वर्षों के बाद भी भारत के 50 प्रतिशत नागरिक अर्थव्यवस्था की रीढ़ अर्थात बैंकों से नहीं जुड़े थे। इस योजना के अंतर्गत 31 मार्च 2023 तक 48.65 करोड़ बचत खाते विभिन्न बैंकों में खोले जा चुके हैं। साथ ही, इन खाताधारकों द्वारा 2 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि इन जमा खातों में जमा की गई है। प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत खाताधारकों को प्रदान की जाने वाली अन्य सुविधाओं का लाभ भी भारी मात्रा में नागरिकों ने उठाया है। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना से 15.99 करोड़ नागरिक जुड़ गए हैं, इनमें 49 प्रतिशत महिलाएं शामिल हैं, इस योजना के अंतर्गत 2 लाख रुपए का जीवन बीमा केवल 436 रुपए के वार्षिक प्रीमीयम पर उपलब्ध कराया जाता है। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना से 33.78 करोड़ नागरिक जुड़ गए हैं, इनमें 48 प्रतिशत महिला लाभार्थी हैं, इस योजना के अंतर्गत 2 लाख रुपए का दुर्घटना बीमा केवल 20 रुपए के वार्षिक प्रीमीयम पर उपलब्ध कराया जाता है। अटल पेंशन योजना से 5.20 करोड़ नागरिक जुड़ गए हैं। मुद्रा योजना के अंतर्गत 40.83 करोड़ नागरिकों को ऋण प्रदान किया गया है। प्रधानमंत्री जनधन योजना अपने प्रारम्भिक समय से ही वित्तीय समावेशन के लिए एक क्रांतिकारी कदम मानी जा रही है। इस योजना के प्रारम्भ के बाद, एक सप्ताह के अंदर बैंक में खोले गए खातों की संख्या को उपलब्धि के रूप में गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में शामिल किया गया था। बैंकों की मदद से शून्य बैलेन्स के साथ करोड़ों नागरिकों के बचत खाते विभिन्न बैंकों में खोले गए हैं। इन बचत खातों में से लगभग 67 प्रतिशत बचत खाते ग्रामीण एवं अर्धशहरी केंद्रों पर खोले गए हैं, जिसे मजबूत होती ग्रामीण अर्थव्यवस्था के रूप में देखा जा रहा है। भारत में बैंकिंग व्यवस्था को आसान बनाने के उद्देश्य से डिजिटल इंडिया को आगे बढ़ाने का कार्य भी सफलतापूर्वक किया गया है। इस योजना के अंतर्गत खोले गए बचत खाताधारकों को रूपे डेबिट कार्ड प्रदान किया गया है। यह रूपे कार्ड उपयोगकर्ता द्वारा समस्त एटीएम, पोस टर्मिनल एवं ई-कामर्स वेबसाइट पर लेनदेन करने की दृष्टि से उपयोग किया जा सकता है। वर्ष 2016 में 15.78 करोड़ बचत खाताधारकों को रूपे कार्ड प्रदान किया गया था एवं अप्रैल 2023 तक यह संख्या बढ़कर 33.5 करोड़ तक पहुंच गई है। वर्तमान में देश में बैंकिंग सेवाएं सुगम बनाने के उद्देश्य से 6.55 लाख बैंकिंग मित्र भी अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। उक्त योजनाओं से जुड़े आंकड़े बताते हैं कि किस प्रकार बैंकिंग सेवाओं को नागरिकों के द्वार तक पहुंचा दिया गया है। वित्तीय समावेशन के लिए गांव से लेकर शहर तक गरीब से लेकर मध्यम आय के परिवार के कम से कम एक सदस्य को बैंकिंग सेवा से जोड़ने का जो लक्ष्य निर्धारित किया गया था उसे बहुत हद तक पिछले 8 साल के दौरान प्राप्त कर लिया गया है। गरीबी कम करने के लिए वित्तीय समावेशन एक प्रमुख कारक के रूप में कार्य कर रहा है। प्रधानमंत्री जनधन योजना को लागू करने के बाद से देश में गरीब वर्ग के बीच बैंकिंग सेवाओं में तेजी से प्रगति हुई है। वित्तीय समावेशन आर्थिक विकास और गरीबी उन्मूलन का प्रमुख चालक भी बन गया है। पिछले 8 वर्षों के दौरान बचत खातों की संख्या तीन गुना बढ़ी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सोच है कि देश का कोई भी व्यक्ति वित्तीय और बैंकिंग सेवाओं से वंचित ना रहे, इसी उद्देश्य से इस योजना को प्रारम्भ किया गया था। वित्तीय समावेशन से वित्तीय साक्षरता और उपभोक्ता संरक्षण बढ़ता है। साथ ही, वित्तीय समावेशन से देश में पूंजी निर्माण की दर में भी वृद्धि होती है। वित्तीय समावेशन के माध्यम से देश के प्रत्येक परिवार के साथ-साथ प्रत्येक नागरिक को इस लायक बनाने का प्रयास किया जा रहा है कि वह देश की आर्थिक प्रगति में अपने योगदान को सार्थक कर सके। परिवार के कुछ सदस्य नहीं बल्कि परिवार के समस्त सदस्य गरीबी रेखा से बाहर आ जाएं। देश का पूरा समाज एवं समस्त प्रदेश ही आर्थिक रूप से विकसित बन जाएं। देश के समस्त समाजों को बगैर किसी भेदभाव के आगे बढ़ाया जा रहा है। वित्तीय समावेशन ने आज देश के आर्थिक परिदृश्य को पूरे तौर पर बदल दिया है। यूपीआई के माध्यम से आज ऑनलाइन पैसे का तुरंत भुगतान सम्भव हो सका है एवं अब पैसे बैंक में जमा किए जाते हैं तो वह भी ब्याज के रूप में आय अर्जित करते हैं। पहले, यह रकम घर पर पड़ी रहती थी एवं अनुत्पादक आस्ति बनी रहती थी। आज वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में, दुनिया के कई देश, भारत को मिसाल के तौर पर देखने लगे हैं कि किस प्रकार 140 करोड़ से अधिक की आबादी वाले देश ने बैंकों से उन नागरिकों को भी जोड़ा है जो अब तक इन सुविधाओं से वंचित थे। जब तक समावेशी विकास नहीं होगा, तब तक देश का आर्थिक विकास भी गति नहीं पकड़ सकता है। पहले लोग जहां बैंकों में जाने से डरते थे, वहीं अब उन्हें बैंकिंग सुविधाएं बैंक मित्रों के माध्यम से घर बैठे ही पहुंचाई जा रही हैं। आज नागरिकों को बैंक जाने की आवश्यकता ही नहीं है, ऑनलाइन बैंकिंग व्यवहार आसानी से सम्पन्न किए जा रहे हैं। कुल मिलाकर भारत में बैंकिंग क्षेत्र में अतुलनीय परिवर्तन आया है, जिससे देश में वित्तीय समावेशन भी बहुत आसान बन पड़ा है।

हिरोशिमा में मोदी ने जो अमन का रास्ता सुझाया, उस पर चलकर विश्व में शांति स्थापित हो सकती है

ललित गर्ग ।

समूची दुनिया युद्ध-मुक्त परिवेश चाहती है। चीन जैसे कुछ देश हैं जो इस सोच में बाधा बने हुए हैं। पश्चिमी देशों ने पहले ही तय कर रखा था कि इस सम्मेलन में रूस पर और कड़े प्रतिबंध लगाए जाएंगे। समूह सात के देशों ने चीन का नाम लिए बिना कड़ी निंदा की। भारत समूची दुनिया में एक महाशक्ति के रूप में उभर रहा हैं, महाशक्तिशाली राष्ट्र भी भारत की ओर आशाभरी निगाहों से देख रहे हैं। हिरोशिमा में जी-7 सम्मेलन के दौरान भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी मानवतावादी सोच एवं युद्ध-हिंसामुक्त नयी दुनिया को निर्मित करने के संकल्प के लिये सबकी आंखों के तारे बने हैं, जापान के समाचार-पत्रों में उन्होंने सुर्खियां बटोरी हैं, यह भारत के लिये गर्व एवं गौरव का विषय है। मोदी ने अपने वक्तव्य में यूक्रेन में युद्ध दुनिया के लिए एक बड़ी चिंता है कहकर न केवल पूरे विश्व को प्रभावित किया है, बल्कि सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। हिरोशिमा में युद्ध, हिंसा, आतंकवाद, पर्यावरण, बढ़ती जनसंख्या, आपसी सहयोग जैसे विषयों पर साफ-साफ चर्चा करते हुए मोदी ने भारत की धरती से घोषित हुए 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' एवं 'वसुधैव कुटुम्बकम' मंत्रों को दुनिया के लिये उपयोगी साबित किया है। इस तरह मोदी की भूमिका से उनके बढ़ते कद का भी पता चलता है और इसका भी कि विश्व समुदाय भारत की बात सुन रहा है।

भारत प्रारंभ से ही शांति, अयुद्ध एवं अहिंसा की वकालत करता रहा है। प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेन्द्र मोदी ने भारत की इस सोच को बल दिया है, एक अहिंसा एवं शांतिवादी नेता के रूप में अपनी पहचान बनायी है। मोदी ने भारत पर तीखी हिंसक नजरें रखने वाले देशों को भी सदैव अहिंसक तरीकों से लाइन पर लाने की चेष्टा की है। मानवतावादी एवं अहिंसक सोच का परिणाम है कि पाकिस्तान के लगातार आतंक फैलाने एवं भारत की शांति को भंग करने की घटनाओं के बावजूद उन्होंने कभी युद्ध एवं हिंसा का सहारा नहीं लिया, अन्यथा पाकिस्तान की आज जैसी दुर्दशा है, चाहे जब हिंसा का जवाब हिंसा से या युद्ध से दिया जा सकता है। चीन के लगातार भारत के खिलाफ हो रहे षड्यंत्रों के बावजूद भारत ने संयम बरता है। हिरोशिमा में भारत एक नयी पहचान लेकर उभरा। मोदी का यूक्रेन के मामले में यह कथन विश्व स्तर पर खूब चर्चित हुआ था कि यह युग युद्ध का नहीं, शांति का है। खास बात यह थी कि उन्होंने यह बात रूसी राष्ट्रपति पुतिन से कही थी। हिरोशिमा में उन्होंने यूक्रेन संकट को लेकर यह भी कहा कि मैं इसे राजनीतिक या आर्थिक विषय नहीं, बल्कि मानवता और मानवीय मूल्यों का मुद्दा मानता हूं। यह कहना कठिन है कि भारतीय प्रधानमंत्री की इन बातों का कितना असर होगा, रूस-यूक्रेन संघर्ष रोकने में कोई सकारात्मक परिवेश बन सकेगा-कहना इतना आसान नहीं है। लेकिन दुनिया के लिये क्या हितकारी है, यह तो समझा ही जा सकता है। प्रधानमंत्री मोदी ने यह कहकर रूस के साथ चीन को भी निशाने पर लिया कि सभी देशों को अंतरराष्ट्रीय कानूनों और एक-दूसरे की संप्रभुता एवं क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करना चाहिए। किसी को कोई संशय न रहे, इसलिए उन्होंने यह स्पष्ट करने में भी संकोच नहीं किया कि यथास्थिति बदलने के एकतरफा प्रयासों के खिलाफ आवाज उठानी होगी। ऐसी कोई टिप्पणी इसलिए आवश्यक थी कि एक ओर जहां रूस यूक्रेन की संप्रभुता एवं उसकी अखंडता की अनदेखी कर यथास्थिति बदलने की कोशिश कर रहा है, वहीं दूसरी ओर चीन भी अपने पड़ोस में यही काम करने में लगा हुआ है। चीन की विस्तारवादी हरकतों और सीमा विवाद के मामले में उसके

अड़ियल रवैये की चपेट में भारत भी है। भारत के लिए जितना आवश्यक यह है कि वह रूस को नसीहत देने में संकोच न करे, उतना ही यह भी कि चीन को आईना दिखाने का कोई अवसर न गंवाए। यह अच्छी बात है कि भारत यह काम लगातार कर रहा है। शंघाई सहयोग संगठन, क्वॉड, जी-20 और जी-7 के मंचों से वह अपनी बात कहने में जिस तरह हिचक नहीं रहा, उससे यही पता चलता है कि अंतरराष्ट्रीय पटल पर मोदी के नेतृत्व में एक नया भारत आकार ले रहा है।

शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री ने यूक्रेन के प्रधानमंत्री वोलोदिमीर जेलेंस्की से मुलाकात की और युद्ध समाप्त करने पर जोर दिया। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से प्रधानमंत्री जब मिले थे, तब भी उन्होंने युद्ध समाप्त करने पर जोर दिया था क्योंकि युद्ध से समूची दुनिया की आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित हुई है और महंगाई जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध छिड़ा तो पूरी दुनिया की नजर भारत पर टिक गई थी। माना जा रहा था कि भारत के प्रयासों से इसे रोकने में मदद मिल सकती है। इसलिए कि भारत रूस का घनिष्ठ मित्र है और उसकी मध्यस्थता का उस पर असर हो सकता है। भारत ने इसके लिए पूरा प्रयास किया भी है। जब भी प्रधानमंत्री मोदी ने पुतिन से बात की, उन्होंने उसे सुना तो ध्यान से मगर किया अपने मन की। यूक्रेन से भारत की निकटता रही है, इसलिए वह भी भारत के सुझावों को गंभीरता से लेता रहा है। ऐसे में जब प्रधानमंत्री ने हिरोशिमा में जेलेंस्की से अलग से बात की और फिर सम्मेलन के मंच से दोनों देशों के बीच चल रहे युद्ध को मानवता के लिए गंभीर संकट बताया, तो सभी सदस्य देशों ने उस पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी।

समूची दुनिया युद्ध-मुक्त परिवेश चाहती है। चीन जैसे कुछ देश हैं जो इस सोच में बाधा बने हुए हैं। पश्चिमी देशों ने पहले ही तय कर रखा था कि इस सम्मेलन में रूस पर और कड़े प्रतिबंध लगाए जाएंगे। समूह सात के देशों ने चीन का नाम लिए बिना कड़ी निंदा की और कहा कि उसे रूस पर यह युद्ध रोकने के लिए दबाव बनाना चाहिए। दरअसल, रूस और यूक्रेन युद्ध अब जिस मोड़ पर पहुंच गया है, वहां किसी तरह के समझौते की गुंजाइश नजर नहीं आती। पश्चिमी देश खुल कर यूक्रेन के पक्ष में उतर आए हैं, तो चीन खुलकर रूस के साथ खड़ा है। रूस के हमले यूक्रेन पर भारी पड़ रहे हैं। परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की आशंका बनी रहती है। ऐसे में भारत के लिए मध्यस्थता की कोई जगह तलाशना आसान नहीं रह गई है। रूस पर वह दबाव बनाने की कोशिश भी करे, तो कैसे। चीन एक बड़ा रोड़ा है। हकीकत यही है कि इस युद्ध ने मानवता के लिए बड़ा संकट पैदा कर दिया है। अब दुनिया में युद्ध का अंधेरा नहीं, बल्कि शांति का उजाला हो, उसके लिये आवश्यक है- दुनिया के देशों के बीच सहज रिश्ते कायम हों। आज हमारी कड़वी जीभ ए.के. 47 से ज्यादा घाव कर रही है। हमारे गुस्सैल नथुने मिथेन से भी ज्यादा विषैली गैस छोड़ रहे हैं। हमारे दिमागों में भी स्वार्थ का शैतान बैठा हुआ है।

यह सब उत्पन्न न हो, ऐसे मनुष्य का निर्माण हो। मनुष्य का आंतरिक रसायन भी बदले, तो बाहरी प्रदूषण में भी परिवर्तन आ सकता है और वह ऐसे सम्मेलनों में पारित प्रस्ताव की तरह केवल कागजों पर नहीं होगा। कभी आंतरिक प्रदूषण के बारे में भी ऐसे सम्मेलन हों। आंतरिक प्रदूषण के अणु भी कितने विनाशकारी होते हैं। यही बात इस सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने समझाने की कोशिश की है। महात्मा गांधी के प्रिय भजन की वह पंक्ति- सबको सन्मति दे भगवान में फिलहाल थोड़ा परिवर्तन हो- केवल आकाओं को सन्मति दे भगवान। एक व्यक्ति पहाड़ (जिद के) पर चढ़कर नीचे खड़े लोगों को चिल्लाकर कहता है, तुम सब मुझे बहुत छोटे दिखाई देते हो। प्रत्युत्तर में नीचे से आवाज आई तुम भी हमें बहुत छोटे दिखाई देते हो। बस! यही कहानी एवं रूस और यूक्रेन युद्ध की स्थितियां तब तक दोहराई जाती रहेंगी जब तक आम सहमति सर्वानुमति नहीं बनेगी। इसी के लिये प्रधानमंत्री प्रयासरत हैं। पिछले कुछ समय से अंतरराष्ट्रीय मामलों में न केवल भारत की अहमियत बढ़ी है, बल्कि प्रमुख देश उससे सहयोग, संपर्क और संवाद के सिलसिले को गति देने में लगे हुए हैं। शायद यही कारण रहा कि आस्ट्रेलिया में क्वॉड की बैठक स्थगित हो जाने के बाद भी भारतीय प्रधानमंत्री वहां गये हैं। इसके बाद उन्हें अमेरिका भी जाना है। आज आवश्यक केवल यह नहीं है कि भारत अंतरराष्ट्रीय मामलों में अपनी सक्रियता बढ़ाए, बल्कि यह भी है कि सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता के लिए अपनी दावेदारी आगे बढ़ाता रहे। इसी से दुनिया में शांति एवं मानवतादी सोच का धरातल सुदृढ़ होगा।

अंगारकी विनायक गणेश चतुर्थी व्रत से घर में आती है समृद्धि

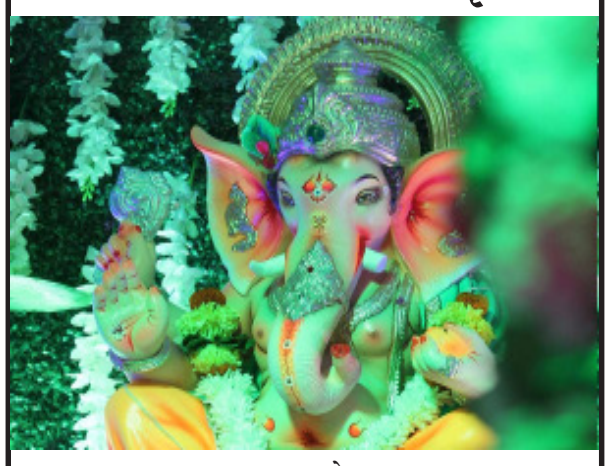

प्रज्ञा पाण्डेय

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार विनायक चतुर्थी का विशेष महत्व होता है। इस दिन भगवान गणेश की पूजा करने से सभी समस्याएं दूर हो जाती हैं। भगवान गणेश की पूजा करने से कार्यों में किसी भी तरह की कोई रुकावट नहीं आती है। आज अंगारकी विनायक गणेश चतुर्थी है, इस दिन भगवान गणेश की पूजा होती है तो आइए हम आपको अंगारकी विनायक गणेश चतुर्थी की पूजा विधि और व्रत के महत्व के बारे में बताते हैं।

विनायक गणेश चतुर्थी व्रत से जुड़ी पौराणिक कथा

शिवपुराण में एक कथा प्रचलित है। इस कथा के अनुसार माता पार्वती ने स्नान करते समय अपनी मैल से एक पुत्र उत्पन्न कर द्वारपाल बना दिया। शिवजी जब लौट कर आए तो उस बालक ने प्रवेश करने से मना कर दिया। इस पर शिवगणों ने बालक के साथ संग्राम किया लेकिन कोई बालक से जीत नहीं सका। इस पर शंकर जी त्रिशूल से उस बालक का सिर काट दिया। शिव जी के इस बर्ताव पर माता पार्वती बहुत क्रुद्ध हुईं। इस पर नारद के साथ अन्य देवताओं ने जगदम्बा को स्तुति कर शांत किया। शिव जी के कहने पर विष्णु जी रास्ते में पड़ने वाले पहले जीव का सिर लेकर आए उस बालक धड़ पर स्थापित कर दिया। इस पर जगदम्बा अति प्रसन्न हुई और उसे सभी देवताओं में श्रेष्ठ होने का आर्शीवाद दिया। शिव जी ने कहा हे गिरिजानंदन तू सुख-समृद्धि का स्वामी होगा। भादो मास की कृष्णपक्ष की चतुर्थी को चंद्रोदय के बाद उदित होने के कारण समस्त संसार तेरी अराधना करेगी। गणेश जी की व्रत तथा पूजा से घर में सुखों का वास होगा।

अंगारकी विनायक चतुर्थी का शुभ मुहुर्त

चतुर्थी तिथि की शुरुआत 22 मई की रात 11 बजकर 18 मिनट पर होगी और इसकी समाप्ति 23 मई की देर रात 12 बजकर 57 मिनट पर होगी। विनायक चतुर्थी व्रत 23 मई को रखा जाएगा। पूजा का शुभ मुहूर्त सुबह 11 बजकर 28 मिनट से दोपहर 1 बजकर 42 मिनट तक रहेगा।

अंगारकी विनायक चतुर्थी का महत्व

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार विनायक चतुर्थी का विशेष महत्व होता है। इस दिन भगवान गणेश की पूजा करने से सभी समस्याएं दूर हो जाती हैं। भगवान गणेश की पूजा करने से कार्यों में किसी भी तरह की कोई रुकावट नहीं आती है। इसलिए गणपति महाराज को विघ्नहर्ता के नाम से भी जाना जाता है। भगवान गणेश सुख और समृद्धि के देवता हैं। पंडितों का मानना है कि गणेश जी की पूजा करने से सुख, समृद्धि और बुद्धि आती है। इस बार कई तरह के ग्रहों के संयोग से शुभ मुहूर्त बन रहा है इसलिए इस वर्ष गणेश पूजा का विशेष महत्व है।

अंगारकी विनायक चतुर्थी पर करें ये उपाय-

अंगारकी विनायक चतुर्थी का दिन बहुत खास होता है। पंडितों के अनुसार अगर आप इस दिन गणेश जी को शतावरी चढ़ाते हैं तो इससे व्यक्ति की मानसिक शांति बनी रहती है। गेंदे के फूल की माला को घर के मुख्य द्वार पर बांधने से घर की शांति वापस आती है। साथ ही गणेश जी को अगर चौकोर चांदी का टुकड़ा चढ़ाया जाए तो घर में चल रहा संपत्ति को लेकर विवाह खत्म हो जाता है। किसी भी पढ़ाई में परेशानी हो तो आपको विनायक चतुर्थी पर ऊं गं गणपतये नमः मंत्र का जाप 108 बार करना चाहिए। विनायक चतुर्थी के दिन गणेश जी को 5 इलायची और 5 लौंग चढ़ाए जाने से जीवन में प्रेम बना रहता है। वैवाहिक जीवन में किसी भी तरह की परेशानी आ रही हो तो विनायक चतुर्थी के दिन गणेश जी के किसी मंदिर में जाकर हरे रंग के वस्त्र चढ़ाएं।

अंगारकी विनायक चतुर्थी पर ऐसे करें पूजा

- विनायक चतुर्थी के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान कर लें।
- इसके बाद भगवान गणेश की प्रतिमा के सामने धूप, दीप जलाएं।
- गणेश भगवान को गंगाजल से स्नान कराएं और उन्हें स्वच्छ वस्त्र अर्पित करें।
- गणपति बप्पा को पुष्प, मिठाई, फल, चंदन और पान का पत्ता अर्पित करें।
- इसके बाद गणेश जी को सिंदूर लगाएं और मोदक का भोग लगाना न भूलें।
- विनायक चतुर्थी की कथा पढ़ें।
- पूजा के अंत में गणेश जी की आरती करें और प्रसाद सभी में बांट दें।
- शाम के समय फिर से विनायक चतुर्थी की पूजा करें और पूरे दिन फलाहार व्रत रखें।
- ये व्रत अगले दिन पूरा होता है।

गणपति और हनुमान जी की पूजा का संयोग

इस साल विनायक चतुर्थी पर बेहद शुभ संयोग बन रहा क्योंकि इसी दिन ज्येष्ठ माह का तीसरा बड़ा मंगल व्रत भी रखा जाएगा। ऐसे में गौरी पुत्र गणेश और बजरंगबली के आशीर्वाद से साधक के सारे कष्ट दूर हो जाएंगे। राहु-केतु से मुक्ति पाने के लिए गणपति की पूजा और मंगल दोष के दुष्प्रभाव को कम करने के लिए हनुमान जी की पूजा अचूक मानी गई है।

अंगारकी विनायक चतुर्थी के दिन ऐसे करें पूजा

विनायक चतुर्थी का दिन बहुत खास होता है। इसलिए इस दिन सुबह उठ कर स्नान करें। स्नान करने के बाद घर के मंदिर में दीप जलाएं और भगवान गणेश को स्नान कराएं। इसके बाद भगवान गणेश को साफ वस्त्र पहनाएं। भगवान गणेश को सिंदूर का तिलक भी लगाएं। गणेश भगवान को दुर्वा प्रिय होती है इसलिए दुर्वा अर्पित करनी चाहिए। गणेश जी को लड्डू, मोदक का भोग भी लगाएं इसके बाद गणेश जी की आरती करें।

स्कंद षष्ठी व्रत से होती है संतान की उन्नति

स्कंद षष्ठी की पूजा शुरू करने से पहले भगवान कार्तिकेय के साथ भगवान शिव और माता पार्वती की प्रतिमा को साफ चौकी पर स्थापित करें। उस पर घी, दही, जल और पुष्प से अर्घ्य प्रदान कर कलावा, अक्षत, हल्दी, चंदन, इत्र का अर्पण करें। आज स्कंद षष्ठी है, स्कंद षष्ठी भगवान कार्तिकेय को समर्पित महत्वपूर्ण हिंदू त्योहार है, इसे करने से संतान को लाभ मिलता है तो आइए हम आपको स्कंद षष्ठी के महत्व एवं पूजा विधि के बारे में बताते हैं।

जाने स्कंद षष्ठी के बारे में खास बातें

स्कंद षष्ठी को कांडा षष्ठी के नाम से भी जाना जाता है। भगवान कार्तिकेय का एक नाम स्कंद कुमार भी है। तमिल हिंदुओं के बीच लोकप्रिय हिंदू देवता भगवान स्कंद कुमार हैं। वह भगवान शिव और देवी पार्वती के पुत्र हैं और उन्हें भगवान गणेश का छोटा भाई माना जाता है। लेकिन उत्तरी भारत में, स्कंद को भगवान गणेश के बड़े भाई के रूप में पूजा जाता है। भगवान स्कंद के अन्य नाम मुरुगन, कार्तिकेयन और सुब्रमण्य हैं। स्कंद षष्ठी को कांडा षष्ठी के नाम से भी जाना जाता है। पंचमी तिथि या षष्ठी तिथि सूर्योदय और सूर्यास्त के बीच शुरू होती है और बाद में स्कंद षष्ठी व्रत के लिए इस दिन पंचमी और षष्ठी दोनों को संयुग्मित किया जाता है। इसका उल्लेख धर्मसिंधु और निर्णय सिंधु में मिलता है ।

स्कंद षष्ठी का शुभ मुहूर्त

हिंदू पंचांग के अनुसार, ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि 25 मई 2023, गुरुवार को सुबह 3 बजकर 1 मिनट पर प्रारंभ होगी, जो 26 मई 2023 को सुबह 5 बजकर 20 मिनट पर समाप्त होगी। ऐसे में ज्येष्ठ माह में स्कंद षष्ठी का पर्व 25 मई 2023 को मनाया जाएगा और इस दिन व्रत भी रखा जाएगा।

स्कंद षष्ठी व्रत का महत्व

भगवान मुरुगन ने सोरपद्मन और उसके भाइयों तारकासुर और सिंहमुख को षष्ठी के दिन मार दिया था। स्कन्द षष्ठी का यह दिन जीत का प्रतीक है। ऐसा कहा जाता है कि भगवान मुरुगन ने वेल या लांस नामक अपने हथियार का उपयोग करके सोरपद्मन का सिर काट दिया था। कटे हुए सिर से दो पक्षी निकले - एक मोर जो कार्तिकेय का वाहन बन गया और एक मुर्गा जो उनके झंडे पर प्रतीक बन गया। स्कंद षष्ठी का व्रत रखने से निसंतान को संतान की प्राप्ति होती है। स्कंद षष्ठी व्रत की कथा के अनुसार, च्यवन ऋषि के आंखों की रोशनी चली गई थी, तो उन्होंने स्कंद कुमार की पूजा की थी। व्रत के पुण्य प्रभाव से उनके आंखों की रोशनी वापस आ गई।

स्कंद षष्ठी के दिन ऐसे करें पूजा, मिलेगा लाभ

स्कंद षष्ठी की पूजा शुरू करने से पहले भगवान कार्तिकेय के साथ भगवान शिव और माता पार्वती की प्रतिमा को साफ चौकी पर स्थापित करें। उस पर घी, दही, जल और पुष्प से अर्घ्य प्रदान कर कलावा, अक्षत, हल्दी, चंदन, इत्र का अर्पण करें। पूजा के दौरान कार्तिकेय मंत्र- देव सेनापते स्कंद कार्तिकेय भवोद्भव, कुमार गुह गांगेय शक्तिहस्त नमोस्तु ते, का जाप करें। शाम के समय पूजा के उपरांत भजन और कीर्तन करें। साथ ही, स्कंद षष्ठी पर भगवान शिव और माता पार्वती की भी पूजा की जाती है। कार्तिकेय की स्थापना कर अखंड दीपक जलाए जाते हैं। विशेष कार्य की सिद्धि के लिए इस समय की गई पूजा-अर्चना विशेष फलदायी होती है।

स्कंद षष्ठी से जुड़ी पौराणिक कथा

राजा दक्ष के यज्ञ में भगवान शिव की पत्नी सती ने अपनी जान दे दी थी। वह यज्ञ में कूदकर भस्म हो गई थीं। इस दुख से शिव जी तपस्या में लीन हो गए लेकिन उनके लीन होने से सृष्टि शक्तिहीन होने लगी। इस परिस्थिति का फायदा उठाते हुए तारकासुर ने देव लोक में आतंक मचा दिया और देवताओं को पराजित कर चारों तरफ भय का वातावरण बना दिया। तब सभी देवता मिलकर ब्रह्माजी के पास गए और उनसे हल पूछा। ब्रह्माजी ने कहा कि शिव पुत्र के द्वारा ही तारकासुर का अंत होगा।

स्कंद षष्ठी व्रत से कष्टों से मिलती है मुक्ति

शास्त्रों के अनुसार स्कंद षष्ठी का व्रत करने वाले को लोभ, मोह, क्रोध और अहंकार से मुक्ति मिल जाती है। साथ ही धन, यश और वैभव में वृद्धि होती है। व्यक्ति सभी शारीरिक कष्टों और रोगों से छुटकारा पाता है। पंडितों का मानना है कि स्कंद षष्ठी का व्रत रखने से निसंतान को संतान की प्राप्ति होती है। यह व्रत संतान सुख शांति के लिए रखा जाता है। इस व्रत को रखने से बच्चों को सुख व लंबी आयु की प्राप्ति होती है।

झीलों की उपेक्षा के कारण ही देश में गहराता जा रहा है जल संकट

ललित गर्ग

पानी का इस्तेमाल करते हुए हम पानी की बचत के बारे में जरा भी नहीं सोचते, जिसके परिणामस्वरूप अधिकांश झीलों एवं नदियों में जल संकट की स्थिति पैदा हो चुकी है। तापमान में जैसे-जैसे वृद्धि हो रही है, भारत के कई हिस्सों में पानी की समस्या विकराल रूप धारण कर रही है। दुनिया की झीलों पर मंडरा रहे खतरों पर किये गये एक ताजा शोध एवं अनुसंधान में कहा गया है कि दुनिया की आधे से अधिक सबसे बड़ी झीलों और जलाशयों में पानी लगातार घट रहा है और वे सूखने की कगार पर हैं। इसके कारण धरती के कई हिस्सों में इंसानों की भविष्य की जल सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। झीलों और बड़े जलाशयों के सूखने का सबसे बड़ा कारण जलवायु परिवर्तन, बढ़ती गर्मी और बढ़ती पानी की खपत को माना जा रहा है। ऐसे समय में जब पेयजल का गंभीर संकट महसूस किया जा रहा है और पानी के प्राकृतिक स्त्रोतों के संरक्षण पर जोर दिया जा रहा है, यह इस शोध से हुआ नया खुलासा और चिंता पैदा करता है। व्यवस्थित रूप से इस संकट का अध्ययन करने के लिए एक टीम में अमेरिका, फ्रांस और सऊदी अरब के वैज्ञानिक शामिल थे। इन लोगों ने 1992 से 2020 तक की सेटेलाइट तस्वीरों का उपयोग करते हुए पृथ्वी की सबसे बड़ी 1,972 झीलों और जलाशयों को देखा। उन्होंने बड़े पैमाने पर उपग्रहों की बेहतर सटीकता के साथ-साथ इंसानों और वाइल्ड लाइफ के लिए महत्व होने के कारण बड़े मीठे पानी की झीलों पर अपना ध्यान केंद्रित किया।

इस अध्ययन में यह देखने की कोशिश की गई झीलों में पानी की मात्रा में लगभग 30 साल में कैसे और कितना अंतर आया है। नतीजों में पाया गया कि 53 फीसदी झीलों और जलाशयों में पानी की मात्रा में लगभग 22 गीगाटन सालाना की दर से गिरावट देखी गई। इस तरह सरकारों और जल संचय के लिए काम करने वाले सामाजिक संगठनों के लिए यह चेतावनी की घंटी है। झीलें एक प्रकार की प्राकृतिक जलाशय है, जिनके पानी का उपयोग पेयजल और उद्योगों आदि के काम में किया जाता है। जिस तरह नदियों का जलस्तर घटते जाने की वजह से दुनिया के अनेक शहरों में पेयजल का गहरा संकट पैदा हो गया है, उसी तरह झीलें अगर सिकुड़ती गईं, तो यह संकट और गंभीर होता जाएगा। नदियों एवं झीलों में गिरते जल स्तर से आज पूरी दुनिया जल-संकट के साए में खड़ी है। अनियोजित औद्योगीकरण, बढ़ता प्रदूषण, घटते रेगिस्तान एवं ग्लेशियर, नदियों के जलस्तर में गिरावट, पर्यावरण विनाश, प्रकृति के शोषण और इनके दुरुपयोग के प्रति असंवेदनशीलता पूरे विश्व को एक बड़े जल संकट की ओर ले जा रही है। पैकेट और बोतल बन्द पानी आज विकास के प्रतीकचिह्न बनते जा रहे हैं और अपने संसाधनों के प्रति हमारी लापरवाही अपनी मूलभूत आवश्यकता को बाजारवाद के हवाले कर देने की राह आसान कर रही है। विशेषज्ञों ने जल को उन प्रमुख संसाधनों में शामिल किया है, जिन्हें भविष्य में प्रबंधित करना सबसे चुनौतीपूर्ण कार्य होगा। सदियों से निर्मल जल का स्त्रोत बनी रहीं नदियाँ एवं झीलें पर्यटन को प्रोत्साहन देने से प्रदूषित हो रही हैं, जल संचयन तंत्र बिगड़ रहा है और जल स्तर लगातार घट रहा है। आज विश्व के सभी देशों में झीलों से मिलने वाले स्वच्छ एवं सुरक्षित जल की उपलब्धता सुनिश्चित करवाना जरूरी है साथ ही जल संरक्षण के महत्व पर भी ध्यान केंद्रित करना है। आप सोच सकते हैं कि एक मनुष्य अपने जीवन काल में कितने पानी का उपयोग करता है, किंतु क्या वह इतने पानी को बचाने का प्रयास करता है?

झीलों, नदियों, जलाशयों और अन्य प्राकृतिक जलस्त्रोतों के सूखते जाने को लेकर लगातार अध्ययन होते रहे हैं, उनके आंकड़ों से वजहें भी स्पष्ट हैं। मगर उनके संरक्षण को लेकर जिन व्यावहारिक उपायों की अपेक्षा की जाती है, उन पर अमल नहीं हो पाता। झीलों का स्त्रोत आमतौर पर पहाड़ों से आने वाला पानी होता है। वह बर्फ के पिघलने या फिर वर्षाजल के रूप में संचित होता है। मगर जलवायु परिवर्तन की वजह से जिस तरह दुनिया भर में गर्मी बढ़ रही है, उसमें कई जगह पहाड़ों पर पहले की तरह बर्फ नहीं जमती और न पर्याप्त वर्षा होती है। फिर उनसे जो पानी पैदा होता है, उसका अनुपात बिगड़ चुका है। बरसात की अवधि कम और बारिश की मात्रा कम या अधिक होने से झीलों में पर्याप्त पानी जमा नहीं हो पाता। जल के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। मानव एवं जीव-जन्तुओं के अलावा जल कृषि के सभी

रूपों और अधिकांश औद्योगिक उत्पादन प्रक्रियाओं के लिये भी बेहद आवश्यक है। परंतु धरती के क्षेत्रफल का लगभग 70 प्रतिशत भाग जल से भरा हुआ है। परंतु, पीने योग्य जल मात्र तीन प्रतिशत है, इसमें से भी मात्र एक प्रतिशत मीठे जल का ही वास्तव में हम उपयोग कर पाते हैं। जिनमें झीलों एवं नदियां ही मुख्य जलस्रोत है। लेकिन, मानव अपने पर्यटन, स्वास्थ्य, सुविधा, दिखावा व विलासिता में अमूल्य जल की बर्बादी करने से नहीं चूकता।

पानी का इस्तेमाल करते हुए हम पानी की बचत के बारे में जरा भी नहीं सोचते, जिसके परिणामस्वरूप अधिकांश झीलों एवं नदियों में जल संकट की स्थिति पैदा हो चुकी है। तापमान में जैसे-जैसे वृद्धि हो रही है, भारत के कई हिस्सों में पानी की समस्या विकराल रूप धारण कर रही है। प्रतिवर्ष यह समस्या पहले के मुकाबले और बढ़ती जा रही है। इसका मुख्य कारण पहाड़ों पर लगातार बढ़ रहा पर्यटन और औद्योगिक वाणिज्यिक गतिविधियां हैं। पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने का एक बड़ा नुकसान यह भी हुआ है कि झीलों में व्यावसायिक गतिविधियां बढ़ी हैं, जिसके चलते उनमें कचरा जमा होता गया है। उनकी नियमित गाद निकालने की व्यवस्था न होने से वे उथली होती गई हैं। कई झीलों का पाट सिकुड़ता गया है। देश की प्रमुख झीलों जिनमें कश्मीर की डल झील हो या पुष्कर सरोवर या उदयपुर की झीलें- यह सरकारों की उपेक्षा का नतीजा तो है ही, सामाजिक संगठनों की उदासीनता का भी पता देता है। पहले सामुदायिक जल स्त्रोतों की सुरक्षा सुनिश्चित होती थी, मगर अब वह परंपरा लगभग समाप्त हो गई है। झीलों की सेहत सुधारनी है, तो यह उदासीनता और उपेक्षा का भाव त्यागना होगा, एक सुनियोजित समझ एवं सोच झीलों के जलस्त्रोत एवं संरक्षण के लिये विकसित करनी होगी।भारत में झीलों के जल का मुख्य जलस्त्रोत पहाड़ों से आने वाले बर्फ के पिघलने एवं झरनों से आने वाला जल है। हमारे यहां उत्तराखण्ड के पहाड़ उसके बड़े उदाहरण हैं। लेकिन वहां बड़े पैमाने पर शुरू हुई विकास परियोजनाओं की वजह से न सिर्फ पहाड़ों के धंसने और स्खलित होने की घटनाएं बढ़ी हैं, बल्कि अनेक प्राकृतिक जल स्त्रोतों पर संकट मंडराने लगा है। वहां की नदियों और पहाड़ी झरनों का मार्ग अवरुद्ध होने से झीलों तक पहुंचने वाले जल काफी कम हो गया है। बहुत सारी झीलों के पानी का अतार्किक दोहन बढ़ा है। उनका बड़े पैमाने पर औद्योगिक इकाइयों के लिए इस्तेमाल होने लगा है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक जल उपयोग पिछले 100 वर्षों में छह गुणा बढ़ गया है, और बढ़ती आबादी, आर्थिक विकास तथा खपत के तरीकों में बदलाव के कारण यह प्रतिवर्ष लगभग एक प्रतिशत की दर से लगातार बढ़ रहा है। पानी की अनियमित और अनिश्चित आपूर्ति के साथ-साथ, जलवायु परिवर्तन से वर्तमान में पानी की कमी वाले इलाकों की स्थिति विकराल रूप ले चुकी है। ऐसी स्थिति में, जल- संरक्षण एकमात्र उपाय है। जल संरक्षण का अर्थ पानी की बर्बादी और उसे प्रदूषित होने से रोकना है। क्योंकि जल है तो कल है। इनमें झीलों के जल को संरक्षित करना एवं उनके प्राकृति स्त्रोत पर ध्यान देना जरूरी है। रिसर्च के मुताबिक दक्षिण भारत सहित दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में हाल में आई सूखे की घटनाओं ने भी झीलों एवं जलाशयों के भंडारण में हो रही गिरावट में योगदान दिया है। शोधकर्ताओं के मुताबिक दुनिया की करीब एक चौथाई आबादी यानी 200 करोड़ लोग ऐसे बेसिनों में रह रहे हैं जहां झीलें सिकुड़ रही हैं। ऐसे में इंसानी खपत, जलवायु परिवर्तन और उनमें जमा होती गाद जैसे मुद्दों पर तत्काल ध्यान देने की जरूरत है।

30 मई को मनाया जायेगा गंगा दशहरा, मां गंगा के पूजन से मिलती है सुख समृद्धि

डा. अनीष व्यास

ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि गंगा दशहरे के दिन श्रद्धालु जन जिस भी वस्तु का दान करें उनकी संख्या दस होनी चाहिए और जिस वस्तु से भी पूजन करें उनकी संख्या भी दस ही होनी चाहिए। ?सा करने से शुभ फलों में और अधिक वृद्धि होती है।

हर साल ज्येष्ठ माह में शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को मां गंगा की पूजा-अर्चना की जाती है। इस तिथि को गंगा दशहरा को गंगावतरण भी कहा जाता है। इस बार गंगा दशहरा 30 मई को मनाया जाएगा। ऐसी मान्यता है कि इस दिन गंगा स्नान करने से सारे पाप धुल जाते हैं। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इसी दिन मां गंगा का पृथ्वी पर अवतरण हुआ था। भागीरथ अपने पूर्वजों की आत्मा का उद्धार करने के लिए गंगा को पृथ्वी पर लेकर आए थे। इसी कारण गंगा को भागीरथी भी कहा जाता है। हिंदू धर्म में गंगा को मां का दर्जा दिया गया है। गंगाजल बहुत ही पवित्र और पूजनीय माना जाता है। किसी भी शुभ कार्य और पूजा अनुष्ठान में गंगाजल का प्रयोग जरूर किया जाता है। गंगा भवतारिणी हैं, इसलिए हिंदू धर्म में गंगा दशहरा का विशेष महत्व माना जाता है। इसलिए इस दिन गंगा घाट पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिलती है। इस दिन गंगा के घाट पर भव्य गंगा आरती भी होती है। इसी दिन साल का आखिरी बड़ा मंगल भी रहेगा। ऐसे में साधक पर मां गंगा और हनुमान जी की कृपा बरसेगी।

ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि गंगा दशहरे के दिन श्रद्धालु जन जिस भी वस्तु का दान करें उनकी संख्या दस होनी चाहिए और जिस वस्तु से भी पूजन करें उनकी संख्या भी दस ही होनी चाहिए। ?सा करने से शुभ फलों में और अधिक वृद्धि होती है। गंगा दशहरे का फल ज्येष्ठ शुक्ल दशमी के दिन गंगा स्नान करने से व्यक्ति के दस प्रकार के पापों का नाश होता है। इन दस पापों में तीन पाप कायिक, चार पाप वाचिक और तीन पाप मानसिक होते हैं7 इन सभी से व्यक्ति को मुक्ति मिलती है।

गंगा दशहरा तिथि

ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि पंचांग में बताया गया है कि ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि की शुरुआत 29 मई को सुबह 11:49 मिनट पर होगी और इसका समापन 30 मई को दोपहर 01:07 मिनट पर हो जाएगा। उदया तिथि के अनुसार गंगा दशहरा पर्व मंगलवार 30 मई 2023 को मनाया जाएगा।

शुभ योग

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक अनीष व्यास ने बताया कि वैदिक पंचांग के अनुसार, गंगा दशहरा के दिन अत्यंत लाभकारी संयोग का निर्माण हो रहा है। इस दिन हस्त नक्षत्र, रवि योग और सिद्धि योग का निर्माण होगा। बता दें कि हस्त नक्षत्र पूर्ण रात्रि तक रहेगी, रवि योग पूरे दिन रहेगा और हस्त नक्षत्र पूर्ण रात्रि तक रहेगी। गंगा दशहरा के दिन ज्येष्ठ मास का दूसरा बड़ा मंगल भी है। ऐसे में इस शुभ अवसर पर मां गंगा और हनुमान जी की उपासना करने से व्यक्ति को विशेष लाभ होगा। माना जाता है इस अद्भुत संयोग में पूजा करने से साधक को धन, समृद्धि और ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है।

कुण्डली विश्लेषक अनीष व्यास ने बताया कि गंगा दशहरा के दिन स्नान-दान का विशेष महत्व है। मनात्याओं के अनुसार, गंगा दशहरा के दिन गंगा नदी में स्नान करने से जीवन में आ रही समस्याएं दूर हो जाती हैं। इस विशेष दिन 10 चीजों के दान को बहुत ही महत्वपूर्ण माना जा रहा है। बता दें कि गंगा दशहरा के दिन- जल, अन्न, वस्त्र, फल, पूजन, श्रृंगार, घी, नमक, शक्कर और स्वर्ण का दान करना भू ही शुभ और फलदाई माना जाता है।

महत्व

भविष्यवक्ता अनीष व्यास ने बताया कि हिंदू धर्म में गंगा दशहरा को बेहद खास महत्व दिया गया है। धार्मिक मान्यता है कि ज्येष्ठ शुक्ल दशमी तिथि को मां गंगा का आगमन हुआ था। यानी इसी दिन मां गंगा स्वर्ग के धरती पर आई थीं। माना जाता है कि गंगा दशहरा के दिन गंगा स्नान करने से सभी पाप धुल जाते हैं। इसके अलावा इस दिन दान का भी विशेष महत्व है। गंगा दशहरा पर मां गंगा के साथ देवी नारायण, शिव, ब्रह्मा, सूर्य, राजा भगीरथ और हिमालय पर्वत का भी पूजन करने की परंपरा है। मान्यता है जो गंगा दशहरा पर गंगाजल या गंगा नदी में स्नान और दान करता है उसके कई तरह के पाप खत्म हो जाते हैं।

आर्थिक तरक्की के लिए

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक अनीष व्यास ने बताया कि यदि किसी भी कारण घर की आर्थिक तरक्की रुक गई है तो गंगा दशहरा के दिन आप गंगाजल को चांदी के पात्र में भरें और उसे अपने घर की उत्तर पूर्व दिशा में रख दें। इससे आपकी समस्या का जल्द ही दूर हो जाएगी। इसके अलावा गंगाजल को हमेशा अपने पूजा स्थल और किचन के उत्तर-पूर्व में रखें, धीरे-धीरे आपको आर्थिक लाभ के साथ तरक्की और सफलता मिलने लगेगी।

घर में गंगाजल का छिड़काव

कुण्डली विश्लेषक अनीष व्यास ने बताया कि यदि आपके घर में वास्तु दोष है तो आप घर में गंगाजल का छिड़काव करें। नित्य ऐसा करने से वास्तुदोष का प्रभाव खत्म होगा और घर में सकारात्मक ऊर्जा स्तर का बढ़ेगा, जिससे आपके कष्ट धीरे-धीरे दूर हो जाएंगे।

ग्रह शांति के लिए

भविष्यवक्ता अनीष व्यास ने बताया कि गंगा दशहरा से शुरू करके रोजाना शिवलिंग पर गंगाजल से अभिषेक करें। ऐसा करने से भोलेनाथ जल्द ही प्रसन्न होंगे और कुंडली में ग्रहों की स्थिति मजबूत होगी और जीवन से सभी विकार नष्ट हो जाएंगे।

शनि दोष से बचने के लिए

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक अनीष व्यास ने बताया कि हर शनिवार एक लोटे में साफ जल भरें और उसमें थोड़ा सा गंगाजल डाल लें। फिर इस जल को पीपल के पेड़ में चढ़ाएं ऐसा करने से शनि के अशुभ प्रभाव से मुक्ति मिलती है।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रवादी कांग्रेस का सीएम केजरीवाल को पूरा समर्थन, पवार की घोषणा, केंद्र पर साधा निशाना

मुंबई, (ईएमएस)। केंद्र सरकार दिल्ली सरकार के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलटने का आदेश लेकर आई है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इस अध्यादेश का पुरजोर विरोध किया है और वह इसके खिलाफ देश भर के सभी पार्टी नेताओं से मिल रहे हैं. इसलिए उन्होंने मुंबई आकर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के अध्यक्ष शरद पवार से मुलाकात की। इस दौरान पवार ने सीएम केजरीवाल को समर्थन देने की घोषणा की। उन्होंने केंद्र की तीखी आलोचना भी की। पवार ने कहा कि देश में एक लोकतंत्र है, चुनी हुई सरकार शासन करे या इस चुनी हुई सरकार की उपेक्षा करे, यह समस्या पूरे देश के सामने है। मुझे लगता है कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप अभी किस पार्टी से हैं। यह लोकतंत्र को बचाने का समय है। संसदीय लोकतंत्र को बचाना है। शरद पवार ने यह भी कहा कि हमारी सरकार बनाने के लिए आम लोगों के अधिकार का मतलब है कि हमें आम लोगों के वोट के अधिकार को बचाने की जरूरत है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल हमारा समर्थन लेने आए हैं। मेरी पार्टी, सांसदों और महाराष्ट्र की जनता की ओर से हम केजरीवाल का पूरा समर्थन करेंगे। बता दें कि इससे पहले सीएम केजरीवाल ने महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से भी मुलाकात की थी.

प्री नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के कारण पश्चिम रेलवे की कुछ ट्रेनें होंगी प्रभावित

अहमदाबाद (ईएमएस)- पूर्व मध्य रेल के समस्तीपुर मंडल के भैरोगंज-खरपोखरा स्टेशनों पर चल रहे दोहरीकरण कार्य के संबंध में प्री नॉन-इंटरलॉकिंग और नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के कारण पश्चिम रेलवे की कुछ ट्रेनों को डायवर्ट किया जाएगा7 पश्चिम रेलवे के जनसंपर्क विभाग द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इन ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है-

डायवर्ट होने वाली ट्रेनें-

1. 26 मई, 2023 की ट्रेन संख्या 09451 गांधीधाम-भागलपुर स्पेशल को गोरखपुर-छपरा-मुजफ्फरपुर के रास्ते डायवर्ट किया जाएगा
2. 29 मई, 2023 की ट्रेन संख्या 09452 भागलपुर-गांधीधाम स्पेशल को मुजफ्फरपुर-छपरा-गोरखपुर के रास्ते डायवर्ट किया जाएगा
3. 28 मई, 2023 की ट्रेन संख्या 19037 बांद्रा टर्मिनस-बरौनी अवध एक्सप्रेस को गोरखपुर-छपरा-मुजफ्फरपुर के रास्ते डायवर्ट किया जाएगा
4. 30 मई, 2023 की ट्रेन संख्या 19038 बरौनी-बांद्रा टर्मिनस अवध एक्सप्रेस को मुजफ्फरपुर-छपरा-गोरखपुर के रास्ते डायवर्ट किया जाएगा
5. 26 मई, 2023 की ट्रेन संख्या 19269 पोरबंदर-मुजफ्फरपुर एक्सप्रेस को गोरखपुर-छपरा-मुजफ्फरपुर के रास्ते डायवर्ट किया जाएगा
6. 28 और 29 मई, 2023 की ट्रेन संख्या 19270 मुजफ्फरपुर-पोरबंदर एक्सप्रेस को मुजफ्फरपुर-छपरा-गोरखपुर के रास्ते डायवर्ट किया जाएगा
7. 29 मई, 2023 की ट्रेन संख्या 09421 अहमदाबाद-दरभंगा स्पेशल को गोरखपुर-छपरा-मुजफ्फरपुर-सीतामढ़ी-दरभंगा के रास्ते डायवर्ट किया जाएगा

मोदी सरकार को मिला बहनजी का साथ, नए संसद भवन के उद्घाटन को लेकर विपक्ष का बहिष्कार अनुचित

लखनऊ (ईएमएस) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 मई को नए संसद भवन का उद्घाटन करने वाले हैं। हालांकि, 19 विपक्षी दलों ने कार्यक्रम का बहिष्कार करने का ऐलान किया है। इन दलों की मांग है कि पीएम मोदी की जगह राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इस भवन का उद्घाटन करें। इस विरोध के बीच मोदी सरकार को बसपा प्रमुख मायावती का साथ मिला है। इस लेकर मायावती ने ट्वीट भी किए हैं। मायावती ने कहा कि केन्द्र में पहले चाहे कांग्रेस पार्टी की सरकार रही हो या अब वर्तमान में बीजेपी की, बीएसपी ने देश व जनहित निहित मुद्दों पर हमेशा दलगत राजनीति से ऊपर उठकर उनका समर्थन किया है तथा 28 मई को संसद के नए भवन के उद्घाटन को भी पार्टी इसी संदर्भ में देखकर इसका स्वागत करती है। बसपा सुप्रीमो ने कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी द्वारा नए संसद का उद्घाटन नहीं करने को लेकर बहिष्कार अनुचित है। मोदी सरकार ने नए संसद भवन को बनाया है, इसलिए उसके उद्घाटन का हक है। इस आदिवासी महिला सम्मान से जोड़ना भी अनुचित है। बहनजी ने विपक्षी दलों पर निशाना साधकर कहा कि यह उन्हें निर्विरोध न चुनकर उनके विरुद्ध उम्मीदवार खड़ा करते वक्त सोचना चाहिए था। उन्होंने कहा कि देश को समर्पित होने वाले कार्यक्रम अर्थात नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह का निमंत्रण मुझे प्राप्त हुआ है, जिसके लिए आभार और मेरी शुभकामनाएं। किन्तु पार्टी की लगातार जारी समीक्षा बैठकों संबंधी अपनी पूर्व निर्धारित व्यस्तता के कारण मैं उस समारोह में शामिल नहीं हो पाऊंगी।

दिवालिया होने की कगार पर पहुंचा अमेरिका, अडानी के नेटवर्थ से भी कम पैसा बचा

नई दिल्ली (ईएमएस)। इन दिनों दुनियाभर में यूएस के दिवालिया के बारे में बात हो रही है। क्या अमेरिका किसी बड़े संकट में फंस गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और रिपब्लिकन हाउस के स्पीकर केविन मैक्कार्थी ने देश की ऋण सीमा को बढ़ाने पर चर्चा करने के लिए हाल ही में एक बैठक की है। ये बैठक इस बात को लेकर की गई है कि अमेरिकी संघीय सरकार अपने खातों का भुगतान करने के लिए कितना उधार ले सकती है। हालांकि दोनों की बातचीत के बाद अभी तक कोई समझौता नहीं बन पाया है। ऋण सीमा बढ़ाने की संभावित समय सीमा से ठीक 10 दिन पहले ये डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति और रिपब्लिकन स्पीकर के लिए यह एक महत्वपूर्ण क्षण है। अमेरिका में डेब्थ सीलिंग का संकट लगातार गहराता जा रहा है। अगर जल्दी समाधान नहीं निकला, तब देश अपने इतिहास में पहली बार डिफॉल्टर बन सकता है। देश के पास केवल 57 अरब डॉलर का कैश रह गया है जो भारतीय कारोबारी गौतम अडानी की नेटवर्थ से भी कम है। ब्लूमबर्ग की बिलेनियर इंडेक्स के अनुसार अडानी की नेटवर्थ 64.2 अरब डॉलर है। अमेरिका को रोजाना 1.3 अरब डॉलर इंटरेस्ट के रूप में देने पड़ रहे हैं। गोल्डमैन सैश ने अनुमान जताया है कि अमेरिका अगर अपने कर्ज संकट को खत्म नहीं करता है, तब आने वाले तीन हफ्तों में कैश खत्म हो जाएगा। इंवेस्टमेंट बैंक का कहना है कि 8 या 9 जून तक ट्रेजरी डिपार्टमेंट के पास कैश गिरकर 30 बिलियन डॉलर रह जाएगा। दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की जरूरतों को पूरा करने के लिए ये कैश बहुत कम है।

गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई दिल्ली की मंडोली जेल में शिफ्ट

नई दिल्ली (ईएमएस)। कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई को गुरुवार तड़के साबरमती जेल से दिल्ली की मंडोली जेल में शिफ्ट किया गया। एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। एक वरिष्ठ जेल अधिकारी ने कहा कि बिश्नोई को मंडोली जेल में बंद करने का फैसला सुरक्षा कारणों से लिया गया है। 2 मई को 33 वर्षीय गैंगस्टर टिल्लू ताजपुरिया को तिहाड़ जेल में हमलावरों ने 90 से अधिक बार चाकू मारकर उनकी हत्या कर दी थी। गुजरात आतंकवाद-रोधी दस्ते (एटीएस) ने हाल ही में बिश्नोई को सीमा पार ड्रग्स की तस्करी से जुड़े एक मामले में हिरासत में लिया था। पिछले साल सितंबर में गुजरात के तट से दूर अरब सागर में एक पाकिस्तानी मछली पकड़ने वाली नाव से 40 किलो हेरोइन जब्त की गई थी। जिसकी कीमत 200 करोड़ रुपये से अधिक थी। एटीएस का उद्देश्य गैंगस्टर से हेरोइन की जब्ती के संबंध में उसके संभावित कनेक्शन के बारे में पूछताछ करना था।

बारूदी सुरंग में विस्फोट होने से एक ग्रामीण की मौत

रांची (ईएमएस)। झारखंड में नक्सलियों द्वारा बिछाई गई बारूदी सुरंग में ?विस्फोट होने से एक ग्रामीण की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार झारखंड के चाईबासा जिले के जंगलवर्ती इलाकों में जमीन के नीचे कदम-कदम पर नक्सलियों ने बारूदी सुरंग ?बिछा रखी थी। जिले के टोंटो थाना क्षेत्र के लुईया जंगल में बुधवार को बारूदी विस्फोट ने एक और व्यक्ति की जान चली गई। पिछले पांच महीने में बारूदी सुरंग विस्फोट में यह नौवीं मौत है। टोंटे में हुए विस्फोट में जिस व्यक्ति की मौत हुई है, उसकी पहचान 50 वर्षीय काण्डे लागुरी के रूप में हुई है। पुलिस ने आज मौके पर पहुंचकर उसका शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार लुईया गांव निवासी काण्डे लागुरी पास के जंगल में पत्ता तोड़ने गया था। उसी दौरान उसका पांव जमीन के नीचे प्रेशर बम पर पड़ा। जोरदार धमाका हुआ और उसके चिथड़े हो गए। ग्रामीणों ने इस घटना की जानकारी गुरुवार सुबह पुलिस को दी। पिछली 18 मई को भी इसी थाना क्षेत्र के ग्राम रेंगड़ाहातु स्थित जंगल के पास एक प्रेशर आईईडी विस्फोट में 14 साल के बच्चे की मौत हो गई थी।

सनातन के लिए आज नहीं जागे तो आनेवाले पीढ़ियों में रामकथा नहीं होगी -बाबा बागेश्वर

अहमदाबाद (ईएमएस)। दक्षिण गुजरात के सूरत में कल से बाबा बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री का दो दिवसीय दिव्य दरबार लगेगा, उससे पहले धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री आज अहमदाबाद पहुंच गए और वटवा में कथाकार देवकीनंदन के कार्यक्रम में शामिल हुए। जहां धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि सनातन धर्म के लिए आज अगर नहीं जागे तो आनेवाली पीढ़ियों में रामकथा नहीं होगी, वह कायर और डरपोक ही होंगे जो सनातन के लिए नहीं जागेंगे, इससे पहले धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री के अहमदाबाद एयरपोर्ट पहुंचने पर उनका भव्य स्वागत किया गया, जिसके बाद धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने अहमदाबाद के अमराईवाडी क्षेत्र में रहनेवाले कांग्रेस नेता अरविंद चौहाण के यहां भोजन किया। दोपहर 3 बजे धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री वटवा में चल रहे महाराज देवकीनंदन के शिवपुराण कार्यक्रम में पहुंचे शिवपुराण कथा में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि अहमदाबाद सुंदर शहर है, प्रत्येक सनातनी रहता है। भक्ति के प्रदेश गुजरात की धरती को बार बार प्रणाम करता हूं। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म के लिए जगने का समय आ गया है। वह लोग डरपोक और कायर होंगे जो अब भी सनातन धर्म की रक्षा के लिए नहीं जागेंगे, भक्ति के प्रदेश गुजरात में जहां सनातन धर्म की धारा बह रही है वहां सनातन को लेकर आगे बढ़ूंगा। उन्होंने कहा कि हनुमान जी भगवान शंकर का ही स्वरूप हैं शंकर भगवान के हृदय में हनुमान जी का वास है और उनकी पूंछ पार्वती का रूप है। धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने गुजरातियों को लेकर कहा कि गुजरात के लोग खतरनाक हैं और उसमें अहमदाबाद के7 गुजरात के लोगों को खामोश कराना उतना ही मुश्किल है जितना उनका दिल जीतना। उन्होंने कहा कि हमारा सकंल्प भारत को हिन्दू राष्ट्र बनाना है और उसमें आप सभी का योगदान होगा। भगवान श्री राम को अयोध्या में बिराजमान कर दिया है, अब बारी है भगवान कृष्ण को बिराजमान करने की, ऐसे में सभी सनातनियों को एकजुट होना पड़ेगा। मैं किसी से डरता नहीं हूं, क्योंकि सीताराम और हनुमान जी जिनके साथ हों उन्हें डर किस बात का? धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने भारत को हिन्दू राष्ट्र बनाने के लिए आह्वान करते हुए कहा कि सनातन विरोधियों की ठठरी बारेंग। अगर अब भी नहीं जागे तो आनेवाली पीढियों में रामकथा नहीं होगी।

व्यस्त शैक्षणिक वर्ष के बाद छात्रों को एक ब्रेक की जरूरत

कोच्चि (ईएमएस)। केरल हाईकोर्ट ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के तहत स्कूलों को 14 साल से ज्यादा उम्र के बच्चों के लिए वेकेशन क्लासेस संचालित करने की अनुमति देने वाले अंतरिम आदेश को बढ़ाने से मना कर दिया।

कोर्ट ने कहा, एक व्यस्त शैक्षणिक वर्ष के बाद छात्रों को एक ब्रेक की जरूरत होती है, इसकारण छात्रों को गर्मी की छुट्टी दी जाती है। छात्रों को छुट्टियों का आनंद लेना चाहिए और अगले शैक्षणिक वर्ष के लिए तैयार करना चाहिए। कोर्ट ने कहा छुटिटयां छात्रों को पढ़ाई पर फोकस करने में मदद करता है। कोर्ट के आदेश में कहा गया कि बच्चों को अपने परिवार और दोस्तों के साथ खाली समय का आनंद लेने की जरूरत है, खासकर जब एक व्यस्त शैक्षणिक वर्ष उनका इंतजार कर रहा हो। छात्रों को अपने परिजनों के साथ समय बिताने और मानसिक आराम के लिए समर वेकेशन जरुरी है। केवल स्कूली किताबों पर ध्यान देना ही बच्चों के लिए पर्याप्त नहीं है। उन्हें गाने दें, उन्हें नाचने दें, उन्हें उनका पसंदीदा खाना खाने दें, उन्हें उनके पसंदीदा टीवी प्रोग्राम का आनंद लेने दें, उन्हें क्रिकेट, फुटबॉल या पसंदीदा खेल खेलने दें और उन्हें अपने रिश्तेदारों के साथ यात्राओं का आनंद लेने दें। न्यायाधीश न्यायमूर्ति पी.वी. कुन्हीकृष्णन ने कहा, एक व्यस्त शैक्षणिक वर्ष आ रहा है। उसके पहले छात्र समुदाय के लिए एक ब्रेक जरूरी है। 10वीं क्लास और उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्रों को निश्चित रूप से अपने जीवन में अपने निर्णायक शैक्षणिक वर्ष में प्रवेश करने से पहले एक ब्रेक की जरूरत होती है।

टैक्सास में लोग पिछले साल हुई गोलीबारी में मारे गये बच्चों की याद में उनके स्मारक पर पहुंचे लोग।

ममता सरकार पट्टे पर ली गई निहित भूमि के स्वामित्व के हस्तांतरण की प्रक्रिया आसान करेगी

कोलकाता (ईएमएस)। पश्चिम बंगाल की ममता सरकार ने किसी व्यक्ति या संस्था द्वारा पट्टे पर ली गई निहित भूमि के स्वामित्व के हस्तांतरण की प्रक्रिया को आसान बनाने का फैसला किया है। सूत्रों ने कहा कि बदली हुई व्यवस्था के तहत, कोई भी व्यक्ति या संस्था जिसने किसी भी निहित भूमि को लंबी अवधि के पट्टे पर लिया है, वह राज्य सरकार को उसी भूमि के बाजार मूल्य का 15 प्रतिशत भुगतान करने के बाद भूमि का स्वामित्व प्राप्त करने में सक्षम होगी। यह फैसला हाल ही में राज्य कैबिनेट ने लिया था। हालांकि, बदली हुई सुविधा केवल उन लोगों के लिए उपलब्ध होगी, जो पहले से ही राज्य में निहित भूमि के दीर्घकालिक पट्टे का आनंद ले रहे हैं।मौजूदा प्रणाली के तहत, कोई भी व्यक्ति या संस्था निहित भूमि के मौजूदा बाजार मूल्य के 95 प्रतिशत के बराबर शुल्क का भुगतान कर राज्य सरकार से लीज पर निहित भूमि ले सकती है। इसके अलावा पट्टों को मौजूदा बाजार दर के 0.4 प्रतिशत की दर से वार्षिक किराया देना होगा। राज्य के भूमि सुधार विभाग के वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, यह नई व्यवस्था राज्य सरकार के साथ-साथ पट्टे पर जमीन लेने वाले व्यक्ति या संस्थाओं दोनों के लिए फायदेमंद होगी। निहित भूमि का अधिकांश हिस्सा उस समय पट्टे पर लिया गया था जब उस भूमि का बाजार मूल्य वर्तमान बाजार की तुलना में बहुत कम था। माना कि इस पट्टे पर लेने वाले मौजूदा बाजार दर पर वार्षिक किराया मुफ्त दे रहे हैं, लेकिन राशि इतनी नगण्य है कि राज्य सरकार को भारी मात्रा में घाटा हो रहा है।

उन्होंने, नई प्रणाली में उस निहित भूमि के स्वामित्व का हस्तांतरण किया जाएगा, यदि संबंधित व्यक्तिगत संस्थागत संस्था भूमि के वर्तमान बाजार मूल्य का सिर्फ 15 प्रतिशत भुगतान करती है। एक तरफ, यह राज्य सरकार के खजाने में इजाफा करेगा। दूसरी ओर, पट्टे पर निहित भूमि का स्वामित्व प्राप्त होने के बाद, संबंधित स्वामियों को पट्टा नवीनीकरण या वार्षिक शुल्क की आवर्ती लागत वहन करने की परेशानी से राहत मिलेगी।

एनआईए की राडार पर उत्तरप्रदेश का बाहुबली नेता

तार लारेंस बिश्नोई और उसके गैंग से जुड़े मिले

नई दिल्ली (ईएमएस)। उत्तरप्रदेश के एक बाहुबली नेता का गैंगस्टर कनेक्शन सामने आया है। इसके बाद से जांच एजेंसियों की रडार पर यह बाहुबली नेता आ गया है। बताया जा रहा है कि अयोध्या के बाहुबली नेता विकास सिंह के तार लारेंस बिश्नोई और उसके गैंग से जुड़े मिले हैं। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के सामने गैंगस्टर बिश्नोई ने विकास सिंह का नाम लिया है।

बिश्नोई गैंग से जुड़े गैंगस्टरों के अलावा हरियाणा और पंजाब के गैंगस्टर को अयोध्या का बाहुबली नेता विकास पनाह देता है। कई जांच एजेंसियां विकास सिंह से पूछताछ कर चुकी हैं, लेकिन सवाल ये की आखिर अब तक विकास पर कोई एक्शन क्यों नहीं हुआ? तस्वीरें साल 2022 विधानसभा चुनाव के समय की हैं। बाहुबली नेता विकास के साथ सिद्धू मूसेवला मर्डर का मास्टरमाइंड और लारेंस बिश्नोई का भांजा सचिन बिश्नोई दिखाई दिख रहा है। सिद्धू की हत्या के बाद सचिन विदेश भाग गया था। साथ ही बाहुबली नेता विकास सिंह के साथ शूटर कपिल पंडित और बिश्नोई गैंग से जुड़े शूटर दिखाई दे रहे हैं।

बिश्नोई गैंग के शूटर हमेशा अपने चेहरे को ढक कर रखते थे। सबसे चौंकाने वाला खुलासा ये है कि मोहाली में इंटेलिजेंस बिल्डिंग पर आरपीजी अटैक करने वाला एक आरोपी देवांशु, विकास सिंह के यहां काम करता था और साए की तरह साथ रहता था, जबकि दूसरा आरोपी दीपक सुरखपुर भी विकास के यहां पनाह लेता था। सूत्रों के मुताबिक, विकास एक बाहुबली नेता के साथ मिलकर बिश्नोई गैंग के द्वारा उत्तर प्रदेश में एक बड़े माफिया को निपटाने की प्लानिंग कर रहा था लेकिन प्लान फेल हो गया था।

विकास सिंह, एनआईए के रडार पर है। अयोध्या के महाराजगंज के देवगढ़ के रहने वाले विकास सिंह पर 21 मुकदमे दर्ज हैं। सूर्य प्रताप सिंह उर्फ भूटानी सिंह का बेटा विकास सिंह हिस्ट्रीशीटर भी है। उस पर हत्या, आर्म्स एक्ट, गुंडा एक्ट, हत्या के प्रत्यास सहित कई गंभीर धाराओं में केस दर्ज हैं। विकास सिंह की गिनती बाहुबली नेता के रूप में होती है, जो यूपी के एक कद्दावर बाहुबली नेता का करीबी है।

केंद्र सरकार के अहंकार ने संसदीय प्रणाली को नष्ट कर दिया -खड़गे

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 28 मई को नए संसद भवन के उद्घाटन को लेकर जारी विवाद के बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि केंद्र सरकार के अहंकार ने संसदीय प्रणाली को नष्ट कर दिया है। प्रधानमंत्री मोदी को सीधे संबोधित कर खड़गे ने ट्वीट में कहा, मोदी जी, संसद, जनता द्वारा स्थापित लोकतंत्र का मंदिर है। 140 करोड़ भारतीय जानना चाहते हैं कि भारत के राष्ट्रपति से संसद भवन के उद्घाटन का हक छीनकर आप क्या जताना चाहते हैं? कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे की टिप्पणी कांग्रेस सहित 19 विपक्षी दलों द्वारा संयुक्त रूप से उद्घाटन का बहिष्कार करने की घोषणा के एक दिन बाद आई है। वहीं एनडीए ने विपक्षी दलों की आलोचना करते हुए कहा कि बहिष्कार का फैसला लोकतांत्रिक लोकाचार और हमारे महान राष्ट्र के संवैधानिक मूल्यों का घोर अपमान है। इस बीच, आंध्र प्रदेश की सत्तारूढ़ वाईएसआर कांग्रेस पार्टी और ओडिशा के बीजू जनता दल ने आयोजन में भाग लेने की घोषणा की है।

स्टालिन का केंद्रीय मंत्री शाह को पत्र, अमूल से कहे तमिलनाडू से दूध नहीं खरीदें

चेन्नई (ईएमएस)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के.स्टालिन ने गुरुवार को कहा कि कैरा जिला सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ यानि अमूल तमिलनाडु कोऑपरेटिव मिल्क प्रोड्यूसर्स फेडरेशन लिमिटेड या आविन के अधिकार क्षेत्र में प्रवेश करने की कोशिश कर रहा है। स्टालिन ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को लिखे पत्र में उनसे अमूल को आविन के मिल्क-शेड क्षेत्र से दूध नहीं खरीदने का निर्देश देने की अपील की है। स्टालिन ने अमूल द्वारा कृष्णगिरी जिले में चिलिंग सेंटर और एक प्रोसेसिंग प्लांट स्थापित करने और राज्य में कृष्णागिरी, धर्मपुरी, वेल्लोर, रानीपेट, तिरुपथुर, कांचीपुरम और तिरुवल्लूर और उसके आसपास दूध खरीदने की योजना का उल्लेख किया।स्टालिन ने कहा, भारत में यह एक परंपरा रही है कि सहकारी समितियों को एक-दूसरे के मिल्क-शेड क्षेत्र का उल्लंघन किए बिना फलने-फूलने दिया जाए। इस तरह की क्रॉस-प्रोक्योरमेंट ऑपरेशन व्हाइट फ्लड की भावना के खिलाफ है और मौजूदा दूध की कमी को देखते हुए उपभोक्ताओं के लिए समस्याएं बढ़ाएगी। आविन के मिल्कशेड क्षेत्र का अमूल उल्लंघन कर रहा है, जिसे दशकों से सच्ची सहकारी भावना से पोषित किया गया है। यहां तक कि राज्य में कई निजी डेयरी आविन के साथ प्रतिस्पर्धा कर रही हैं, स्टालिन ने कहा कि इसतहर अमूल के कदम से दूध और दूध उत्पादों की खरीद और विपणन में लगी सहकारी समितियों के बीच खराब प्रतिस्पर्धा पैदा होगी। स्टालिन ने कहा, क्षेत्रीय सहकारी समितियां राज्यों में डेयरी विकास की रीढ़ रही हैं और वे उत्पादकों को शामिल करने और उनका पोषण करने और मनमानी मूल्य वृद्धि से उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए बेहतर स्थिति में हैं। इस बीच, पूर्व केंद्रीय मंत्री और पीएमके नेता अंबुमणि रामदास ने कहा कि अमूल आंध्र प्रदेश के श्रीसिटी में एक प्रोसेसिंग प्लांट स्थापित कर रहा है

पार्किंग में सो रही 3 साल की बच्ची की एसयूवी से कुचलकर मौत

हैदराबाद (ईएमएस)। हैदराबाद में एक अपार्टमेंट की पार्किंग में गर्मी की वजह से सो रही 3 साल की बच्ची की एसयूवी से कुचलकर मौत हो गई। बिल्डिंग के सीसीटीवी कैमरे में पूरी घटना रिकॉर्ड हो गई है। बच्ची के कार से कुचले जाने का दर्दनाक वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हो रहा है। हयातनगर की एक अपार्टमेंट बिल्डिंग में यह दर्दनाक हादसा हुआ। कार चला रहे हरि राम कृष्णा जमीन पर बच्ची को नहीं देख सके और अपनी गाड़ी पार्क करते समय बच्ची के ऊपर चढ़ा दी। वह एक इंटीरियर डिजाइनर हैं और उनकी पत्नी मद्यनिषेध और उत्पाद शुल्क विभाग में सब-इंस्पेक्टर के रूप में काम करती हैं। मृतक बच्ची की पहचान लक्ष्मी के रूप में हुई है। उसका परिवार हाल ही में कर्नाटक से आया था। पुलिस ने कहा कि बच्ची की मां, जो अपार्टमेंट बिल्डिंग के पास एक निर्माण स्थल पर काम कर रही थी, दोपहर में उसे तेज गर्मी से बचाने के लिए पार्किंग एरिया में ले आई। फिर मां बच्ची को जमीन पर सुला दिया। इसी बीच, घर लौटे राम कृष्ण ने कार पार्क करते समय बच्ची को नोटिस नहीं किया। कार का अगला पहिया बच्ची के सिर को कुचलता हुआ आगे बढ़ गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई।पीड़िता की मां कविता ने बताया कि वह सुबह करीब 8 बजे हयातनगर में लेक्करर्स कॉलोनी में एक निर्माणाधीन इमारत में काम करने के लिए पहुंची। फिर दोपहर करीब 2-30 बजे उसने अपने बच्चों, 6 साल के बेटे बसवा राजू और 3 साल की बेटी लक्ष्मी के साथ लंच किया। महिला ने बताया कि उनकी बेटी गर्मी बर्दाश्त नहीं कर सकी और इसीलिए पास के बालाजी आर्केड अपार्टमेंट के बेसमेंट में सोने के लिए चली गई।

विपक्ष को राज्यपाल तमिलिसाई ने दिखाया आईना

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश में इनदिनों नए संसद भवन के उद्घाटन को लेकर घमासान मचा हुआ है। पीएम मोदी 28 मई को नए संसद भवन का उद्घाटन करने वाले हैं। कई विपक्षी दलों ने पीएम मोदी द्वारा संसद भवन के उद्घाटन पर सवाल उठाए हैं। वहीं, तेलंगाना की राज्यपाल और पुडुचेरी की उपराज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन ने अहम बयान दिया है। राज्यपाल ने कहा कि तेलंगाना सचिवालय भवन के उद्घाटन कार्यक्रम में निमंत्रण तक नहीं दिया गया था। राज्यपाल ने कहा, हाल ही में तेलंगाना के सीएम के चंद्रशेखर राव ने सचिवालय के भव्य इमारत का उद्घाटन किया था।

उस वक्त सभी ने सवाल किया कि क्या राज्यपाल को आमंत्रित किया गया था। इस पर उन्होंने कहा कि नहीं, सीएम शासन कर रहे हैं। उद्घाटन समारोह में मुझे निमंत्रण तक नहीं दिया गया था।

3 देशों की यात्रा कर भारत लौटे पीएम मोदी

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीन देशों की विदेश यात्रा पूरी कर गुरुवार सुबह भारत लौट चुके हैं। उनके भारत लौटने पर पालम एयरपोर्ट पर जोरदार स्वागत किया गया। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत बीजेपी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पालम एयरपोर्ट पहुंचकर मोदी का स्वागत किया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा, मैं दुनिया के देशों में जाकर के, दुनिया के महापुरुषों से मिल कर के हिंदुस्तान के सामर्थ्य की बात करता हूं। अपने देश की महान संस्कृति का गौरवगान करते हुए मैं आंखें नीची नहीं करता हूं। आंखें मिला कर बात करता हूं। आज पूरी दुनिया भारत के बारे में जानना चाहती है। पूरी दुनिया यह जानना चाहती है कि भारत क्या सोचता है? यह मोदी का यश नहीं हिंदुस्तान के पुरुषार्थ का यश है।

एयरपोर्ट पर पीएम का भाषण सुनने के लिए सुबह 3 बजे से लोग आए हुए थे। कार्यक्रम खत्म होने के बाद पीएम मोदी लोगों के बीच गए और उनसे बात की। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि मैं दुनिया के देशों में जाकर दुनिया के महापुरुषों को मिलकर हिन्दुस्तान के सामर्थ की बात करता हूं। देश के युवा पीढ़ी की चर्चा करता हूं। अवसर मिलने पर भारत के युवा कैसा पराक्रम कर दिखाते हैं, ये दुनिया को बताता हूं।

ये मां भारती को प्यार करने वाले लोग

प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि यह सामर्थ्य इसलिए है कि आपने देश में पूर्ण बहुमत वाली सरकार बनाई है। ऐसी सरकार का प्रतिनिधि जब कुछ कहता है तो दुनिया विश्वास करती है कि यह अकेला नहीं बोल रहा 140 करोड़ लोग बोल रहे हैं। नड्डा जी कह रहे थे कि मोदी जो को प्यार करने वाले लोग यहां आए हैं, ये मां भारती को प्यार करने वाले लोग हैं।

पूरी दुनिया सुनने को आतुर, हिम्मत से बात कीजिए

पीएम मोदी ने आगे कहा कि मैं आप लोगों से भी यही कहूंगा कि हिंदुस्तान की संस्कृति, महान परंपरा के बारे में बोलते हुए कभी भी गुलामी वाली मानसिकता में डूब मत जाना, हिम्मत के साथ बात कीजिए। पूरी दुनिया सुनने को आतुर है। जब मैं यह कहता हूं कि हमारे तीर्थ क्षेत्रों पर हमले स्वीकार नहीं हैं तो दुनिया भी मेरे साथ दिखती है।

विपक्ष के विरोध पर भी मोदी ने साधा निशाना

नई संसद के उद्घाटन को लेकर जारी विपक्ष के विरोध पर भी मोदी ने निशाना साधा। उन्होंने कहा कि आस्ट्रेलिया में भारतीय प्रवासियों के कार्यक्रम में ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री का आना गौरव की बात है लेकिन भारतीय समुदाय के इस समारोह में पूर्व प्रधानमंत्री भी थे, विपक्ष के सांसद भी थे। सभी मिलकर इसमें शामिल थे।

निर्मला सीतारमण ने विपक्षी दलों से संसद भवन के उद्घाटन समारोह का बहिष्कार के फैसले पर पुनर्विचार करने की अपील की

चेन्नई (ईएमएस)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने विपक्षी दलों से 28 मई को होने वाले संसद भवन के उद्घाटन समारोह का बहिष्कार करने के अपने फैसले पर पुनर्विचार करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यह ''लोकतंत्र का मंदिर है।

सीतारमण ने कहा कि तमिलनाडु के 20 आदिनम (महंत) 28 मई को नए संसद भवन के उद्घाटन के लिए आमंत्रित किए गए हैं। इस अवसर पर अंग्रेजों से सत्ता हस्तांतरण के प्रतीक के तौर पर प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को दिया गया रस्मी राजदंड 'सेंगोल भी स्थापित किया जाएगा। तमिलनाडु, तेलंगाना और नगालैंड के राज्यपालों के साथ यहां पत्रकारों से बात करते हुए सीतारमण ने कहा कि देश के पहले प्रधानमंत्री को 'सेंगोल सौंपे जाने की घटना तमिलनाडु के लिए बेहद खास है। आजादी के बाद सत्ता हस्तानांतरण की प्रक्रिया के सिलसिले में नेहरू ने 'राजाजी के नाम से लोकप्रिय पहले भारतीय गवर्नर जनरल सी आर राजगोपालाचारी से चर्चा की थी। इसके बाद राजाजी ने इस संबंध में शैव संत तिरुवदुथुरई आदिनम से चर्चा की थी, जिसके बाद उनकी सलाह पर सत्ता हस्तानांतरण के लिए 'सेंगोल तय किया गया। उन्होंने 'सेंगोल को राजशाही का प्रतीक करार दिया और जोर देकर कहा कि इसका लोकतंत्र से कोई लेना-देना नहीं है।

सीतारमण में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की जगह प्रधानमंत्री मोदी द्वारा संसद भवन का उद्घाटन का विरोध कर रहे विपक्ष को जवाब देते हुए कांग्रेस पर परोक्ष हमला किया और कहा कि छत्तीसगढ़ विधानसभा भवन का शिलान्यास राज्य के तत्कालीन राज्यपाल के बजाए कांग्रेस की पूर्व प्रमुख सोनिया गांधी ने किया था।उन्होंने कहा कि यह अजीब है कि जिन लोगों ने राष्ट्रपति की आलोचना की थी, वे अब अचानक उनके लिए बोल रहे हैं। कई राजनीतिक दलों द्वारा उद्घाटन समारोह का बहिष्कार करने को लेकर उनकी टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर, उन्होंने जवाब दिया, ''संसद लोकतंत्र का मंदिर है और इन दलों को अपने निर्णय पर पुनर्विचार करना चाहिए और समारोह में शामिल होना चाहिए।

सीतारमण ने कहा कि सेंगोल को स्थापित किया जाना भारतीय संसदीय लोकतंत्र की एक ऐतिहासिक घटना होगी। उन्होंने कहा, ''राज्यसभा संसद परिसर का हिस्सा है और सेंगोल को लोकसभा में रखा जाएगा, जो लोकतंत्र के मंदिर में एक महत्वपूर्ण घटना को दर्शाता है और सेंगोल के माध्यम से सत्ता के प्रतीकात्मक हस्तांतरण से तमिलनाडु का भी संबंध है। राजदंड पर भगवान गणेश और देवी लक्ष्मी की छवियों को उकेरने को सभी धर्मों के लोगों द्वारा स्वीकार किए जाने संबंधी सवाल पर सीतारमण ने कहा कि जब अंग्रेजों ने भारत छोड़ा तो देश में ईसाई और मुसलमान भी थे।

उन्होंने कहा कि लॉर्ड माउंटबेटन को दिए जाने और बाद में प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को सौंपे जाने पर किसी ने उन छवियों पर आपत्ति नहीं जताई थी।

मुंबई में केजरीवाल ने की एनसीपी प्रमुख पंवार से मुलाकात

मुंबई (ईएमएस)। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे से मिलने के एक दिन बाद, सीएम अरविंद केजरीवाल गुरुवार को मुंबई के यशवंतराव चव्हाण केंद्र में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के प्रमुख शरद पवार से मुलाकात की। आप के राष्ट्रीय संयोजक और मुख्यमंत्री केजरीवाल के साथ पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, आप सांसद राघव चड्ढा, दिल्ली की मंत्री आतिशी और पार्टी के अन्य नेता भी मौजूद रहे। केजरीवाल का यह दौरा कोलकता से शुरू हुआ है। उन्होंने सबसे पहले सीएम ममता से मुलाकात की थी। इसके बाद वह मुंबई पहुंचे थे। बुधवार को केजरीवाल ने उद्धव ठाकरे से मुलाकात की थी। मुंबई में शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष और पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे से उनके आवास पर हुई मुलाकात के बाद केजरीवाल ने कहा कि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जैसी केंद्रीय जांच एजेंसियों का इस्तेमाल कर राज्य सरकारों को गिराया जा रहा है।

हम सीमा पर दोहरे खतरे का सामना कर रहे, इसकारण हमारी सेना का तकनीकी रुप से आधुनिक होना जरुरी-सिंह

नई दिल्ली (ईएमएस)। आज हम दुनिया की सबसे बड़ी सेनाओं में से एक हैं, हमारी सेना के शौर्य और पराक्रम की चर्चा पूरी दुनिया में होती है। इसके बाद अनिवार्य होता है, कि देश के हितों की सुरक्षा करने के लिए हमारे पास एक तकनीकी रूप से एडवांस सेना हो। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत जैसे देश के लिए तब यह इसलिए भी बेहद महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि हम अपनी सीमाओं पर दोहरे खतरे का सामना कर रहे हैं। पूरी दुनिया के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने के लिए, हमारा टेक्नोलॉजी के दृष्टिकोण में एडवांस होना बहुत आवश्यक है। रक्षामंत्री ने कहा कि आज हमारे सामने भी कई बड़ी-बड़ी चुनौतियां दिखती हैं। बात जब देश की रक्षा की आती है, तब यह चुनौतियां और व्यापक हो जाती है। इन चुनौतियों से कोई संस्थान अकेले नहीं निपट सकता। इन चुनौतियों से निपटने के लिए जो सबसे महत्वपूर्ण काम हम कर सकते हैं, वह है सामूहिक प्रयास और पार्टनरशिप। सिंह के मुताबिक किसी भी देश के विकास में रिसर्च एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जब तक हम रिसर्च नहीं करते, तब तक हम नई-नई टेक्नोलॉजी को अपना नहीं पाएंगे। आज इकोनामी, पॉलिटिक्स, सोसाइटी, एग्रीकल्चर और कनेक्टिविटी आदि सभी सेक्टर में रिसर्च और टेक्नोलॉजी का समावेश हो चुका है। रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि आर एंड डी की जो सबसे महत्वपूर्ण खासियत है, कि यह उन चीजों को रिसोर्स में बदलने की क्षमता रखता है, जिन्हें आमतौर पर हम अब तक रिसोर्स की दृष्टि से नहीं देखते थे। यूरेनियम का उदाहरण ले लीजिए। जाने कितने हजारों-लाखों साल से यह धरती में पड़ा हुआ था। हो सकता है, यह मानव के हाथ कई बार आया हो, और मानव ने इस सामान्य वस्तु समझ कर छोड़ दिया हो। पर एक बार इसकी खासियत जान लेने के बाद, मानव ने इसको ऐसा इस्तेमाल किया, कि यूरेनियम आज दुनिया भर में बदलाव लाने वाले प्रमुख कारकों में से एक बन गया। रक्षा मंत्री ने कहा कि आज हम देखते हैं, कि भारत में एक अच्छी खासी संख्या में आईआईटी, आईआईएससी, एनआईटी और अन्य विश्वविद्यालय उपलब्ध हैं।

संक्षिप्त समाचार

रुपे डेबिट कार्ड पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट लगाने की मांग

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत के हाई-स्ट्रीट बैंक रुपे डेबिट कार्ड पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लगाने की मांग कर रहे है। इसके लिए उन्होंने सरकार से कहा है कि अगर सरकार रुपे कार्ड पर एमडीआर लगाने पर सहमत होती है,तब उन्हें पेमेंट नेटवर्क सिक्योरिटी बढ़ाने और नए भुगतान समाधान विकसित करने के लिए आवश्यक फंड मिल मिल सकेगा। एमडीआर डेबिट और क्रेडिट कार्ड लेनदेन के पेमेंट प्रोसेसिंग के लिए एक व्यापारी से लिया जाता है। वर्तमान में रुपे डेबिट कार्ड के माध्यम से लेनदेन के लिए कोई एमडीआर नहीं है। एक वरिष्ठ बैंकर ने कहा कि भारतीय बैंक संघ ने भी रुपे डेबिट कार्ड पर एमडीआर की बहाली के लिए वित्त मंत्रालय को एक पत्र लिखा है। बैंकर ने कहा, हमने तर्क दिया है कि एमडीआर आवश्यक है और स्थिरता को बढ़ावा देगा और अत्याधुनिक तकनीकों में निरंतर निवेश को सक्षम करेगा। एक अन्य बैंकर ने बताया, 'आईबीए ने अपने पत्र में यह भी कहा है कि रुपे कार्ड पर एमडीआर की अनुमति देने से बैंकों को रुपे कार्ड जारी करने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा।' एक सरकारी अधिकारी के अनुसार, पहले भी कई स्टेकहोल्डर्स ने इस बात को कहा है कि शून्य एमडीआर से डिजिटल पेमेंट इकोसिस्टम पर नतारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

शाइन 100 कई राज्यों में कम कीमत में उपलब्ध

नई दिल्ली (ईएमएस)। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया कंपनी ने शाइन 100 को अलग-अलग राज्यों में कम कीमत के साथ उतारना शुरू कर दिया है। हाल ही में कंपनी ने उत्तर प्रदेश, बिहार और राजस्थान में अपनी शाइन 100 को स्पेशल इंट्रोडक्टरी प्राइस पर लॉन्च किया है जो 62,900 रुपये (एक्स शोरूम) है । बात करें मैकेनिक्स की तो होंडा शाइन 100 में 98.98सीसी का सिंगल सिलेंडर, एयर कूल्ड, फ्यूल इंजेक्टेड इंजन दिया गया है और यह इंजन 7.28बीएचपी और 8.05 एनएम पीक टॉर्क जनरेट करने में सक्षम है।इस इंजन के साथ 4-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स दिया गया है।हालांकि, होंडा ने अभी तक इसके माइलेज को लेकर कोई जानकारी पब्लिक नहीं की है, कंपनी की ओर से माइलेज के लिए कोई ऑफिशियल फिगर जारी नहीं किया है। इसमें स्टैंडर्ड तौर पर कंबाइंड ब्रेकिंग सिस्टम के साथ दोनों एंड (फ्रंट और रियर) पर ड्रम ब्रेक्स का इस्तेमाल किया गया है।फीचर्स की बात करें तो इसमें बेसिक एनालॉग इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर भी दिया गया है। हालांकि, इस बजट में बाइक से आप फीचर्स को लेकर डिजिटल इंस्ट्रुमेंट क्लस्टर की उम्मीद भी नहीं रख सकते हैं। राजस्थान में शाइन 100 के लेटेस्ट लॉन्च पर एचएमएसआई के डायरेक्टर (सेल्स एंड मार्केटिंग) योगेश माथुर ने कहा, राजस्थान हमारे लिए एक खास मार्केट है, और हम राजस्थान में अपनी बाइक्स की बढ़ती डिमांड से खुश हैं।शाइन 100 के बढ़िया प्रदर्शन, कंफर्टेबल राइड और कम प्राइस के साथ, हमारा उद्देश्य लोगों को आगे बढ़ने, नए लक्ष्य तलाशने और उनके सपनों को पूरा करने की आजादी के साथ सशक्त बनाना है।कंपनी ने सिर्फ यह दावा किया है कि शाइन 100 क्लास लीडिंग फ्यूल एफिशिएंसी यानी शानदार माइलेज के साथ आती है।होंडा की नई शाइन 100 में टेलिस्कोपिक फ्रंट फोर्क्स और रियर में डुअल स्प्रिंग-लोडेड शॉक एब्जॉर्बर हैं जैसे फीचर्स दिए गए हैं।

फर्स्ट सिटिजन बैंक शेयर इंक ने 500 कर्मचारियों को निकाला

सैन फ्रांसिस्को (ईएमएस)। अमेरिका स्थित सिलिकॉन वैली बैंक (एसवीबी) के नए मालिक फर्स्ट सिटिजन बैंक शेयर इंक ने लगभग 500 एसवीबी कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, फर्स्ट सिटिजन के सीईओ फ्रैंक होल्डिंग द्वारा सभी कर्मचारियों को भेजे गए एक ईमेल के अनुसार, नौकरी में कटौती में क्लाइंट-फेसिंग पोजीशन या भारत में कंपनी की सपोर्ट टीम का कोई भी सदस्य शामिल नहीं है। इसके अलावा, कंपनी के कर्मचारियों के लिए होल्डिंग की ओर से एक संदेश में कहा गया है, यह स्पष्ट है कि प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए हमें अपने दायरे और पैमाने को सही आकार देने के लिए निर्णय लेना चाहिए। जिन कर्मचारियों को हटा दिया गया, उन्हें मानव संसाधन कर्मचारियों के साथ बैठकों में सूचित किया गया था कि वे 9 जून तक बैंक द्वारा नियोजित रहेंगे। निदेशक स्तर के एक कर्मचारी के मुताबिक और छंटनी संभव है।

अमेरिका ने बांग्लादेश के लिए एक नई वीजा नीति की घोषणा की

ढाका (ईएमएस)। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने बांग्लादेश के लिए एक नई वीजा नीति की घोषणा की है, जिसमें उन लोगों को यात्रा की मंजूरी नहीं दी जाएगी, जिन पर जनवरी 2024 में दक्षिण एशियाई देश में होने वाले चुनाव में व्यवधान पैदा करने की आशंका है। ब्लिंकन ने कहा, स्वतंत्र, निष्पक्ष तथा शांति पूर्ण आम चुनाव करने के बांग्लादेश के लक्ष्य को समर्थन देने के वास्ते आज मैं आव्रजन तथा राष्ट्रीयता अधिनियम की धारा 212(ए)(3)(सी)(3सी) के तहत नई वीजा नीति की घोषणा कर रहा हूं। उन्होंने कहा, इस नीति के तहत अमेरिका इसतरह के किसी भी बांग्लादेशी नागरिक को वीजा देने में पांबदी लगा सकता है, जिसके बारे में अमेरिकी प्रशासन को लगता है कि वह बांग्लादेश में लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव कराने में बाधा डाल सकता है।'' ब्लिंकन ने कहा कि वर्तमान और पूर्व बांग्लादेशी अधिकारी, सरकार समर्थक और विपक्षी राजनीतिक दलों के सदस्य, कानून प्रवर्तन एजेंसियों, न्यायपालिका और सुरक्षा सेवाओं के सदस्य नई नीति के दायरे में आ सकते हैं। अमेरिका के विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, अमेरिका ने तीन मई को बांग्लादेशी सरकार को इस निर्णय से अवगत करा दिया था। इस बीच बांग्लादेश का मुख्य विपक्षी दल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) चुनावों के लिए एक गैर-दलीय कार्यवाहक सरकार को बहाल करने के उद्देश्य से एकअभियान चला रहा है। बीएनपी का कहना है कि प्रधानमंत्री शेख हसीना के शासन में कोई भी चुनाव स्वतंत्र नहीं हो सकता।

फ्रांस के बास्टिल-दिवस परेड में मुख्य अतिथि होंगे पीएम मोदी

पेरिस/नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस साल फ्रांस के पेरिस में 14 जुलाई को बास्टिल दिवस परेड के विशिष्ट अतिथि होंगे। यह जानकारी नई दिल्ली में फ्रांसीसी दूतावास ने ट्विटर पर इसकी जानकारी दी। पीएम मोदी फ्रांस के राष्ट्रीय दिवस की परेड में शामिल होने वाले भारत के दूसरे प्रधानमंत्री होंगे। इससे पहले फ्रांस सरकार ने 2009 में तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया था। यह फ्रांस में लोकक्रांति व्यवस्था के लिए 18वीं शताब्दी में हुए विप्लव की एक प्रमुख घटना के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। ईसवी साल 1789 में 14 जुलाई के दिन आंदोलनकारियों ने बास्टिल सैन्य दुर्ग और कारावास पर धावा बोलकर कई बंदियों को छुड़ा लिया था। इस घटना से फ्रांसीसी क्रांति को गति मिली। नई दिल्ली में फ्रांस के दूतावास ने लिखा है कि 14 जुलाई फ्रांस का राष्ट्रीय दिवस है। यह फ्रांस की क्रांति से जुड़ा है। इस अवसर पर फ्रांसीसी लोग ''स्वाधीनता, समानता और बंधुत्व के मूल्यों का उत्सव मनाते हैं, क्योंकि ये मूल्य उन्हें एकजुट करते हैं। ये मूल्य भारतीय संविधान की प्रस्तावना में भी निहित हैं। इस अवसर पर पेरिस में भव्य सैन्य परेड आयोजित की जाती है। दूतावास ने कहा है कि पेरिस में पीएम मोदी की उपस्थिति दोनों देशों के लिए ऐसे समय एक विशेष महत्व की है, जबकि भारत और फ्रांस द्विपक्षीय रणनीतिक भागीदारी के 25 साल पूरे होने की खुशी मना रहे हैं। पेरिस की इस बार की बास्टिल-दिवस परेड में भारत की सैन्य टुकड़ियां भी भाग लेंगी, भारतीय लड़ाकू जेट भी मार्च करेंगे। दूतावास ने यह भी कहा है कि दोनों देशों ने अच्छे और बुरे हर दौर में एक-दूसरे का साथ दिया है।

उड़ान भरते ही पक्षी से टकराया इंडिगो का विमान...सभी यात्री सुरक्षित

मेंगलुरु (ईएमएस)। मेंगलुरु अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे (एमआईए) के रनवे पर दुबई जा रहे एक विमान से गुरुवार सुबह पक्षी टकरा गया, जिसके बाद उड़ान रद्द करनी पड़ी। एयरपोर्ट के सूत्रों ने इसकी जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि घटना सुबह करीब साढ़े 8 बजे की है। दरअसल पक्षी विमानन कंपनी 'इंडिगो के विमान के पर से टकरा गया, जो उड़ान भरने को तैयार था। पायलट ने तुरंत हवाई यातायात नियंत्रण (एटीसी) को सूचित कर उड़ान रद्द करा दी । घटना के बाद 160 यात्रियों को विमान से उतारा गया। इस घटना से हवाई अड्डे पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई। बाद में, यात्रियों को बेंगलुरु से आए दूसरे विमान से दुबई ले जाने की वैकल्पिक व्यवस्था की गई। उन्होंने बताया कि तकनीकी विशेषज्ञ विमान का निरीक्षण कर रहे हैं। एमएआई के अधिकारियों ने बताया कि उड़ान 6ई1467 (जिसे सुबह आठ बजकर 25 मिनट पर उड़ान भरनी थी) 'टैक्सीवे से रनवे में प्रवेश करते ही एक पक्षी से टकरा गई।

मध्यप्रदेश के कूनो नेशनल पार्क में दो और शावकों की मौत

भोपाल (ईएमएस)। भारत में चीतों की वंश वृद्धि के लिए चल रही कोशिशों को गुरुवार को तब बड़ा झटका लगा है, जब दो और शावक की मौत हो गई है। अब तक कुल छह चीतों की मौत हुई है, जो कि कूनो नेशनल पार्क में लेकर आए गए थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने जन्मदिन के मौके पर नामीबिया से लाए गए चीतों के पहले दल को कूनो नेशनल पार्क में छोड़ा था।

उसके बाद दूसरे दल को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की मौजूदगी में छोड़ा गया था। यहां चीतों की कुल संख्या 20 थी, वहीं ज्वाला नामक माता चीता ने चार शावकों को जन्म दिया था, इसके बाद संख्या बढ़कर 24 हो गई थी। एक ओर जहां चीतों की वंश वृद्धि की उम्मीद जागी थी वहीं दूसरी ओर मौत का सिलसिला भी शुरू हो गया। प्रधान मुख्य वन संरक्षक की ओर से उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार 23 मई की सुबह ज्वाला के शावक की मौत हुई थी, उसके बाद जीवित बचे तीन शावक और ज्वाला की पालपुर में चिकित्सकों और निगरानी टीम द्वारा लगातार नजर रखी जा रही थी।

पहली बार देश के पास पूरी तरह अपना संसद भवन होगा-फडणवीस

मुंबई (ईएमएस)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि मौजूदा संसद भवन वास्तव में एक 'काउंसिल हॉल' है, और पहली बार देश के पास पूरी तरह अपना संसद भवन होगा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता फडणवीस ने पत्रकार से चर्चा करते हुए यह कहा। फडणवीस ने कहा, ''किसी को भी यह भूलना नहीं चाहिए कि मौजूदा संसद भवन असल में एक काउंसिल हॉल है। पहली बार भारत के पास पूरी तरह अपना संसद भवन होने जा रहा है।

टोक्यों में श्रीलंकाई राष्ट्रपति रनिल विक्रमसिंघे ने जापान के प्रधानमंत्री फूमिको किशिदा से मुलाकात की।

बेंगलुर में पिछले 48 घंटों से हो रही बारिश, जनजीवन पूरी तरह से हुआ ठप्प

बेंगलुरु (ईएमएस)। बेंगलुरु में लगातार हो रही बारिश, ओलावृष्टि, आंधी और तेज हवाओं ने सामान्य जीवन अस्त व्यस्त कर दिया है। पिछले 48 घंटों से हो रही बारिश से जहां ट्रैफिक पूरी तरह से ठप्प हो गया है, पेड़ उखड़ गए हैं वहीं सड़कों और घरों में पानी भर गया है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) का अनुमान है कि बेंगलुरु में अगले 48 घंटों तक तेज हवाएं और गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने का अंदेशा है। जहां तक बारिश का सवाल है, तब उसके इस महीने के अंत तक रहने की उम्मीद है.

बेंगलुरु के अलावा कर्नाटक के पुराने मैसुरू क्षेत्र में भी मौसम का यही हाल है। मौसम विभाग का कहना है कि पड़ोसी राज्य तमिलनाडु में एक चक्रवात भी बन रहा है जिसका असर भी कर्नाटक पर पड़ने की आशंका है। भारतीय मौसम विभाग ने सभी निवासियों को अपने घर के दरवाजे-खिड़की बंद करके घर में रहने की सलाह दी है। साथ ही कहा गया है कि बाहर यात्रा से बचें और अगर वह कहीं बाहर हैं, तब किसी जगह शरण ले लें। लेकिन साथ ही मौसम विभाग ने लोगों को किसी पेड़ के नीचे नहीं रुकने की सख्त निर्देश दिए हैं। मौसम विभाग के मुताबिक राज्य में शुक्रवार तक कहीं कहीं पर गरज के बारिश होने का अनुमान है। जिससे तापमान के गिरने की भी संभावना है। इसके साथ ही पड़ोसी तमिलनाडु में चक्रवात के चलते बेंगलुरु शहर, बेंगलुरु ग्रामीण, शिमोगा, मांड्या, तुमकुर, रामनगर और कोलार जिले में येलो अलर्ट भी जारी किया गया है. इसके अलावा मौसम विभाग ने दक्षिण कन्नड के तटीय जिले, उडुपी, कोडागु और पहाड़ी क्षेत्रों में चिकमंगलुर और हसन जिले में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं बागलकोट, बेलागावी, बीदर, धारवाड़, गाडग, हावेरी और कलबुर्गी जिले में बारिश होने की आशंका है। कोप्पला, रायचूर, विजयापुर, यादगिरि, चामराजनगर, चिक्काबल्लापुर, चित्रदुर्ग, दावणगेरे, कोलार, मांड्या, मैसूर, रामनगर, शिमोगा, तुमकुर और विजयनगर जिलों में भारी बारिश होने की आशंका जताई गई है और मछली पकड़ने को लेकर चेतावनी जारी की गई है।

सीरियल किलर रविंद्र कुमार को आजीवन कारावास की सजा

नई दिल्ली (ईएमएस)। बच्ची से दुष्कर्म व हत्या मामले में गुरुवार को सीरियल किलर रविंद्र कुमार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। रविंद्र को यह सजा अतिरिक्त जिला न्यायाधीश सुनील कुमार की कोर्ट ने सुनाई है। पुलिस पूछताछ में आरोपित ने वर्ष 2008 से 2015 तक करीब 30 बच्चों से दरिंदगी की बात कबूली है। रविंद्र छठी फेल है।रविंद्र ने बचपन में एक अंग्रेजी फिल्म देखी थी, जिसमें तीन लोग बच्चों की हत्या कर उनसे कुकर्म या दुष्कर्म करते थे। यह फिल्म देखने के बाद वह भी शराब पीकर व उसके बाद सूखा नशा (साल्यूशन व व्हाइटनर आदि) करके बच्चों को अपनी हवस का शिकार बनाता गया।

सीएम सरमा का कांग्रेस पर आरोप, सेंगोल के अपमान में पूर्व प्रधानमंत्री नेहरू की अहम भूमिका

गुवाहाटी (ईएमएस)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी ने नई संसद में स्पीकर की सीट के पास स्थापित होने वाले पांच फीट लंबे राजदंड को वॉकिंग स्टिक के रूप में रिलीगेट करके हिंदू परंपराओं के प्रति उपेक्षा प्रदर्शित की है। इसमें पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की अहम भूमिका है। औपचारिक राजदंड को तत्कालीन गवर्नर-जनरल लॉर्ड माउंटबेटन ने अगस्त 1947 में अंग्रेजों से भारत में सत्ता के हस्तांतरण के प्रतीक के रूप में नेहरू को सौंप दिया था। इस राजदंड को बाद में इलाहाबाद संग्रहालय की नेहरू गैलरी में रखा गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अब उसी सेंगोल को 28 मई को रिसीव कर नए संसद भवन में स्थापित करने वाले हैं। सेंगोल हमारी स्वतंत्रता का अभिन्न अंग था, लेकिन पंडित नेहरू की महत्वपूर्ण भूमिका के बावजूद वामपंथियों ने इस एक संग्रहालय के कोने में वॉकिंग स्टिक के रूप में चित्रित किया। उन्होंने कहा कि एक और उदाहरण है कि कैसे एक पूरे इको-सिस्टम ने इतिहास की किसी भी घटना को सेंसर कर दिया, जिसने प्राचीन भारत और हिंदू रीति-रिवाजों का महिमामंडन किया। भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने पहले कहा था कि राजदंड को उसका सही स्थान दिया गया है।

फेरारी 296 जीटीएस की कीमत 6.24 करोड़ रुपये

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय बाजार में फेरारी 296 जीटीएस कार को कन्वर्टिबल और नॉन कन्वर्टिबल दो रूपों में उतारा गया है। इस कार की कीमत 6.24 करोड़ रुपये एक्स-शोरूम है। फेरारी 296 जीटीएस कार को फेरारी की ऑफिशियल इम्पोर्टर सेलेक्ट कार्स ने पेश किया है।

इ्र फेरारी के मार्केटिंग हेड संयम त्यागी ने कहा कि हम इस कार को लॉन्च कर खुश हैं। फेरारी 296 जीटीएस में 3-लीटर वी6 टर्बोचार्ज्ड इंजन दिया गया है, जो एक इलेक्ट्रिक मोटर के साथ आता है। इस हाइब्रिड पावरट्रेन का कंबाइंड आउटपुट 830 बीएचपी है और यह 740 एनएम का पीक टॉर्क जेनरेट करता है। इस इंजन को 8-स्पीड एफ1 डुअल क्लच ट्रांसमिशन (डीसीटी) गियरबॉक्स से जोड़ा गया है। यह एक हाइब्रिड कार है इसलिए इसमें 7.45 केडब्ल्यूएच बैटरी भी दी गई है। कंपनी का दावा है कि ये कार महज 2.9 सेकेंड में ही 0 से 100 किमी/घंटा की रफ्तार पकड़ने में सक्षम है और इसे 0 से 200 किमी/घंटा की रफ्तार पकड़ने में महज 7.6 सेकेंड का ही समय लगता है। इसकी टॉप स्पीड 330 किलोमीटर प्रतिघंटा है। इलेक्ट्रिक मोड में यह कार 25 किलोमीटर तक की ड्राइविंग रेंज देती है। फेरारी 296 जीटीएस में ई-डिफ तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। ये एक ऐसी तकनीक है जो कि फार्मूला वन कार को रोड कार्स के तौर पर इस्तेमाल करने की सुविधा देती है।

मेटा फिर करेगी 10 हजार कर्मचारियों की छंटनी

मुंबई (ईएमएस)। मेटा ने दस हजार कर्मचारियों को निकालने की बात कही थी। छंटनी के दो राउंड के बाद कंपनी फिर से छंटनी की प्रक्रिया को शुरू करने वाली है। कहा जा रहा है कि मेटा में ये छंटनी का आखिरी राउंड है। बता दें कि 10 हजार लोगों को एक साथ नहीं निकाला गया था, कंपनी में छंटनी का ये तीसरा राउंड है और इस बार 6 हजार लोगों को निकालने जाने की खबरें आ रही हैं। मेटा कंपनी में छंटनी के पहले राउंड के दौरान 11 हजार कर्मचारियों को कंपनी से बाहर किया था। इसके बाद मार्च में 10 हजार लोगों को निकालने की घोषणा से मेटा बड़े पैमाने पर लोगों को नौकरी से निकालने वाली बड़ी टेक कंपनी बन गई है।

ऑस्ट्रेलिया में मारी गई भारतीय छात्रा की मां ने अदालत से मांगा न्याय

मेलबर्न (ईएमएस)। बेरहमी से मारी गई एक भारतीय नर्सिंग छात्रा की मां ने दक्षिण ऑस्ट्रेलियाई अदालत से न्याय देने की मांग की है। छात्रा की मां ने अदातल को बताया कि वह अपनी बेटी की मौत से पीड़ित हैं और खूनी को कभी माफ नहीं करेंगी। नर्सिंग छात्रा की 2021 में बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। जसमीन कौर को 23 वर्षीय तारिकजोत सिंह ने 2021 में नॉर्थ प्लायम्टन में उसके वृद्ध देखभाल कार्यस्थल से पीछा किया और अपहरण कर लिया और फ्लिंडर्स रेंज में ले जाया गया, जहां उसकी हत्या कर दी गई और एक उथली कब्र में दफन कर दिया गया। पीड़िता की मां रशपाल कौर गठवाल के मुताबिक तारिकजोत सिंह, जिसे इस साल फरवरी में हत्या के लिए दोषी ठहराया था, जसमीन कौर के प्रति आसक्त था और उससे शादी करना चाहता था। मीडिया आई खबर के अनुसार रशपाल कौर ने एक पीड़ित प्रभाव बयान में अदालत को बताया कि उनकी बेटी जसमीन कौर ने अपने अंतिम क्षणों में जो कुछ सहा, उसके बारे में सोच कर उन्हें पीड़ा हुई। शोकाकुल मां ने अदालत को बताया, उसे बचाने वाला कोई नहीं था, उसने अपना आखिरी समय इस धरती पर मानवता के सबसे खराब समय के साथ बिताया। रशपाल कौर ने अदालत को बताया कि तारिकजोत सिंह जसमीन कौर के प्रति आसक्त था, जिसने उसे सौ बार मना कर दिया था, और उसने जो किया उसके लिए वह उसे कभी माफ नहीं करेगी। उन्होंने कहा, आप एक मानव जीवन को इतना सस्ता कैसे मान सकते हैं? आपने मेरी बेटी के साथ ऐसा व्यवहार किया जैसे वह कुछ भी नहीं थी और उसे (यदि) बकवास समझकर निपटा दिया। बता दें कि जसमीन कौर एडिलेड में अपने रिश्तेदारों के साथ रह रही थी और नर्स बनने की पढ़ाई के दौरान वृद्ध देखभाल कार्यकर्ता के रूप में काम कर रही थी। उसके लापता होने की सूचना दी गई, जब उसके नियोक्ता ने उसके परिवार को शिफ्ट से उसकी अनुपस्थिति के बारे में पूछने के लिए बुलाया। पुलिस के अनुसार, जसमीन कौर को 5 मार्च, 2022 की रात 10 बजे से ठीक पहले नॉर्थ प्लायम्प्टन के सदर्न क्रॉस होम्स में अपनी शिफ्ट खत्म करने के बाद एक व्यक्ति द्वारा बलपूर्वक ले जाया गया। दक्षिण ऑस्ट्रेलिया में हत्या के लिए न्यूनतम 20 वर्ष की गैर-पैरोल अवधि अनिवार्य है।

वैज्ञानिक एक तारे की रेडियशन बेल्ट को देखने में हुए सफल

- मैग्नेटिक फील्ड वाले सभी ग्रह की होती है रेडिएशन बेल्ट

सैन फ्रांसिस्को (ईएमएस)। सौरमंडल से बाहर मिल्की खगोलविज्ञानी गैलेक्सी में ही मौजूद पिंडों की महीन विकिरण की जानकारी हासिल करने में कड़ी चुनौतियां का सामना कर रहे हैं। इनमें से एक चुनौती है किसी मैग्नेटिक फील्ड वाले पिंड की रेडिएशन बेल्ट को देख पाना। अभी तक दूर के पिंडो की रेडिएशन बेल्ट को देख पाना बहुत ही चुनौतीपूर्ण था।

नए अध्ययन में वैज्ञानिकों ने एक तारे की रेडियशन बेल्ट को देखने मे सफलता पाई है.एक तरहसे कहा जा सकता है कि जिस भी पिंड में चाहे वह तारा हो या फिर कोई ग्रह, यदि उसमें मैग्नेटिक फील्ड है तो उसमें रेडिएशन बेल्ट जरूर होगी।सौरमडंल के मैग्नेटिक फील्ड वाले सभी ग्रह की रेडिएशन बेल्ट होती है।डोनट के आकार के ये क्षेत्र मैग्नेटिक फील्ड से सीमित होते हैं जहां महीन कण आते हैं और त्वरित होकर रेडियो प्रकाश में चमकते हैं।लेकिन इस रेडिएशन बेल्ट से निकलने वाला विकिरण या उत्सर्जन बहुत ही कमजोर होता है।ऐसे में सौरमंडल से बाहर रेडिएशन बेल्ड की कमजोर चमक या उत्सर्जन की पहचान करना असंभव के करीब होता है। इसलिए जब खगोलविदों ने सौरमंडल के बाहर के एक पिंड की रेडिएशन बेल्ट की पहली बार तस्वीर ली तो यह बड़ी उपलब्धि ही मानी जा रही है.जिस पिंड की पहचान की गई है वह एक बहुही कम भार वाला लाल बौना तारा है जिसका नाम एलएसआर जे1835+3259 है।आकार में इसका व्यास गुरु ग्रह के व्यास से कुछ ही बड़ा है ,लेकिन इसका भार गुरु ग्रह के भार से 77 गुना ज्यादा है और यह पृथ्वी से केवल 20 प्रकाशवर्ष की दूरी पर स्थित है।सांता क्रूज के यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्नया के खगोलविद मेलोडी काओ का कहना है कि उनकी टीम ने वातव मे एक मैग्नेटोस्फियर की तस्वीर ली है इसके लिए शोधकर्तो ने रेडिया उत्सर्जन करने वाले प्लाज्मा का अवलोकन किया था।यानि कि वे मैग्नेटोस्फियर में रेडिएशन बेल्ट का अवलोकन कर रहे थे।इससे पहले सौरमंडल के बाहर किसी विशाल गैसीय ग्रह के आकार के पिंड के साथ ऐसा कभी नहीं किया गया था। पृथ्वी की रेडिएशन बेल्ट को वैन एलन बेल्ट कहते हैं जिसमें सौर पवन के कण भरे होते हैं।शनि, नेप्चूयन यूरेनस, बुध सभी के पास रेडिएशन बेल्ट हैं।गुरु के रेडिएशन बेल्ट में उसके ज्वालामुखी वाले चंद्रमा लू की भूमिका है।वहीं गुरु के गैनीमैड एकमात्र ऐसा चंद्रमा है जिसकी खुद की रेडिएशन बेल्ट है। लेकिन अमूमन सौरमंडल से बाहर के पिंडों में रेडिएशन बेल्ट अभी तक दिखाई नहीं दी थी.लेकिन ना दिखने के बाद भी सौरमंडल में कई जगहों पर रेडिएशन बेल्ट की उपस्थिति के संकेत देखने को मिले हैं।कम भार वाले तारों या भूरे बौनों मं उसी तरह की गतिविधि देखने को मिली है जो रेडिएशन बेल्ट की वजह से ग्रहों के ऑरोर में दिखाई देती है।

ऑरोर कई ग्रहों में त्वरित आवेशित कणों के मैग्नेटिक फील्ड के अनुकूल एक धारा में चलते हैं और फिर ग्रह के वायुमंडल से उनकी अंतरक्रिया रंगीन नजारा निर्मित करती है.इस अध्ययन में वैज्ञानिकों ने एलएसआर जे1835+3259 नाम के पिंड ऑरोर गतिविधि के संकेत देखे थे जिससे उसमें मैग्नेटिक फील्ड होने का पता चला जिसके बाद शोधकर्ताओं ने उसमें रेडिएशन बेल्ट की तलाश की।

भारत के साथ सबसे अहम प्राथमिकताओं पर काम करता है अमेरिका

वाशिंगटन (ईएमएस)। विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिका की आधिकारिक यात्रा से पहले कहा कि अमेरिका सबसे महत्वपूर्ण प्राथमिकताओं पर भारत के साथ मिलकर काम करता है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि भारत के साथ हमारी साझेदारी अहम है। हम अपनी सबसे महत्वपूर्ण प्राथमिकताओं पर भारत के साथ मिलकर काम करते हैं। मिलर ने कहा कि उन्हें यह उम्मीद है कि भारत में अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी दोनों देशों के बीच संबंधों को गहरा करने और साझा चिंता के मामलों पर काम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी की आगामी यात्रा के बारे में किए गए सवालों पर मिलर ने अधिक जानकारी दिए बिना कहा कि निश्चित रूप से यूक्रेन में युद्ध उन विषयों में से एक होगा जिन पर चर्चा की जाएगी। प्रवक्ता मिलर ने कहा कि यह प्रधानमंत्री मोदी के साथ हुई पिछली बैठकों में भी चर्चा के विषयों में से एक रहा है। अमेरिका स्पष्ट रूप से वीजा में देरी को चिंता का विषय मानता है और कांसुलर दल भारत में जितना संभव हो उतनी तेजी से वीजा आवेदनों पर कार्रवाई करने की दिशा में काम कर रहा है।

अगले महीने जून में 12 दिन बंद रहेंगे बैंक

नई दिल्ली (ईएमएस)। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने जून 2023 के लिए बैंकों की छुट्टियों की सूची जारी कर दी है। सूची के मुताबिक जून 2023 में कुल 12 दिन बैंक बंद रहेंगे। इनमें कई छुट्टियां लगातार भी पड़ने वाली है। बता दें कि पूरे देश में 12 दिन बैंक बंद नहीं रहेंगे। आरबीआई की आधिकारिक वेबसाइट पर दी गई अवकाश की सूची के मुताबिक ये छुट्टियां अलग-अलग राज्यों में हैं। ये सभी छुट्टियां सभी राज्यों में लागू नहीं होंगी। वहीं आरबीआई की गाइडलाइंस के मुताबिक रविवार के अलावा महीने के दूसरे और चौथे शनिवार को बैंक बंद रहते हैं। जून 2023 में अलग-अलग राज्यों में इस दिन बैंक रहेंगे बंद-

- 04 जून, 2023- इस दिन रविवार है जिसके कारण पूरे देश के बैंक में अवकाश रहेगा।
- 10 जून, 2023- इस दिन महीने का दूसरा शनिवार है, इसके कारण बैंकों में छुट्टी रहेगी।
- 11 जून, 2023- इस दिन रविवार को लेकर अवकाश रहेगा।
- 15 जून, 2023- इस दिन रज संक्रांति है जिसकी वजह से मिजोरम और ओडिशा में बैंक बंद रहेंगे।
- 18 जून, 2323- इस दिन रविवार के लिए अवकाश रहेगा।
- 20 जून, 2023- इस दिन रथ यात्रा निकलेगी, इसलिए ओडिशा और मणिपुर के बैंक बंद रहेंगे।
- 24 जून, 2023- इस दिन जून का आ?खिरी और चौथा शनिवार होने के कारण देशभर के बैंक बंद रहेंगे।
- 25 जून, 2023- जून को बैंकों में रविवार की छुट्टी रहेगी।
- 26 जून, 2023- इस दिन खर्ची पूजा के कारण सिर्फ त्रिपुरा में बैंक बंद रहेंगे।
- 28 जून, 2023- ईद उल अजहा के कारण महाराष्ट्र, जम्मू कश्मीर और केरल में बैंक बंद रहेंगे।
- 29 जून, 2023- ईद उल अजहा के कारण पूरे देश के बैंक बंद रहेंगे।
- 30 जून, 2023- रीमा ईद उल अजहा की छुट्टी मिजोरम और ओडिशा के बैंक बंद रहेंगे।

टोक्यो में चीनी कंपनी हुवेई ने नये उत्पाद पेश किये। इन उत्पादों में वायरलैस इयरबड के साथ ही स्मार्टवाच सहित कई अन्य चीजें भी थीं। कंपनी का लक्ष्य इन सामनों के बढ़ते हुए बाजार पर अपनी पकड़ और मजबूत करना है। हुवेई जापान द्वारा पेश इन स्मार्टवाच में फिटनेस से जुड़े कई फीचर शामिल हैं जिसमें स्कूबा डाइविंग मोड भी है।

कारपोरेट कल्चर से तंग आकर युवक ने छोडी नौकरी

बीजिंग (ईएमएस)। कारपोरेट कल्चर से 29 साल का एक शख्स इतना तंग आ गया कि अच्छी खासी नौकरी छोड़ दी।पैसा कम पड़ा तो तंबू में रहने लगा। खर्चों में कटौती की, लेकिन अभी भी वह काम नहीं करना चाहता। वह सिर्फ आराम करना चाहता है.मामला चीन के सिचआन प्रांत का है।

ली शु नाम के इस शख्स ने 2018 में अच्छी खासी नौकरी छोड़ दी और अपना अधिकांश समय अपने किराये के अपार्टमेंट में चिल करने में बिताने लगा।लेकिन जल्द ही उसे महसूस हुआ कि बिना किसी कमाई के वह अपनी सारी बचत धीरे-धीरे खर्च कर देगा।तब से वह अपने रोजमर्रा के खर्चों में कटौती करने लगा।सिर्फ 120 रुपये में दिन भर गुजारने लगा। फिर भी किराया देने के लिए पैसों की जरूरत थी, तो उसने अपना सारा सामान बेच दिया।इससे तकरीबन 5 हजार रुपये मिले तो एक तंबू खरीदकर पार्क में रहने लगा।

पिछले 200 दिन से वह पार्क में रहता है लेकिन वह फिर जिंदगी की चूहा दौड़ में शामिल नहीं होना चाहता.ली शु के पास इस समय सबसे कीमती चीज उसका पुराना तंबू है।वह पूरा नूडल्स और पकौड़ी जैसा सस्ता फूड खाता है।कभी-कभी खाना बनाने का मन करे तो सिर्फ आलू और अंडे पका लेता है।पानी के लिए उसे काफी दूर पैदल जाना पड़ता है।फोन चार्ज करने के लिए भी उसे दूसरों की मदद लेनी पड़ रही है, क्योंकि उसके तंबू में इलेक्ट्रीसिटी नहीं है।इसके बावजूद उसे यह जीवन सबसे शानदार लगता है। शु ने कहा, मुझे को डांटने वाला नहीं।कोई निर्देश देने वाला नहीं।गलतियों पर फटकारने वाला नहीं। यह मेरी च्वाइस है।काफी शांति और सुकून मिल रहा। धीरे-धीरे आप ऐसी परिस्थितियों के अभ्यस्त हो जाएंगे।यह काफी आरामदेह है.युवक ने चीनी पत्रकारों से कहा, मुझे नौकरी की कोई कमी नहीं।कई दोस्तों ने ऑफर भी किए।कुछ ने घर भी ऑफर किया ताकि मैं वहां जाकर रह सकूं। कुछ ने पैसे देने की पेशकश भी की ताकि मैं अपना कारोबार शुरू कर सकूं।लेकिन इन सबसे जीवन की फिर वही भागदौड शुरू हो जाएगी, जो मैं नहीं चाहता।मैं अपनी सरल और कम खर्चे वाली सुकून की जिंदगी जीना चाहता हूं। ली शु के तम्बू के किनारे एक नोट चिपका रखा है। इसमें लिखा है कि कृपया राहगीर मेरा सामान खराब न करें।अगर आपको कोई असुविधा हो रही है तो मैं विनम्रता पूर्वक क्षमा मांगता हूं।ली की कहानी ने एक बार फिर चीन के बढ़ते लेइंग डाउन मूवमेंट को जिंदा कर दिया है।कई लोग चाहते हैं कि उन्हें आराम मिले! मालूम हो कि जिंदगी की भागदौड़ हम सभी को थका देती है।कई बार दफ्तर में बहस भी हो जाती है। मन इरिटेट हो जाता है तो लगता है कि सब छोड़-छाड़ के घर बैठा जाए।

संक्षिप्त समाचार

हाईकोर्ट के आदेश पर राजस्व टीम ने हटवाया अवैध कब्जा

बहराइच। थाना क्षेत्र के एक ग्राम पंचायत में ग्राम समाज की जमीन पर किए गए अवैध कब्जे को बृहस्पतिवार को राजस्व टीम ने पुलिस की मदद से हटवाया। हाईकोर्ट के आदेश पर पुलिस के साथ पहुंची राजस्व टीम खलिहान की जमीन पर कब्जा कर बनवाई गयी झोपड़ी को गिरवा दिया। जरवलरोड थानाक्षेत्र के ग्राम पंचायत अटवा गांव में कुछ लोगों ने खलिहान की जमीन गाटा संख्या 85 और घूर गड्ढा की जमीन गाटा संख्या 86 पर अवैध कब्जा कर लिया था। विपक्षियों ने जमीन पर अतिक्रमण कर अवैध झुग्गी झोपड़ी भी बना रखी थी। शिकायत के बाद भी कार्रवाई न होने पर क्षेत्रीय ग्रामीण राजेश कुमार ने अवैध कब्जे के खिलाफ उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी। इस पर हुई सुनवाई के बाद उच्च न्यायालय ने डीएम को अवैध कब्जा हटाने का निर्देश दिया था। आदेश के अनुपालन में ही बृहस्पतिवार को नायब तहसील अल्पिका वर्मा, कानूनगो वाहिद कमाल, उपनिरीक्षक आदित्य कुमार ने पुलिस टीम के साथ पहुंचकर खलिहान और घूर गड्ढे की जमीन पर अवैध तरह से बनी झुग्गी झोपड़ी को हटवाया।

बेकाबू ट्रक ने चाचा-भतीजे को रौंदा

बहराइच। लखीमपुर-नानपारा हाईवे पर बीती देर रात तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार चचेरे चाचा और भतीजे को रौंद दिया। हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। मोतीपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत कतनिया निवासी बबलू (28) बुधवार शाम किसी काम से गंगापुर गए थे। उनके साथ रिश्ते में चाचा अखिलेश (19) भी गए थे। वहां से रात को दोनों घर वापस आ रहे थे। इसी दौरान लखीमपुर -नानपारा मार्ग पर नैनीहा मंडी के पास तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवारों को रौंद दिया। हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो हुई। हादसे के बाद ट्रक चालक ट्रक लेकर फरार हो गया। राहगीरों ने हादसे की सूचना पुलिस को दी।

तेज हवा व बारिश से जनजीवन अस्त व्यस्त

बहराइच। जिले में बृहस्पतिवार सुबह तेज हवा के साथ झमाझम बारिश हुई। इससे शहर से लेकर गांवों तक जलभराव हो गया। बारिश के दौरान शहर के दोनक्का तिराहे पर पीपल का पुराना पेड़ अचानक गिरने से उसके नीचे एक कार व पिकअप दब गई। इस घटना में पांच लोग घायल हो गए। बिजली गुल होने से पानी का संकट खड़ा हो गया। मौसम विभाग ने तीन दिन तक आंधी व बारिश की संभावना जताई है।बृहस्पतिवार भोर अचानक मौसम बदला और बूंदाबांदी शुरू हो गई। सात बजते-बजते बारिश शुरू हुई और लगभग एक घंटे तक लगातार जारी रही। इस दौरान शहर के माधवरेती, अकबरपुरा नई बस्ती, गुदड़ी, नाजिरपुर, सलारगंज, चांदपुरा, पुलिस लाइन, घसियारीपुरा, नौवागढ़ी आदि मोहल्लों में जलभराव हो गया। बारिश के दौरान दोनक्का तिराहे पर गोंडा की तरफ से आ रही पिकअप व कार पर पीपल का पेड़ गिर गया। जिसके नीचे कार व पिकअप दब गई। कार में सवार राजस्थान के नदोती करौली निवासी राम अवतार सहित चार लोग घायल हो गए। वहीं पिकअप सवार चालक को भी मामूली चोटें आई हैं। बारिश बंद होने के बाद क्रेन से पेड़ को हटवाया गया। इस दौरान लगभग डेढ़ घंटे तक यातायात बाधित रहा। शहर के पुलिस लाइन, ब्राह्मणीपुरा, फत्तेपुरा, छावनी, वजीरबाग आदि मोहल्लों में लगभग चार घंटे बिजली आपूर्ति ठप रही। शहर से लेकर कस्बों में पानी के लिए लोगों को परेशानी उठानी पड़ी।

कैसरगंज में पुनर्मतगणना की सुनवाई 29 को

बहराइच। कैसरगंज नगर पंचायत में हुए चुनाव में भाजपा प्रत्याशी की तरफ से पुनर्मतगणना की मांग की गई है। उनके अधिवक्ता की तरफ से बुधवार को जिला जज की अदालत में एक याचिका दायर की गई है। इस मामले में जिला जज उत्कर्ष चतुर्वेदी ने सुनवाई के लिए 29 मई की तिथि निर्धारित की है। नगर पंचायत कैसरगंज से भाजपा से अध्यक्ष पद की प्रत्याशी रही विजय पुष्पम सिंह की तरफ से याचिका दायर की गई है। इसमें बताया गया है कि बीते 13 मई को हुई अध्यक्ष पद की मतगणना में धांधली की गई है। इसमें नगर पंचायत अध्यक्ष पद के 25 प्रत्याशियों के साथ जिला निर्वाचन अधिकारी, रिटर्निंग ऑफीसर समेत 30 लोगों को प्रतिवादी भी बनाया गया है।

ढिबरी गिरने से आग की चपेट में आए बच्चे की मौत

मिहींपुरवा (बहराइच)। मोतीपुर थाना क्षेत्र के एक ग्राम पंचायत निवासी बच्चे की ढिबरी से जलकर मौत हो गई। बालक ढिबरी की रोशनी में पढ़ाई कर रहा था। इसी दौरान ढिबरी उसके ऊपर गिर गई और वो झुलसने लगा। परिजनों ने नम आंखों के साथ उसका अंतिम संस्कार कर दिया। नौसर गुमटिहा के मजरा लोधनपुरवा निवासी रामबाबू (11) बुधवार को ढिबरी की रोशनी में अकेला बैठा पढ़ाई कर रहा था। ढिबरी उसके सिर के पीछे अनाज रखने की डेहरी पर रखी थी। अचानक जलती हुई ढिबरी उसके ऊपर गिर गई और आग लगने से वह झुलसने लगा। बेटे को लपटों में घिरा देख मां ने पानी डाल कर आग को बुझाया लेकिन तब तक बच्चा बुरी तरह झुलस चुका था। परिजन उसे अस्पताल लेकर गए, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पिता पतीराम ने बताया कि आंधी-पानी की वजह से गांव में बिजली नहीं आ रही है। इसी कारण उनका बच्चा ढिबरी की रोशनी में पढ़ रहा था। ढिबरी गिरने से उसमें भरा केरोसीन बच्चे के ऊपर गिर जाने से आग ने तेजी से रामबाबू को अपनी चपेट में लेकर झुलसा दिया। परिजनों ने इस हादसे की सूचना पुलिस को दिए बिना ही शव का अंतिम संस्कार कर दिया।

900 की जगह 1800 बंदी, लेटने की दिक्कत, बिगड़ रही सेहत

बाराबंकी। जेल में क्षमता से दोगुने बंदी होने से दिक्कतें खड़ी हो रही हैं। दिन तो कट जाता है, मगर रात में जब बंदी सोने जाते हैं तो लेटने के लिए जगह खोजनी पड़ती है। बंदी बैरकों के अंदर से लेकर रास्ते तक जैसे-तैसे लेट रहे हैं। इससे भीषण गर्मी में परेशानी बढ़ गई है। जेल अस्पताल की ओपीडी में रोजाना 200 से अधिक बंदी इलाज व दवा के लिए पहुंच रहे हैं। भीड़ को देखते हुए जेल प्रशासन ने बैरकों की फर्श समतल करा दी है। जिला जेल में करीब डेढ़ दर्जन बैरक हैं। इनकी क्षमता अधिकतम 960 बंदी रखने की है। लेकिन कुछ साल से जेल में बंदियों की संख्या 1800 तक पहुंच रही है। यानी कि क्षमता से करीब दोगुनी संख्या। ऐसे में व्यवस्थाओं की हालत का अंदाजा लगाया जा सकता है। बंदियों की संख्या बढ़ने के कारण उन्हें लेटने की दिक्कतें शुरु हो गई हैं। बैरकों में बंदियों को लेटने के लिए सीमेंट के चबूतरे बनाए गए थे, मगर जब इनकी संख्या दोगुनी हो गई तो जेल प्रशासन ने चबूतरे हटवा कर बैरकों की फर्श को समतल करा दिया, ताकि बंदियों को लेटने की जगह मिल सके। अब जहां एक बंदी लेटता था, वहां दो लेट रहे हैं। रात में बैरक में जगह नहीं होती है। शौचालय आदि जाने के लिए बंदियों को रास्ता नहीं मिलता। अक्सर एक-दूसरे पर पैर पड़ जाने से बहस तक हो जाती है।

सफाई कर्मचारी संघ द्वारा जनपद के तहसील मुख्यालयों पर आंदोलन की घोषणा

त्रिगुट संवाददाता

गोण्डा। उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष श्री राघवेंद्र तिवारी की अध्यक्षता में संघ की बैठक विकास खंड झंझरी गोंडा में एक बैठक दोपहर 2.00 बजे आयोजित की गई संचालन जिला महामंत्री शिवराम शुक्ला ने किया संघ जिलाध्यक्ष श्री राघवेंद्र तिवारी एवं जिला महामंत्री श्री शिवराम शुक्ला ने संयुक्त रूप से बताया कि लंबे समय से ग्रामीण सफाई कर्मचारियों की 07 सूत्री मांगे लंबित हैं अभी तक समस्याओं का निराकरण सरकार द्वारा नहीं किया गया है जिससे कर्मचारियों में रोष व्याप्त है इसी क्रम में प्रांतीय संघ के आव्हान पर 1 जून से लेकर 12 जून तक तहसील मुख्यालयवार सेवा नियमावली, पदोन्नति, पुरानी पेंशन बहाली अधिकार यात्रा आयोजित कर /धरना प्रदर्शन कर संबंधित तहसील के उपजिलाधिकारी महोदय के माध्यम से माननीय प्रधानमंत्री जी भारत सरकार एवं माननीय मुख्यमंत्री जी उत्तर प्रदेश सरकार को ज्ञापन सौंपा जाएगा जिसमें संबंधित तहसील के आने वाले विकासखंडों के समस्त ग्रामीण सफाई कर्मचारी संबंधित तहसील के विकासखंड मुख्यालय पर एकत्र होकर अधिकार यात्रा निकालकर दोपहर 12.00. बजे तहसील प्रांगण पहुंचकर ज्ञापन सौंपेंगे। संघ जिलाध्यक्ष ने संबंधित तहसील मुख्यालय में आने वाले संबंधित विकासखंड के ग्रामीण सफाई कर्मचारियों से अपील की है कि अपनी-अपनी सहभागिता प्रदान कर कार्यक्रम को सफल बनाएं। तहसील बार कार्यक्रम निम्न प्रकार हैं–

मनकापुर तहसील दिनांक 01-06-2023 समय दोपहर 12 बजे, तरबगंज तहसील दिनांक 06-06-2023 समय दोपहर 12 बजे, गोंडा सदर तहसील दिनांक 09-06-2023 समय दोपहर 12 बजे, करनैलगंज तहसील दिनांक 12-06-2023 समय दोपहर 12 बजे। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष नरसिंह नारायण पांडे जिला अध्यक्ष राघवेंद्र तिवारी महामंत्री शिवराम शुक्ला कोषाध्यक्ष नींबू लाल गौतम मीडिया प्रभारी चंदन तिवारी मौजूद रहे।

प्रत्याशी 13 अगस्त तक जमा करें व्यय विवरण

गोण्डा। नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन 2023 के तहत नगर पालिका व नगर पंचायत के अध्यक्ष एवं सदस्य का चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों को उनके द्वारा किए गए व्यय का सम्पूर्ण विवरण जमा करना होगा। उप जिला निर्वाचन अधिकारी मुख्य विकास अधिकारी एम अरून्मौली ने नगर निकाय सामान्य निर्वाचन-2023 में निर्वाचन लड़ने वाले उम्मीदवारों को सूचित करते हुए कहा कि ऐसे उम्मीदवार जिन्होंने अब तक व्यय विवरण उपलब्ध नहीं कराया है, वे तत्काल संबंधित रिटर्निंग आफिसर के माध्यम से मुख्य कोषाधिकारी के परीक्षणोपरांत जिला निर्वाचन कार्यालय (पंचायत एवं नगरीय निकाय) में अनिवार्य रूप से उपलब्ध करा दें। उन्होंने कहा कि निर्वाचित अथवा असफल उम्मीदवार जो कुल वैध मतों के 1/5 अंश यानी 20 प्रतिशत तक मत प्राप्त किए हैं या जो जिन्होंने अपना समर्थन वापस ले लिया है, उनकी जमानत धनराशि नियमानुसार वापसी होगी। इसके लिए उन्हें अपना आवेदन पत्र जिला निर्वाचन कार्यालय (पंचायत एवं नगरीय निकाय) में निर्धारित अवधि निर्वाचन परिणाम घोषणा की तिथि से तीन माह के अंदर अर्थात 13 अगस्त 2023 तक अनिवार्य रूप से व्यय विवरण रजिस्टर उपलब्ध कराना होगा। अन्यथा उनकी जमानत धनराशि जब्त मानी जाएगी।

जिला उद्योग बन्धु की बैठक जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सम्पन्न

इकाईयों का पंजीकरण कराकर संचालित कराएं सम्बन्धित अधिकारी-जिलाधिकारी

अमरेन्द्र त्रिपाठी

बलरामपुर। जिला स्तरीय उद्योग बन्धु की बैठक जिलाधिकारी डॉ0 महेन्द्र कुमार द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार में ली गयी, उनके द्वारा सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जनपद बलरामपुर में इन्वेस्टर्स को बुलाया जाए तथा जनपद में अधिक से अधिक ईकाईयों का पंजीकरण कराकर औद्योगिक कारखाने को संचालित कराया जाए, जिससे जनपद में रोजगार के अवसर उपलब्ध हो और जनपदवासी इसका लाभ प्राप्त कर सके। इसके साथ ही डीएम द्वारा सम्बन्धित को निर्देशित किया गया कि चिन्हांकित 38 ईकाईयों को गति प्रदान करते हुये उनका पंजीकरण कराकर संचालित कराएं जाए तथा समस्त सम्बन्धित विभाग इन्वेस्टर्स पर अपनी रिपोर्ट तैयार कर शीघ्र उपलब्ध कराएं। इस कार्य में किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए। तत्पश्चात् प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, एक जनपद एक उत्पाद वित्त पोषण सहायता योजना, उत्तर प्रदेश सूक्ष्म एवं मध्यम उद्यम अधिनियम, शिक्षुता प्रशिक्षण योजना, उद्यम रजिस्ट्रेशन की समीक्षा की गयी। इस दौरान जनपद में अतिरिक्त औद्योगिक आस्थान की स्थापना हेतु भूमि के चयन पर भी चर्चा की गयी।

बैठक के दौरान उपायुक्त उद्योग/सचिव जिला उद्योग बन्धु समिति राजेश कुमार पाण्डेय द्वारा बताया गया कि जनपद में अब तक 200 निवेशकों द्वारा कुल रु0 1939.60 करोड़ के निवेश प्रस्ताव दाखिल किये गये है, जिसमें से 178 निवेशकों द्वारा कुल रु0 1349.35 करोड़ के एम0ओ0यू0 हस्ताक्षरित किये गये है। उद्यम रजिस्ट्रेशन के तहत 01 अप्रैल, 2023 से 25 मई, 2023 तक कुल 347 इकाईयों का उद्यम रजिस्ट्रेशन विभिन्न उद्यमों में कराया गया है। इस दौरान अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व प्रदीप कुमार, उपायुक्त उद्योग राजेश कुमार पाण्डेय, खाद्य सुरक्षा अधिकारी विनोद कुमार पाण्डेय, सहायक श्रम अधिकारी कुलदीप सिंह, जिला पूर्ति अधिकारी व अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण/कर्मचारीगण एवं उद्यमी मौजूद रहे।

रोजगार मेले का किया गया आयोजन

बलरामपुर। जिला रोजगार सहायता अधिकारी आशा वर्मा ने बताया कि शिक्षित बेरोजगारों को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला सेवायोजन कार्यालय बलरामपुर, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान विशुनपुर विश्राम पचपेड़वा, बलरामपुर एवं जिला समन्वयक, उ0प्र0 कौशल विकास मिशन बलरामपुर के संयुक्त तत्वाधान में 27 मई, 2023 को प्रातः 11 बजे से एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया जायेगा। इस रोजगार मेले में निजी क्षेत्र की कम्पनियों द्वारा प्रतिभाग किया जायेगा जिसमें हाईस्कूल, इण्टर, स्नातक एवं आई0टी0 उत्तीर्ण अभ्यर्थी जिनकी आयु 18 से 30 वर्ष के मध्य है प्रतिभाग कर सकते है। बेरोजगार अभ्यर्थी sewayojan.up.nic.in पर ऑनलाइन पंजीयन कराकर कम्पनियों में आवेदन कर रोजगार मेले में प्रतिभाग कर सकते है। जो अभ्यर्थी अपना पंजीयन नहीं करा सके है, वे अपना समस्त अंकपत्र की छायाप्रति, प्रमाण पत्र, आधार कार्ड की छायाप्रति एवं 01 फोटो सहित जिला सेवायोजन पोर्टल पर उपलब्ध है, इच्छुक अभ्यर्थी अपनी समस्त शैक्षिक योग्यता प्रमाण की छायाप्रति के साथ 27 मई को आयोजित रोजगार मेले में प्रतिभाग कर सकते है। अभ्यर्थी इस अवसर का लाभ उठाएं।

शांति व्यवस्था बनाए रखें क्षेत्र वासी थाना अध्यक्ष प्रबोध कुमार ने पैदल गश्त के दौरान कहीं यह बात

मोहम्मद सुलेमान

गोंडा! शांति व्यवस्था बनाए रखें क्षेत्रवासी थाना अध्यक्ष ने पैदल गस्त के दौरान कहीं यह बात मोतीगंज थाना अध्यक्ष प्रबोध कुमार ने शुक्रवार देर शाम मोतीगंज बाजार कस्बा रेलवे स्टेशन सहित आधा दर्जन स्थानों पर पैदल गस्त करते हुए क्षेत्र वासियों से कहा कि क्षेत्रवासी शांति व्यवस्था अमन-चैन बनाए रखें इस दौरान दुकानदारों व्यापारियों व अन्य लोगों को सुरक्षा का भरोसा दिलाया

थानाध्यक्ष मोतीगंज अपने हमराही पुलिसकर्मियों के साथ देर शाम को मोतीगंज बाजार सहित आधा दर्जन स्थानों पर पैदल गस्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया तथा क्षेत्र के लोगों को जागरूक करते हुए उन्हें सुरक्षा का भरोसा दिलाया थाना अध्यक्ष ने कहा कि अगर किसी भी दुकानदार व्यापारी या क्षेत्रवासी को कोई भी अराजक तत्व या अपराधी किस्म का व्यक्ति परेशान करने की कोशिश करता है तो उसकी सूचना तुरंत पुलिस को दें यूपी पुलिस दिन हो या रात 24 घंटा आम जनता के साथ पुलिस अधीक्षक गोंडा आकाश तोमर के निर्देशन में प्रतिदिन मोतीगंज पुलिस तथा अन्य थानों के पुलिस द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों में पैदल गस्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया जा रहा है तथा संदिग्ध व्यक्तियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है वहीं पैदल गश्त के दौरान संदिग्ध व्यक्ति संदिग्ध वाहनों का चेकिंग भी किया जा रहा है थाना अध्यक्ष ने बताया कि जनता की सुरक्षा व्यवस्था के लिए हर क्षेत्र में पूरी रात पुलिस गश्त करती रहती है जिससे कि लोग अपने घरों में आराम से रहे और किसी प्रकार की कोई परेशानी ना हो उन्होंने जनता से आह्वान किया कि पुलिस और जनता की मित्रता से ही अपराधों पर काबू पाया जा सकता है इसीलिए मित्रता बनाए रखें!

नारी ज्ञानस्थली कालेज में ब्यूटी पार्लर का उदघाटन

निज संवाददाता

गोण्डा। सरस्वती देवी नारी ज्ञानस्थली पी0जी0 कालेज गोण्डा में एक बेहद सुंदर तथा सभी सुविधाओं से युक्त ब्यूटी पार्लर का उदघाटन इन्हैंश ब्यूटी पार्लर कि संस्थापक व हेयर स्पेशलिस्ट श्रीमती सुषमा त्रिपाठी ने किया। उन्होंने छात्राओं को बताया कि स्किन व हेयर के लिये किन चीजों का विशेष ध्यान रखना चाहिये तथा आज के परिपेक्ष्य में ब्यूटिशियन का कोर्स करना क्यों आवश्यक है। पार्लर इंचार्ज आंचल रस्तोगी ने पार्लर में चलाये जाने वाले विभिन्न कोर्सेस की जानकारी दी। प्राचार्या डा0 आरती श्रीवास्तव ने बताया कि ज्ञानस्थली में पिछले दो दशकों से ब्यूटीशियन का कोर्स चलाया जा रहा था ताकि छात्रायें डिग्री के साथ साथ कुछ ऐसे काम भी सीख सकें जिससे अपने पैरों पर खड़ी हो सकें। आज बहुत सारी छात्रायें यहां से सीख कर अपना पाल्रर चला रहीं हैं व जीवकोपार्जन कर रही है। अब नयी शिक्षा नीति के तहत छात्राओं को व्यवसायिक शिक्षा के अन्तर्गत ब्यूटीशियन का कोर्स करने का मौका दिया गया है। इसलिये पार्लर और भी सुंदर बनाया गया है तथा बेहद ट्रेंड आंचल रस्तोगी जो कि ज्ञानस्थली की पूर्व छात्रा भी है इसको अपने टीम के साथ छात्राओं को ट्रेंनिग देंगी। यदि अन्य कालेज की छात्रायें भी यहां पर सीखना चाहती है तो सीख सकती है। मंत्रों के उच्चारण व शंखनाद के साथ पार्लर का उदघाटन हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय की श्रीमती रंजना बन्धु, डा0 नीलम छाबड़ा, डा0 हरप्रीत कौर, डा0 मौसमी सिंह, डा0 सीमा श्रीवास्तव, डा0 नीतू सिंह, डा0 आशू त्रिपाठी, डा0 अमिता श्रीवास्तव, डा0 रश्मि द्विवेदी, श्रीमती कचंनलता, श्रीमती किरन, श्वेता, समता, चन्द्रपाल, अतुल तिवारी, नेहा जायसवाल, सुषमा सिंह, सुनीता मिश्रा, वन्दना, वर्तिका, प्रीती, अरविन्द कुमार पाठक, संध्या, मनोज, मंगली, गंगेश्वर, दिनेश, ननकू, संतोष, कृष्णकुमार, किरन, राम चरन यादव आदि उपस्थित रहे।

तेज हवा से पेड़ वाह व विद्युत खंभा गिरने से बाल-बाल बचे पत्रकार यज्ञ नारायण तिवारी

मोतीगंज (गोंडा)! पेड़ व विद्युत खंभा गिरने से बाल बाल बचे पत्रकार यज्ञ नारायण त्रिपाठी शुक्रवार को सुबह एकाएक तेज हवा चलने से थाना मोतीगंज क्षेत्र के रामपुर निवासी पत्रकार यज्ञ नारायण त्रिपाठी अपने दरवाजे पर भैंस को चारा खिला रहे थे कि एकाएक तेज हवा चली और एक पेड़ टूट कर एक विद्युत खंभे पर जा गिरा जिससे पेड़ और विद्युत खंभा भरभरा का जमीन पर गिर गए वहीं अपनी भैंस को चारा खिला रहे पत्रकार एक नारायण त्रिपाठी काफी तेजी के साथ भागकर दूर जाकर खड़े हुए तब तक एक पेड़ और भरभरा कर गिर गया जो पत्रकार के बाइक पर गिरा और बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई पत्रकार एक राम त्रिपाठी ने बताया कि भगवान की कृपया रही की पैड और साथ में गिरा और मैं भागकर दूर खड़ा हो गया जिससे एक ठहनी टूट कर मेरे पैर पर आकर गिरी जिससे पैर में काफी चोट लग गई और बाइक पर पेड़ व विद्युत पोल गिरने के कारण बाय बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई शुक्रवार सुबह एकाएक तेज हवा के साथ बारिश भी हुई इसी बीच एक नारायण त्रिपाठी अपनी भैंस को चारा खिला रहे थे उन्हें क्या पता था कि पेड़ और विद्युत खंभा एक साथ टूटकर गिरेगा जैसे ही पेंट की गड़गड़ाहट की आवाज सुनी पत्रकार भागकर दूर खड़ा हुए गनीमत रही कि पेड़ ना तो भैंस पर गिरी और ना पत्रकार के ऊपर नहीं तो बहुत बड़ी घटना घट जाती बाइक पर पेंट व विद्युत पोल गिरने से बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है और पत्रकार के पैर में चोट लगी है जिन का इलाज स्थानीय चिकित्सक के यहां कराया गया जो पूरी तरह स्वस्थ हैं

तीन अभियुक्तों की जामनत अर्जी की निरस्त

बहराइच। थाना रूपईडीहा में सामूहिक दुष्कर्म के मामले दो अभियुक्त व कैसरगंज थाना क्षेत्र में हत्या व मारपीट के मामले में एक अभियुक्त की जमानत याचिका न्यायाधीशों ने निरस्त कर दिया है। एडीजीसी सुनील जायसवाल ने बताया कि वादिनी मुकदमा ने थाना रूपईडीहा के गुरुचाही निवासी वारिस व पप्पू के खिलाफ थाने में 16 जुलाई 2022 को तहरीर देकर उसके साथ सामूहिक रूप से दुष्कर्म करने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया था। न्यायाधीश ने दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद याचिका निरस्त कर दी है। एडीजीसी गिरीशचंद्र शुक्ला ने बताया कि कैसरगंज थाने में वादिनी मुकदमा शन्नों ने थाना क्षेत्र के एखलाक, अल्ताब, शादाब व अमन के खिलाफ तहरीर देते हुए मारपीट व हत्या करने का मुकदमा दर्ज कराया था। बृहस्पतिवार को प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश रामप्रकाश पांडेय के न्यायालय में जमानत अर्जी पेश की गई थी। न्यायाधीश ने जमानत याचिका निरस्त कर दी है।

बाढ़ राहत एवं बचाव की तैयारियों के संबंध में डीएम की अध्यक्षता में बैठक संपन्न

बैठक से अनुपस्थित एक्सईएन ड्रेजिंग कार्य से जवाब तलब

त्रिगुट संवाददाता

बलरामपुर। जिलाधिकारी डॉ0 महेन्द्र कुमार की अध्यक्षता में बाढ़ पूर्व तैयारियों की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने जनपद में तटबंधों पर हो रहे नये नौ कार्यों एवं सड़क निर्माण के दो कार्यों की तटबंधवार समीक्षा की गई। इसके साथ ही पहले से बने सत्रह तटबंधों की भौतिक स्थिति की जांच कर रिपोर्ट देने के निर्देश उपजिलाधिकारियों को दिए हैं। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि बाढ़ से पूर्व सभी कटान निरोधक कार्यों को प्रत्येक दशा मे पूण करा लिये जाएं।

बैठक में डीएम द्वारा राप्ती नदी के तट पर हो रहे बाढ़ निरोधक कार्यों बोल्डर कटर कार्य, लूप कटिंग कार्य, जिओ ट्यूब, जिओ बैग आदि कार्य का निरीक्षण एसडीएम द्वारा किए जाने एवं सभी की रिपोर्ट सौंपी जाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे तटबंध जोकि मरम्मत योग्य हैं, पिछले बाढ़ में क्षतिग्रस्त हुए हैं या उनमें रेट होल आदि हुए हैं उसका सर्वे करते हुए मरम्मत बरसात से पूर्व कर लें। उन्होंने कहा कि तटबंधो पर झाड़िया आदि हटा दी जाए। तटबंध की मरम्मत एवं झाड़ियां हटाने का कार्य की रिपोर्ट एसडीएम को सौंपेंगे। उन्होंने कहा कि ऐसे ग्राम पंचायत जो कि प्रतिवर्ष बाढ़ से प्रभावित होते हैं वहां ग्राम पंचायत स्तर पर नाव खरीद ली जाए एवं जिला स्तर से उनको लाइफ जैकेट आदि प्रदान की जाए। उन्होंने बाढ़ चैकियां एवं बाढ़ निगरानी टीमों को सक्रिय कर लिए जाने का निर्देश दिया। बाढ़ से पूर्व भूसा टेंडर, नाव टेंडर, राहत सामग्री टेंडर आदि का टेंडर कर लिए जाने का निर्देश दिया। डीएम द्वारा ड्रेजिंग कार्य की समीक्षा के दौरान अधिशासी अभियन्ता यात्रिंक डिवीजन ड्रेजिंग सुजीत कुमार के अनुपस्थित पाये जाने व कार्य में लापरवाही बरतने एवं सूचना न देने पर उनके खिलाफ तत्काल कार्यवाही के निर्देश दिए गये। इस अवसर पर एडीएम वित्त एवं राजस्व प्रदीप कुमार, डीएफओ एम सेम्मारन, एसडीएम बलरामपुर सदर राजेन्द्र बहादुर, तुलसीपुर मंगलेष दूबे, उतरौला स्वप्निल यादव, अधिशासी अभियंता बाढ़ खंड जेके लाल, पीडी डीआरडीए सीपी श्रीवास्तव, डीआईओएस गोन्दिराम, डीपीआरओ निलेश प्रताप सिंह, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, बेसिक शिक्षा अधिकारी कल्पना देवी, जिला पूर्ति अधिकारी कुंवर दिनेश प्रताप सिंह, आपदा विशेषज्ञ अरुण कुमार सिंह व अन्य संबंधित अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

अवध विवि द्वारा ग्रामीण महिलाओं को योगाभ्यास कराया गया

अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में ग्रामीण महिलाएं योग से प्रशिक्षित हुई

डा0 नरेन्द्र बहादुर सिंह

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गांव मसौधा में ग्रामीण महिलाओं को योग की बरीकियों से प्रशिक्षित किया गया। शुक्रवार को विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल के निर्देश पर अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में महिला अध्ययन केंद्र एवं महिला शिकायत कल्याण प्रकोष्ठ द्वारा द्वारा योगाभ्यास कराया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय योग विज्ञान की योगाचार्या गायत्री वर्मा ने ताड़ासन, त्रिर्यक ताड़ासन, कटिचक्रासन, अनुलोम विलोम, कपालभाति जैसे प्राणायाम अपनाने से महिलाओं में ग्रीवा, कमर दर्द एवं पाचन सम्बन्धी समस्याओं से छूटकारा पाया जा सकता है। उन्होंने गर्भाशय सम्बंधित रोगों के उपचार में मार्जरी आसन, शलभासन, पश्चिमोत्तानासन, हलासन तथा अग्निसार क्रिया काफी प्रभावकारी है। उन्होंने महिलाओं को सूर्यध्यान कराते हुए कहा कि योग को नियमित अपनी दिनचर्या लाए और स्वयं के साथ अन्य को भी योगाभ्यास के लिए प्रेरित करें। कार्यक्रम में महिला अध्ययन केंद्र एवं महिला शिकायत कल्याण प्रकोष्ठ की समन्वयक प्रो0 तुहीना वर्मा ने महिलाओं को योगाभ्यास के लिए प्रेरित किया। कहा कि कामकाजी महिलाएं कुछ समय योगाभ्यास पर ध्यान देना चाहिए। इससें काफी हद तक शारीरिक समस्या दूर हो जायेगी। योगाभ्यास कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद डॉ0 स्नेहा पटेल द्वारा किया गया। इस अवसर पर विश्विद्यालय स्वास्थ्य केन्द्र की प्रभारी डॉ0 दीपशिखा चैधरी, ग्राम प्रधान ऋषिकेश वर्मा, डॉ0 निहारिका सिंह, डॉ0 प्रतिभा त्रिपाठी सहित अन्य ग्रामीण महिलाओं ने योगाभ्यास किया।

दो पालियों की परीक्षा में 765 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की स्नातक एवं परास्नातक वार्षिक दो पालियों की परीक्षा में 50 हजार 119 परीक्षार्थियों के सापेक्ष 765 अनुपस्थित रहे। प्रथम पाली की परीक्षा में 31 हजार 304 में से 497 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। वही द्वितीय पाली की परीक्षा में 17 हजार 815 परीक्षार्थियों के सापेक्ष 268 अनुपस्थित रहे।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, गोण्डा वृत्त, लो0नि0वि0, गोण्डा

पत्रांकः– 1659 / 98काम–गो0वृ0 / 23–24 दिनांक 20.05.2023

अल्पकालीन ई–निविदा सूचना

महामहिम राज्यपाल महोदय उ0प्र0 की ओर से लोक निर्माण विभाग उ0प्र0 में पंजीकृत निविदादाताओ से ई–टेण्डरिंग के माध्यम से नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा स्वीकृत की प्रत्याशा में आंमत्रित की जाती है ।

क्र0 सं0	जनपद / खण्ड का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (जी0एस0टी0 रहित) (लाख में)	धरोहर धनराशि (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य समस्त कर सहित (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा ऋतु सहित)	पात्र ठेकेदार की पंजीयन की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8
विधान सभा मनकापुर में आर0आई0डी0एफ0–28 योजना के अन्तर्गत कार्य।							
1	गोण्डा / प्रान्तीय खण्ड	राजस्व ग्राम अशरफपुर का मजरा जगदीशपुर सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य।	57.84	04.90	2600	04 माह	ए,बी,सी,

बिड डाक्यूमेन्ट बेबसाईट– http://etender.up.nic.in पर दिनांक 29.05.2023 से 13.06.2023 को सांय 3.00 बजे तक उपलब्ध है जो कि दिनांक 06.06.2023 को दोपहर 3.00 बजे तक डाउनलोड/अपलोड किये जा सकते है। निविदाओ की तकनीकी बिड दिनांक 13.06.2023 को दोपहर 04.00 बजे खोली जायेगी।

निविदा से संबंधित नियम/शर्ते तथा विवरण बेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। पंजीकृत निविदादाता द्वारा जो विवरण ई–टेण्डरिंग, एन0आई0सी0 की साइट पर अपलोड किया जाना है, को साथ ही साथ लोक निर्माण विभाग की बेवसाईट www.uppwd.gov.in साथ के प्रहरी सॉफ्टवेयर में भी अपलोड करना होगा। निविदा की अंतिम तिथि 13.06.2023 के दोपहर 3.00 बजे तक शुद्धिपत्र यदि कोई हो तो उसे ई पोर्टल पर अपलोड कर दियाा जायेगा।

(पी.के.त्रिपाठी)
अधिशासी अभियन्ता,
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, गोण्डा

उ0प्र0-190149 दिनांक-24.05.2023
वेबसाइट-www.upgov.nic.in

(भगवान दास)
अधीक्षण अभियन्ता,
गोण्डा वृत्त, लो0नि0वि0, गोण्डा

RNI No. 46071/85
स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक टी.रजा रिज़वी ने विकास प्रिन्टिंग प्रेस, मालवीयनगर, गोण्डा से मुद्रण करवाकर 568, मालवीयनगर गोण्डा (उ0प्र0) 271001 से प्रकाशित किया।

गोण्डा कार्यालय
फोन / फैक्स–05262–230683
मो0– 09415120085
लखनऊ कार्यालय–
फोन– 0522–4028445
मो0– 09415249085
:- E-mail :-
trigutdainik@gmail.com